जबलपुर, गुरुवार
दिनांक 12 मार्च 2026
वर्ष 31 अंक 255
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 3.00
www.swatantramat.com

स्वतंत्र मत

सुविचार
'सपनों को सच करने का सबसे अच्छा तरीका है उन्हें पूरा करना शुरू करना'

2 विक्रमपुर पंचायत में 13.66 लाख...
5 किसी ने बनाया प्रधानमंत्री आवास ...
7 पॉलिटिकल प्रेशर और टैक्स ट्रबल...
11 बुंदेलखंड में शिक्षा का लिखा जा रहा...

मुख्य चुनाव आयुक्त को पद से हटाने का प्रस्ताव तैयार

लोकसभा के 120, राज्यसभा के 60 सांसदों ने दस्तखत किए

नई दिल्ली

विपक्षी दलों ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने के लिए प्रस्ताव लाने के लिए सांसदों के दस्तखत जुटा लिए हैं। सूत्रों के अनुसार यह प्रस्ताव गुरुवार या शुक्रवार को संसद के दोनों सदनों (लोकसभा और राज्यसभा) में पेश किया जा सकता है। एक वरिष्ठ सांसद ने बताया कि हस्ताक्षर जुटाने का काम पूरा हो गया है। अब तक लोकसभा में प्रस्ताव देने के लिए लगभग 120 सांसदों और राज्यसभा में लगभग 60 सांसदों ने इस नोटिस पर दस्तखत किए हैं। विपक्ष का आरोप है कि सीईसी कई मौकों पर सत्तारूढ़ भाजपा को फायदा पहुंचाने में मदद कर रहे हैं, खासकर स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन नाम की मतदाता सूची की समीक्षा प्रक्रिया को लेकर। विपक्ष का कहना है कि यह प्रक्रिया केंद्र की सरकार को फायदा पहुंचाने के लिए की जा रही है। विशेष रूप से पश्चिम बंगाल में इस प्रक्रिया को लेकर चिंता जताई गई है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आरोप लगाया है कि चुनाव आयोग असली मतदाताओं के नाम वोटर लिस्ट से हटा रहा है।

100 सांसदों के दस्तखत जरूरी

लोकसभा में सीईसी को हटाने के प्रस्ताव के लिए कम से कम 100 सांसदों के हस्ताक्षर जरूरी होते हैं। राज्यसभा में इसके लिए कम से कम 50 सांसदों के हस्ताक्षर जरूरी होते हैं। सूत्रों के मुताबिक यह नोटिस इंडिया गठबंधन के सभी दलों के सांसदों ने मिलकर साइन किया है। यह पहली बार है जब मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने के लिए ऐसा नोटिस दिया जा रहा है।

प्रस्ताव मंजूर होने पर बनेगी जांच समिति

मुख्य चुनाव आयुक्त को उसी तरीके से हटाया जा सकता है जैसे सुप्रीम कोर्ट के जज को हटाया जाता है। अन्य चुनाव आयुक्तों को हटाने के लिए मुख्य चुनाव आयुक्त की सिफारिश जरूरी होती है। जजेज (इन्क्वायरी) एक्ट 1968 के अनुसार, अगर दोनों सदनों में एक ही दिन नोटिस दिया जाता है, तो जांच समिति तभी बनेगी जब दोनों सदनों में प्रस्ताव स्वीकार कर लिया जाएगा। इसके बाद लोकसभा स्पीकर और राज्यसभा चेयरमैन मिलकर एक संयुक्त जांच समिति बनाएंगे।

एडीपीओ और वेटनरी असिस्टेंट सर्जन परीक्षा की तारीखें जारी

इंदौर। मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग ने 2 परीक्षाओं के लिए आवेदन की तारीखें जारी कर दी है। एडीपीओ के 17 पद और वेटनरी असिस्टेंट सर्जन के 80 पद हैं। एडीपीओ की एग्जाम के लिए ऑनलाइन आवेदन करने की आखिरी तारीख 8 मई 2026 है। आयोग के अधिकारी डॉ. आर पंचभाई ने बताया कि एडीपीओ का एग्जाम 18 अक्टूबर 2026 और वेटनरी असिस्टेंट सर्जन की एग्जाम 2 अगस्त 2026 को आयोजित की जाना है। इन एग्जाम के लिए अभ्यर्थी आयोग की वेबसाइट पर अप्लाई कर सकते हैं। एग्जाम के लिए आवेदन केवल ऑनलाइन की स्वीकार होंगे, अन्य किसी भी प्रकार से भेज जाने वाले आवेदन पत्र आयोग स्वीकार नहीं करेगा।

रायपुर में विंग कमांडर ने किया सुसाइड

रायपुर। रायपुर में एयरफोर्स के विंग कमांडर ने सुसाइड कर लिया है। पुरैना स्थित विधायक कॉलोनी में विंग कमांडर की घर के अंदर फांसी पर लटकती लाश मिली है। पुलिस के मुताबिक, विपुल यादव (39) ने पुरैना विधायक कॉलोनी स्थित बंगला नंबर-79 में घर के कमरे में फांसी लगा ली। विपुल हरियाणा के रहने वाले थे और रायपुर में तैनात थे।

बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष की बेटी की हार्ट अटैक से मौत

बैतूल। मध्य प्रदेश बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल की बेटी सुरभि खंडेलवाल (34) की हार्ट अटैक से मौत हो गई। भाजपा के प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल ने सोशल मीडिया पर खंडेलवाल की बेटी के निधन की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वे एक स्पेशल चाइल्ड थीं। लंबे समय से बीमार थीं। बुधवार सुबह करीब 11.30 बजे उनकी रूटीन फिजियोथेरेपी हुई थी। इसके कुछ देर बाद ही उनकी तबीयत बिगड़ गई। दोपहर करीब 12 बजे जान चली गई।

जासूसी के आरोप में नौसैनिक गिरफ्तार

आगरा। यूपी एटीएस ने आगरा से एक पाकिस्तानी जासूस को गिरफ्तार किया है। वह भारतीय नौसेना यानी नेवी में लांस नायक है। पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के लिए जासूसी कर रहा था। उसने आईएसआई एजेंट को देश के युद्धपोतों की तस्वीरें और डिटेल्स भेजी हैं। एटीएस ने आरोपी आदर्श कुमार उर्फ लकी को आगरा में उसके गांव कागारौल थाने के गांव चीतपुर से दबोचा। उसकी 22 दिन पहले ही शादी हुई थी। हनीमून मनाने दुबई गया था।

2 बच्चों को कुएं में धकेला, नवजात को लेकर खुद भी कूदी मां

बड़वाह। मध्य प्रदेश के खरगोन जिले में मां ने पहले अपने दो मासूम बच्चों को कुएं में धक्का दे दिया। इसके बाद 20 दिन के नवजात को लेकर खुद भी कुएं में कूद गई। तीनों बच्चों की पानी में डूबने से मौत हो गई, जबकि मां को जिंदा बाहर निकाल लिया गया। मामला सनावद थाना क्षेत्र के भोमवाड़ा-मलगांव का है।

ढाई दिन में मिलेगा सिलिंडर

सरकार का दावा- एलपीजी की सप्लाई पूरी तरह नियंत्रण में

नई दिल्ली

भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने साफ किया है कि देश में कच्चे तेल की आपूर्ति बिना किसी बाधा के और पूरी तरह से सुरक्षित रूप से जारी है। घरेलू उपभोक्ताओं को बुकिंग के बाद ढाई दिनों में सिलिंडर मिल जा रहा है और यह डिलिवरी की सामान्य साइकिल है। मंत्रालय ने देशवासियों से अपील की है कि वे एलपीजी सिलिंडर की किल्लत की किसी भी प्रकार की आशंका के चलते पैनिक बुकिंग बिल्कुल न करें। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने एक ब्रीफिंग में पत्रकारों को बताया कि भारत की कच्चे तेल की आपूर्ति सुरक्षित बनी हुई है। उन्होंने कहा, फीडबैक से पता चलता है कि गलत जानकारी के कारण कुछ लोग घबराकर सिलिंडर बुक करा रहे हैं और जमाखोरी कर रहे हैं। मैं साफ करना चाहती हूं कि घरेलू एलपीजी की हमारी सामान्य डिलीवरी साइकिल लगभग ढाई दिन की है, इसलिए मैं अनुरोध करती हूं... ग्राहकों को सिलिंडर बुक कराने के लिए जल्दबाजी करने की कोई जरूरत नहीं है... घबराकर बुकिंग कराने की

कोई जरूरत नहीं है। पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिकारी ने बताया कि दो एलएनजी कार्गो भारत की ओर चल पड़े हैं। कुछ ही दिनों में देश पहुंच जाएंगे। हमारी रिफाइनरी अधिकतम क्षमता के साथ काम कर रहे हैं। कुछ रिफाइनरी 100 प्रतिशत से अधिक की क्षमता के साथ काम कर रहे हैं। उन्होंने आश्वासन दिया है कि देश की ऊर्जा सुरक्षा पूरी तरह मजबूत है, लेकिन अफवाहों के चलते हो रही पैनिक बुकिंग को रोकने के लिए ही सरकार ने एलपीजी सिलिंडर की बुकिंग के नियमों में बड़ा बदलाव किया है। पेट्रोलियम मंत्रालय ने आम उपभोक्ताओं को आश्वस्त किया है कि गैस आपूर्ति की कोई कमी नहीं है, इसलिए बाजार में किसी भी प्रकार की घबराहट या पैनिक बुकिंग करने की कोई आवश्यकता नहीं है। शर्मा ने बताया कि मांग को मैनेज करने के लिए अस्थायी तौर पर दो एलपीजी बुकिंग के बीच के न्यूनतम अंतर को 21 दिन से बढ़ाकर 25 दिन कर दिया गया है। डिस्ट्रीब्यूटर स्तर पर गैस की हेराफेरी रोकने के लिए डिलीवरी ऑथेंटिकेशन कोड (डीएसी) सिस्टम लागू किया गया है।

कीमतों पर नियंत्रण

दिल्ली में घरेलू एलपीजी सिलिंडर की मौजूदा कीमत 60 रुपये की बढ़ोतरी के बाद 913 रुपये है। शर्मा ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एलपीजी के दाम 41 प्रतिशत बढ़े हैं, लेकिन सरकारी मदद के कारण उज्ज्वला लाभार्थियों के लिए कीमतें 32 प्रतिशत कम हुई हैं। तेल कंपनियों को नुकसान से बचाने के लिए 30,000 करोड़ रुपये के मुआवजे को मंजूरी दी गई है।

आपूर्ति और ऊर्जा सुरक्षा

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने कहा है कि देश की ऊर्जा और ईंधन जरूरतों को सुचारू रूप से पूरा करने के लिए मंत्रालय द्वारा आपूर्ति शृंखला को निरंतर और स्थिर बनाए रखा जा रहा है। मंत्रालय के अनुसार, राज्य सरकारों को ईंधन की जमाखोरी और कालाबाजारी को रोकने के लिए निवारक कार्रवाई करने को कहा गया है।

घरेलू उत्पादन बढ़ा

हालांकि भारत अपनी एलपीजी जरूरत का 60 प्रतिशत आयात करता है (जिसका 90 प्रतिशत होर्मुज जलडमरूमध्य से आता है), लेकिन मौजूदा स्थिति से निपटने के लिए घरेलू एलपीजी उत्पादन में 25 प्रतिशत की वृद्धि की गई है और यह पूरा हिस्सा घरेलू उपभोक्ताओं को दिया जा रहा है।

कच्चा तेल

शर्मा ने बताया कि सरकार ने आयात के स्रोतों में विविधता लाई है। उन्होंने कहा, अब हमारे क्रूड आयात का लगभग 70 प्रतिशत हिस्सा होर्मुज जलडमरूमध्य के बाहर के रास्तों से आ रहा है, जो पहले लगभग 55 प्रतिशत था। देश की रिफाइनरियां अपनी 100 प्रतिशत से अधिक क्षमता पर काम कर रही हैं, जिससे सप्लाई मजबूत बनी हुई है।

प्राकृतिक गैस

भारत में प्रतिदिन लगभग 189 मिलियन मीट्रिक स्टैंडर्ड क्यूबिक मीटर नेचुरल गैस की खपत होती है, जिसमें 97.5 मिलियन मीट्रिक स्टैंडर्ड क्यूबिक मीटर घरेलू स्तर पर पैदा होती है। आयात की जाने वाली करीब 47.44 मिलियन मीट्रिक स्टैंडर्ड क्यूबिक मीटर गैस की सप्लाई बाहरी कारणों से प्रभावित हुई है।

कंट्रोल ऑर्डर लागू

इससे निपटने के लिए सरकार ने 9 तारीख को नेचुरल गैस कंट्रोल ऑर्डर जारी किया है। प्राथमिकता वाले क्षेत्रों को बचाने के लिए रिफाइनरियों और पेट्रोकेमिकल यूनिट्स की गैस सप्लाई में 35 प्रतिशत की कटौती की जाएगी। वैकल्पिक रास्तों से गैस मंगवाई जा रही है और दो एलएनजी कार्गो भारत के रास्ते में हैं।

स्पीकर बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव खारिज

राहुल गांधी बोले- प्रधानमंत्री कॉम्प्रोमाइज्ड हैं

नई दिल्ली। लोकसभा में बुधवार को स्पीकर ओम बिरला को पद से हटाने वाला अविश्वास प्रस्ताव ध्वनिमत से खारिज हो गया। सरकार की तरफ से गृह मंत्री अमित शाह ने 56 मिनट तक प्रस्ताव पर जवाब दिया। इस दौरान उन्होंने राहुल गांधी और कांग्रेस पर जमकर हमला बोला। शाह ने कहा कि 18वीं लोकसभा में कांग्रेस सांसदों को बोलने के लिए भाजपा से दो गुना ज्यादा समय मिला। फिर भी विपक्ष के नेता कहते हैं कि हमें बोलने नहीं दिया जाता। जब बोलने का मौका आता है तो वे जर्मनी में होते हैं, इंग्लैंड में होते हैं। शाह ने कहा- एक तो वे बोलना नहीं चाहते हैं। जब बोलना चाहते हैं तो नियम के अनुसार नहीं बोलना चाहते हैं। ये सदन नियम से चलेगा। स्पीकर को नियमों के उल्लघंन पर रोकने और टोकने का अधिकार है। ये सदन मेला नहीं है, जो नियम से नहीं चलेंगे, उसका माइक बंद ही होगा। गृह मंत्री ने आगे कहा- राहुल सदन में प्रधानमंत्री मोदी से आकर गले लग जाते हैं। आंख मारते हैं। फ्लाइंग किस देते हैं। मुझे तो बोलने में भी शर्म आती है। ये स्पीकर के आचरण पर सवाल करते हैं। अपने आचरण पर भी तो सवाल करिए। शाह के जवाब के दौरान विपक्ष ने जमकर हंगामा किया और अमित शाह माफी मांगो के नारे लगाए। राहुल गांधी ने लोकसभा में कहा कि हम जब भी बोलने को होते हैं हमे रोका-टोका जाता है। उन्होंने कहा कि यह चर्चा लोकतंत्र और स्पीकर की भूमिका पर है। कई मौकों पर मेरा नाम लिया गया। हर समय हमें बोलने से रोका गया। राहुल गांधी ने कहा- यहां कई बार डेमोक्रेटिक प्रोसेस के बारे में चर्चा हुई। कई बार मेरा नाम लिया गया है। ये हाउस देश के लोगों को दर्शाता है। जब हम बोलते हैं हम बोलने से रोका जाता है। राहुल ने कहा कि आखिरी बार बोलते हुए मैंने प्रधानमंत्री की ओर से कॉम्प्रोमाइज का मुद्दा उठाया था। सदन देश का प्रतिनिधित्व करता है। पहली बार विपक्ष के नेता को नहीं बोलने दिया गया। प्रधानमंत्री कॉम्प्रोमाइज्ड हैं।

विवादित चैप्टर लिखने वाली टीम को हटाने की तैयारी

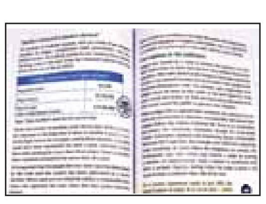

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में एनसीईआरटी की किताब से जुड़े मामले पर बुधवार को सुनवाई हुई। सुप्रीम कोर्ट एनसीईआरटी के कक्षा 8वीं की सोशल साइंस की किताब में 'करप्शन इन द ज्यूडिशियरी' नाम का सब-चैप्टर तैयार करने वाली टीम को हटाने की तैयारी में है। कोर्ट ने केंद्र सरकार, सभी राज्य सरकारों और पब्लिक फंडेड इंस्टीट्यूशन्स को निर्देश दिया है कि एनसीईआरटी के सोशल साइंस करिकुलम के चेयरपर्सन प्रोफेसर मिशेल डेनिनो को पाठ्यक्रम से अलग करें। साथ ही, उनके दो अन्य सहयोगी सदस्यों दिवाकर और आलोक प्रसन्न कुमार को भी किसी भी तरह से पाठ्यक्रम तैयार करने की प्रक्रिया में शामिल न किया जाए। इसके अलावा, तीनों को नेक्स्ट जनरेशन टेक्स्टबुक्स को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया से भी अलग किया जाए। प्रोफेसर मिशेल डेनिनो ने अपने 2 सहयोगियों- दिवाकर और आलोक प्रसन्न कुमार के साथ मिलकर कक्षा 8 की एनसीईआरटी सोशल साइंस की किताब के पार्ट-2 में सब-चैप्टर 'करप्शन इन ज्यूडिशियरी' तैयार किया था।

महिला आईएएस के फार्म हाउस से 18 जुआरी गिरफ्तार

महू। महू के मानपुर थाना क्षेत्र में पुलिस ने बुधवार तड़के अवलीपुरा स्थित एक फार्म हाउस पर दबिश देकर बड़े जुआ अड्डे का भंडाफोड़ किया। जिस फार्म हाउस पर जुआ चल रहा था, वह आईएएस के नाम पर है। महिला अधिकारी वर्तमान में वित्त विकास निगम इंदौर की प्रबंध संचालक हैं। जानकारी की अनुसार अभी फार्म हाउस की देखभाल गांव का ही एक व्यक्ति कर रहा था। पुलिस ने मौके से 18 जुआरियों को रंगे हाथों गिरफ्तार किया, जबकि पांच आरोपी भागने में सफल हो गए। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने 13 लाख 67 हजार 971 रुपए नकद जब्त किए हैं।

पहली बार सुप्रीम कोर्ट ने दी इच्छामृत्यु की अनुमति

नई दिल्ली (वार्ता)। उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को गाजियाबाद के एक युवक को जीवन रक्षक प्रणाली हटाकर पैसिव यूथेनेशिया (निष्क्रिय इच्छामृत्यु) की अनुमति दे दी। न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन की पीठ ने यह फैसला सुनाया, जो न्यायालय के 2018 के कॉमन कॉज निर्णय (जिसे 2023 में संशोधित किया गया था) पर आधारित है, जिसमें गरिमा के साथ मरने को मौलिक अधिकार के रूप में मान्यता दी गयी थी। हरीश राणा (31 वर्षीय) एक इमारत से गिरने के बाद से पिछले 13 वर्षों से चेतना-शून्य अवस्था में हैं। मस्तिष्क की चोट के कारण सभी अंग पूरी तरह लकवाग्रस्त हो गये थे और वह रसिस्टेंट वेजिटेटिव स्टेट की स्थिति में चले गये थे। मेडिकल रिपोर्टों के अनुसार, पिछले 13 वर्षों में उनकी स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ है। वह केवल सर्जरी के माध्यम से लगाए गए पीईजी ट्यूबों द्वारा दिए जाने वाले चिकित्सकीय पोषण के सहारे जीवित हैं। पीठ ने पिता की ओर से दायर उन आवेदनों पर यह आदेश पारित किया, जिसमें उन्होंने अपने बेटे को लगाये गये सभी जीवन रक्षक उपकरणों को हटाने की मांग की थी।

अमेरिका के ताजा बयान को लेकर कांग्रेस का तंज

प्रधानमंत्री को अमेरिका से मिला 'आत्मसमर्पण का प्रमाणपत्र'

नई दिल्ली। कांग्रेस ने भारत को रूस से तेल की खरीदने की अस्थायी रूप से अनुमति दिए जाने संबंधी अमेरिका के ताजा बयान को लेकर बुधवार को कटाक्ष करते हुए कहा कि यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लिए आत्मसमर्पण का प्रमाणपत्र है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने कहा कि अमेरिका ने ईरान के साथ जारी संघर्ष के बीच ऊर्जा आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए भारत को समुद्र में पोत पर पहले से मौजूद रूसी तेल स्वीकार करने की अनुमति अस्थायी रूप से दी है और इस अल्पकालिक कदम से रूस को कोई बड़ा वित्तीय लाभ नहीं होगा। उनकी टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, अमेरिकी वित्त मंत्री के बाद, अब राष्ट्रपति ट्रंप के प्रेस सचिव की बारी है कि वह प्रधानमंत्री मोदी को आत्मसमर्पण प्रमाणपत्र दें। उनके अनुसार, मोदी सरकार ने रूस से तेल के आयात को रोकने पर सहमति व्यक्त करके अच्छा व्यवहार किया है और एक इनाम के रूप में अब उसे 30 दिनों की अवधि के लिए ऐसा करने की अनुमति दी गई है। रमेश ने लेविट की टिप्पणियों का एक वीडियो क्लिप साझा किया।

भारत ने खरीदा समंदर में पड़ा सारा रूसी तेल!

चुकानी पड़ी 2 से 8 डॉलर प्रति बैरल तक ज्यादा कीमत

नई दिल्ली

अमेरिका ने भारत को रूसी तेल खरीदने की जैसे ही अस्थायी छूट जारी की, भारतीय कंपनियों ने बाजार में उपलब्ध लगभग सारा रूसी कच्चा तेल खरीद लिया है। बताया जा रहा है कि एक ही हफ्ते में भारतीय रिफाइनरियों ने बाजार में उपलब्ध करीब 3 करोड़ बैरल रूसी तेल खरीद लिया है। सूत्रों के मुताबिक, तेल खरीद की यह मात्रा लगभग उतनी ही है जितना रूस से भारत ने फरवरी के महीने में आयात किया था। फरवरी में भारत ने रूस से रोजाना औसतन 11 लाख बैरल कच्चा तेल खरीदा था। 3 करोड़ बैरल का एक बड़ा हिस्सा पहले ही टैंकरों पर लोड हो चुका था लेकिन अमेरिकी दबाव के चलते भारतीय रिफाइनरियां इसे खरीद नहीं पा रही थीं। जहाजों पर लदा रूस का यह तेल भारत के आसपास के समंदर में फ्लोटिंग स्टोरेज के रूप में भटक रहा था और इसे कोई खरीदार नहीं मिल पा रहा था। इस बीच भारत ने कहा है कि वो रूसी तेल की खरीद जारी रखेगा और इसके लिए अमेरिका की इजाजत की जरूरत को खारिज किया है। भारतीय कंपनियों ने हड़बड़ी में रूसी तेल की खरीदारी ऐसे समय में की है जब मध्य-पूर्व से तेल सप्लाई रुक रही है। अमेरिका और इजरायल के ईरान पर हमलों के बाद ईरान ने जवाबी कार्रवाई में होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों को निशाना बनाना शुरू कर दिया। इसकी वजह से भारत में सऊदी अरब और इराक से आने वाली तेल खेप एक हफ्ते से ज्यादा समय से फारस की खाड़ी से बाहर नहीं निकल पा रही हैं। ऐसे में भारतीय रिफाइनरियों को रूसी तेल खरीदने का बड़ा मौका मिला है जिसका फायदा उठाते हुए उन्होंने धड़ाधड़ तेल खरीदा है। ब्लूमबर्ग के सूत्रों के अनुसार, कंपनियों ने यह तेल काफी महंगी कीमत पर खरीदा है। रूस का यह तेल भारतीय रिफाइनरियों को ग्लोबल क्रूड बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड से 2 से 8 डॉलर प्रति बैरल तक ज्यादा कीमत पर मिला है।

ईरान जंग ने बढ़ा दी तेल की कीमतें

ब्रेंट कच्चे तेल की कीमत पिछले शुक्रवार से 85 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर बनी हुई है। सोमवार सुबह कीमतें कुछ समय के लिए 120 डॉलर के करीब पहुंच गई थीं, हालांकि बाद में इनमें तेज गिरावट आई। मंगलवार को 15.30 जीएमटी तक ब्रेंट की कीमत करीब 88.20 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रही थी। मध्य-पूर्व में संघर्ष शुरू होने से पहले एशिया में रूसी कच्चा तेल, यूराल ब्रेंट के मुकाबले 10 डॉलर प्रति बैरल से ज्यादा की छूट पर बिक रहा था, जिसमें खरीदार के बंदरगाह तक माल ढुलाई की लागत भी शामिल थी। लेकिन ईरान में जंग से रूसी तेल की मांग काफी बढ़ गई है। वहीं, ब्रेंट की कीमत भी काफी बढ़ी है। पिछले साल गर्मियों से ब्रेंट ज्यादातर 60 से 70 डॉलर प्रति बैरल के दायरे में रही थी। सूत्रों के अनुसार सरकारी कंपनी इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन और निजी क्षेत्र की दिग्गज कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज ने हाल के दिनों में करीब 1-1 करोड़ बैरल तेल खरीदा है।

विक्रमपुर पंचायत में 13.66 लाख की अनियमितता, दोषी सरपंच-सचिव से होगी वसूली!

डिंडौरी (स्वतंत्र मत)

जिला पंचायत डिंडौरी के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं विहित प्राधिकारी (पंचायत) दिव्यांशु चौधरी ने ग्राम पंचायत विक्रमपुर में वित्तीय अनियमितताओं के मामले में सख्त आदेश जारी करते हुए सरपंच और तत्कालीन सचिव से कुल 13,66,518 रुपये की वसूली के निर्देश दिए हैं। यह आदेश 5 मार्च 2026 को पारित किया गया। गौरतलब है कि इस पूरे मामले को लेकर स्वतंत्र मत अखबार द्वारा ग्राम पंचायत विक्रमपुर में वित्तीय अनियमितता और शासन की राशि के दुरुपयोग का मामला प्रमुखता से उजागर किया गया था। समाचार प्रकाशित होने के बाद जिला प्रशासन ने मामले को संज्ञान में लेते हुए जांच के आदेश दिए, जिसके बाद जनपद स्तर पर जांच कराई गई। जांच में वित्तीय अनियमितताओं और नियमों के उल्लंघन का बड़ा मामला सामने आया। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत विक्रमपुर में वित्तीय वर्ष 2022-23 से 2024-25 के दौरान 15वें वित्त आयोग एवं 5वें वित्त आयोग की राशि के उपयोग में शासन के दिशा-निर्देशों के विपरीत व्यय किए जाने की शिकायत दर्ज की गई थी। इसके बाद जनपद स्तरीय जांच समिति द्वारा

2 जनवरी 2026 को जांच प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया, जिसमें कई अनियमितताएं पाई गईं। जांच में पाया गया कि ग्राम पंचायत में अकस्मिक एवं अन्य मद में शासन द्वारा निर्धारित 10 प्रतिशत सीमा से अधिक राशि खर्च की गई।

इस प्रकार कुल 13,66,518 रुपये की राशि शासन के नियमों के विपरीत खर्च होना पाया गया। जांच रिपोर्ट के आधार पर यह राशि सरपंच रामनारायण धुर्वे और तत्कालीन सचिव तीरथ प्रसाद गोसाई से बराबर-बराबर 6,83,259 रुपये वसूल करने का प्रस्ताव रखा गया।

सुनवाई के दौरान दोनों अनावेदकों को जांच प्रतिवेदन की प्रति उपलब्ध कराते हुए अपने पक्ष में दस्तावेज प्रस्तुत करने का अवसर दिया गया। 13 फरवरी 2026 को दोनों ने संयुक्त रूप से लिखित जवाब प्रस्तुत किया, लेकिन अपने पक्ष में कोई ठोस दस्तावेजी साक्ष्य प्रस्तुत नहीं कर सके।

प्रकरण के परीक्षण में यह भी पाया गया कि नल-जल योजना के अंतर्गत बिना प्रशासकीय एवं तकनीकी स्वीकृति के कार्य कराए गए और नियमों के विपरीत राशि का आहरण किया गया। इसे शासन की राशि का दुरुपयोग मानते हुए दोनों को दोषी पाया गया।

इसके आधार पर मध्यप्रदेश पंचायत राज एवं ग्राम स्वराज अधिनियम 1993 की धारा 89 के तहत सरपंच और सचिव की देयता निर्धारित करते हुए 13,66,518 रुपये की वसूली का आदेश दिया गया है। आदेश में कहा गया है कि 7 दिवस के भीतर राशि जमा नहीं करने पर धारा 92 तथा म.प्र. भू-राजस्व संहिता के प्रावधानों के तहत वसूली की कार्रवाई की जाएगी। मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं विहित प्राधिकारी (पंचायत) दिव्यांशु चौधरी द्वारा आदेश पारित कर प्रकरण को नस्तीबद्ध कर दिया गया है।

वर्षवार अनियमित व्यय इस प्रकार पाया गया

- वित्तीय वर्ष 2022-23 में 1,85,262 रुपये का अधिक व्यय
- वित्तीय वर्ष 2023-24 में 5,61,774 रुपये का अधिक व्यय
- वित्तीय वर्ष 2024-25 में 6,19,482 रुपये का अधिक व्यय

हमर आजीविका दीदी कैफे का समनापुर में शुभारंभ महिलाओं की आत्मनिर्भरता की नई पहल

डिंडौरी (स्वतंत्र मत)

महिला सशक्तिकरण और स्वावलंबन को बढ़ावा देने की दिशा में विकासखंड समनापुर में एक महत्वपूर्ण पहल की गई। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर मातृशक्ति संकुल स्तरीय संगठन द्वारा संचालित 'हमर आजीविका दीदी कैफे का शुभारंभ बुधवार को पुराना तहसील कार्यालय परिसर में गरिमामय कार्यक्रम के साथ किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विधायक ओमकार सिंह मरकाम, भाजपा जिला अध्यक्ष चमरू सिंह नेताम, जनपद पंचायत समनापुर अध्यक्ष पवनती कुशराम, जिला पंचायत सदस्य हेमवती राजपूत, अशोक संत, भारत राजपूत और प्राशासनिक अधिकारी कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत दिव्यांशु चौधरी द्वारा किया गया। इस अवसर पर आजीविका मिशन की जिला परियोजना प्रबंधक अर्पणा पांडेय, जिला एवं विकासखंड स्तरीय टीम, समनापुर, अमरपुर एवं बजाग के स्टाफ तथा प्रदान संस्था के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे। इसी प्रकार जिले के समस्त विकासखंडों में दीदी कैफे खोले जा रहे है। जिसका संचालन स्व-सहायता समूह की दीदीयों के द्वारा किया जा रहा है। जिससे स्वरोजगार के अवसर सृजन होंगे और स्वसहायता समूह की दीदीयों के परिवार भरण-पोषण में सहायक होगा, जो मातृ शक्ति के लिए मिशाल सिद्ध होगी। यह जिला प्रशासन की विशेष पहल से जिले में महिला दीदियों को रोजगार मिलेगा। अतिथियों ने अपने संबोधन में कहा कि यह कैफे ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने कहा कि स्व-सहायता समूह की महिलाएं न केवल अपने परिवार की आय बढ़ा रही हैं, बल्कि समाज में आत्मनिर्भरता का संदेश भी दे रही हैं। बताया गया कि हमर आजीविका दीदी कैफे का संचालन और प्रबंधन पूरी तरह स्व-सहायता समूह की दीदियों द्वारा किया जाएगा। इस कैफे के माध्यम से स्थानीय स्तर पर शुद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण खान-पान उपलब्ध कराया जाएगा। कार्यक्रम में संकुल स्तरीय संगठन की बहनों ने अतिथियों का पारंपरिक तरीके से स्वागत किया। इस दौरान बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक भी उपस्थित रहे और दीदियों के इस प्रयास की सराहना करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। दीदियों ने संकल्प लिया कि गुणवत्ता और बेहतर सेवा के माध्यम से हमर आजीविका दीदी कैफे को समनापुर ही नहीं, बल्कि पूरे जिले की एक पहचान बनाया जाएगा। वहीं आजीविका मिशन के अधिकारियों ने भी कैफे के संचालन में हर संभव तकनीकी और प्रशासनिक सहयोग देने का भरोसा दिलाया।

समर्पण सेवा अभियान अंतर्गत दिव्यांगजनों हेतु मेडिकल बोर्ड शिविर आयोजित

डिंडौरी (स्वतंत्र मत)

कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया के मार्गदर्शन में समर्पण सेवा अभियान के अंतर्गत जनपद पंचायत डिंडौरी एवं नगर परिषद डिंडौरी क्षेत्र के दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठ नागरिकों के लिए जिला चिकित्सालय डिंडौरी में विशेष मेडिकल बोर्ड शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य पात्र हितग्राहियों को विभिन्न शासकीय योजनाओं से लाभान्वित करना तथा उनकी समस्याओं का त्वरित निराकरण करना रहा। शिविर में कुल 146 हितग्राहियों का पंजीयन किया गया। इस दौरान 59 हितग्राहियों के दिव्यांगता मेडिकल प्रमाण पत्र बनाए गए तथा 143

हितग्राहियों के यूडीआईडी कार्ड तैयार किए गए। इसके साथ ही 12 नवीन पेंशन प्रकरण दर्ज किए गए तथा 28 पेंशन संबंधी समस्याओं का निराकरण किया गया। शिविर में 58 हितग्राहियों को सहायक उपकरण प्रदाय हेतु चिन्हित किया गया तथा 14 हितग्राहियों को आवश्यक चिकित्सीय जांच के लिए संदर्भित किया गया। इसके अतिरिक्त 1 दिव्यांगजन को सहायक उपकरण भी वितरित किया गया। शिविर के दौरान आयुष विभाग द्वारा दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठ नागरिकों को विभिन्न प्रकार की औषधियाँ वितरित की गईं। साथ ही उन्हें स्वस्थ जीवनशैली, दैनिक दिनचर्या, आहार-विहार एवं आवश्यक जीवन-यापन संबंधी परामर्श प्रदान किया गया, जिससे वे बेहतर स्वास्थ्य के साथ आत्मनिर्भर जीवन जी सकें। शिविर में उप संचालक सामाजिक न्याय श्री श्याम सिंगौर, सिविल सर्जन डॉ. रमेश मरावी सहित जिला चिकित्सालय के मेडिकल बोर्ड के सदस्य उपस्थित रहे। इसके अलावा सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के जिला समन्वयक ब्रजमोहन भारतीया, डीडीआरसी के अधिकारी-कर्मचारी, जनपद पंचायत के बीपीओ दिलीप श्रीवास्तव तथा अन्य अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

टीईटी परीक्षा के विरोध में शिक्षकों का ज्ञापन, आदेश वापस लेने की मांग

डिंडौरी (स्वतंत्र मत)

जिले के शासकीय शिक्षक संगठन ने टीईटी परीक्षा के विरोध में मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपते हुए लोकशिक्षण संचालनालय द्वारा जारी आदेश को वापस लेने की मांग की है। यह ज्ञापन करंजिया जनपद अध्यक्ष के शपथग्रहण समारोह में पहुंचे पूर्व केबिनेट मंत्री एवं शहपुरा विधायक ओमप्रकाश धुर्वे को सौंपा गया। शासकीय शिक्षक संगठन के जिला अध्यक्ष रामकुमार गर्ग के नेतृत्व में शिक्षकों ने ज्ञापन सौंपते हुए कहा कि लोकशिक्षण संचालनालय, भोपाल द्वारा 2 मार्च 2026 को जारी आदेश के तहत वर्षों से कार्यरत शिक्षकों के लिए टीईटी परीक्षा अनिवार्य किए जाने से प्रदेशभर के शिक्षकों में भय और रोष का माहौल है। संगठन का कहना है कि इस आदेश को

जारी करने से पहले राज्य सरकार के मंत्रिमंडल या सचिवालय स्तर पर पर्याप्त विचार-विमर्श नहीं किया गया। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि प्रदेश के शिक्षक शिक्षाकर्मी और संविदा शिक्षक के रूप में नियुक्त हुए थे और उनकी नियुक्ति के समय सेवा शर्तों में टीईटी परीक्षा उत्तीर्ण करना अनिवार्य नहीं था। शिक्षकों का तर्क है कि सेवा में आने के बाद नई शर्तें लागू करना न्यायोचित नहीं है। शिक्षक संगठन ने मांग की है कि राज्य सरकार इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ऑफ इंडिया में पुनर्विचार याचिका दायर करे और संचालक लोकशिक्षण द्वारा जारी शिक्षक विरोधी आदेश को जल्द वापस लिया जाए। इस अवसर पर श्यामलाल विश्वकर्मा सहित सैकड़ों शिक्षक मौजूद रहे। पूर्व केबिनेट मंत्री ओमप्रकाश धुर्वे ने शिक्षकों को आश्वस्त किया कि वे मुख्यमंत्री से भेंट कर इस मुद्दे के समाधान के लिए प्रयास करेंगे।

आरुष जी महाराज बोले - युद्ध क्षेत्र मे धर्म का हो पालन

शहडोल। कुरुक्षेत्र को धर्मक्षेत्र कहाँ गया, लेकिन अब धर्मक्षेत्र मे कुरुक्षेत्र का भाव दिखाई देने लगा है, इसीलिए धर्म कार्य मे व्यवधान उत्पन्न होने लगे है, कहने का अर्थ है कि युद्ध के क्षेत्र मे धर्म क्षेत्र का पालन करना चाहिए। उक्त बात खैरहा मे चल रहे साप्ताहिक श्रीमद भागवत कथा के दौरान कथा व्यास डॉ. आरुश महाराज ने कहा, उन्होंने कहा का जीवन मे गुरु का होना अत्यंत अनिवार्य है, क्यों कि गुरु मनुष्य को सदमार्ग से भटकने नहीं देते और प्राणी जीवन पर्यंत धर्म मार्ग मे चलकर सदगति को प्राप्त हो जाता है। उक्त आयोजन का शुभारम्भ 9 मार्च से भव्य कलश यात्रा के साथ किया गया। जिसका समापन 17 मार्च को विशाल भण्डारे के साथ किया जायेगा। कथा के दौरान गीता विचारक श्रीकान्त शर्मा गीतानुरागी मौजूद रहे।

जयसिंहनगर एवं ब्यौहारी विधानसभा की समीक्षात्मक बैठक हुई संपन्न

शहडोल (स्वतंत्रमत)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय सचिव एवं मध्यप्रदेश कांग्रेस के सहप्रभारी डॉ. चंदन यादव तथा शहडोल संगठन प्रभारी एवं विधायक नारायण पट्टा के मुख्य आतिथ्य एवं जिला कांग्रेस कमेटी के जिलाध्यक्ष अजय अवस्थी की अध्यक्षता में जयसिंहनगर एवं ब्यौहारी विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सोहागपुर, जयसिंहनगर, गोहपारु, सिंहपुर, ब्यौहारी, बाणसागर, पपौध, अमझोर एवं करकी ब्लॉक कांग्रेस कमेटियों की बैठक तथा वार्ड एवं पंचायत कांग्रेस कमेटियों की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में संगठन की वर्तमान स्थिति, बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत बनाने, वार्ड एवं पंचायत कांग्रेस

कमेटियों की सक्रियता बढ़ाने तथा आगामी राजनीतिक कार्यक्रमों की रणनीति को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। कार्यक्रम में उपस्थित पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से संगठनात्मक गतिविधियों की जानकारी लेते हुए क्षेत्रवार समीक्षा की गई तथा कार्यकर्ताओं को अधिक सक्रियता के साथ जनता के बीच कांग्रेस की नीतियों और विचारधारा को पहुंचाने का आह्वान किया गया। इस अवसर पर डॉ. चंदन यादव ने कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा से जनता की आवाज को मजबूती से उठाने वाली पार्टी रही है। आज आवश्यकता है कि कार्यकर्ता गांव-गांव, वार्ड-वार्ड तक पहुंचकर आम जनता की समस्याओं को सुनें और उन्हें पार्टी मंच के माध्यम से प्रभावी तरीके से उठाएं। उन्होंने कहा कि संगठन की मजबूती ही आने वाले समय में कांग्रेस की जीत की आधारशिला बनेगी, इसलिए हर कार्यकर्ता को जिम्मेदारी के साथ सक्रिय रहना होगा। वहीं विधायक नारायण पट्टा ने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ता ही पार्टी की असली ताकत हैं। जब कार्यकर्ता संगठित होकर जनता के बीच काम करते हैं, तब पार्टी को जनसमर्थन स्वत: प्राप्त होता है। उन्होंने कहा कि स्थानीय समस्याओं जैसे रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल एवं किसानों से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाया जाए और जनता के बीच कांग्रेस की सकारात्मक भूमिका को मजबूत किया जाए।

आंगनबाड़ी केंद्र में बच्चे खेल-खेल में सीखेंगे योग

शहडोल (स्वतंत्रमत)। फिट इंडिया वूमेनश्एस वीक के तहत जिला कलेक्टर केदार सिँह के मार्गदर्शन में एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी अखिलेश मिश्रा जी के नेतृत्व में महिला एवं बाल विकास परियोजना सोहागपुर में सक्षम आंगनबाड़ी केंद्र की आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का एक दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन परियोजना अधिकारी आनंद अग्रवाल द्वारा किया गया. प्रशिक्षण कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए जिला कार्यक्रम अधिकारी अखिलेश मिश्रा द्वारा कहा गया कि कार्यकर्ता की जिम्मेदारी है कि आंगनबाड़ी केंद्र को आदर्श केंद्र के रूप में विकसित करें, बच्चों की शत प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करें तथा उन्हें उच्च गुणवत्ता की शिक्षा प्रदान करें। फिट इंडिया वूमेनश्एस वीक के तहत महिलाओं को उनके अधिकारों की जानकारी प्रदाय करें तथा महिलाओं को सशक्त करें। उक्त प्रशिक्षण में परियोजना अधिकारी आनंद अग्रवाल द्वारा विभाग द्वारा चयनित सक्षम आंगनबाड़ी केंद्र की कार्यकर्ताओं को सक्षम आंगनबाड़ी केंद्र के 5 घटकों का प्रशिक्षण दिया गया. तथा बच्चों को नियमित रूप से आंगनबाड़ी केंद्र में उपस्थित कराने, पूरक पोषण आहार प्रदाय करने एवं अनौपचारिक शिक्षा देने हेतु बताया गया।

शिवानी पैरामेडिकल कालेज द्वारा किया गया 30 यूनिट रक्तदान

रक्तदान कर बने दूसरों के जीवन की मुस्कान - डॉ. द्विवेदी

शहडोल (स्वतंत्रमत)

खून के रिश्तो को दुनिया का सबसे अटूट बंधन माना जाता है और अपनी रगो में बहते खून की कुछ बूंदो को दान करके आप ऐसे अनजाने लोगो से भी खून का रिश्ता जोड सकते है जो अपनी जिंदगी में जीवन के संघर्ष के समय आपके द्वारा मिले इस तोहफे के दम पर नया जीवन पाकर उम्र भर आपके ऋृणी रहेगें एवं उनके दिल से निकली दुआ आपके जीवन में नए प्रकाश का संचार करेगी। उक्त उदगार शिवानी पैरामेडिकल कालेज के निदेशक डॉ.डी.के. द्विवेदी ने संस्था शिवानी पैरामेडिकल कालेज में आयोजित रक्तदान शिविर में छात्र/छात्राओं को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। रक्तदान शिविर में उपस्थित जिला चिकित्सालय शहडोल की ब्लड बैंक इंचार्ज डॉ. अब्दुल शमीम ने छात्र/छात्राओ को रक्तदान के महत्व के बारे में बताया कि रक्तदान का महत्त्व जीवनदान से कम नही है। परन्तु आज भी हमारे समाज में रक्तदान को लेकर कई भ्रांतियां है जबकि सामान्य रूप से कोई भी व्यक्ति जिसकी आयु 18 से 60 वर्ष के बीच की हो वह रक्तदान कर सकता है। डॉ. अब्दुल शमीम ने संस्था में अध्ययनत् पैरामेडिकल एवं नर्सिंग छात्र/छात्राओ से अपील की कि वे रक्तदान के लिए लोगो को जागरूक करने का भी कार्य करे। संस्था में आयोजित रक्तदान शिविर में

शहडोल जिले के ब्लड बैंक प्रभारी डॉ. अब्दुल शमीम व टीम श्रीमती श्यामला रॉव, बृजेश श्रीवास्तव आदि तथा संस्था के निदेशक डॉ.डी.के.द्विवेदी, प्राध्यापक डा. रुद्र द्विवेदी नर्सिंग प्रभारी मंगला श्रीवास, प्रबंध निदेशक रजनीश त्रिपाठी, अभिषेक तिवारी, डॉ. अनिल बर्मन, डॉ. विवेक चकवर्ती, डॉ. पुष्पेन्द्र सिंह, शरद नामदेव, ओमनारायण राठौर इत्यादि स्टॉफ उपस्थित रहे। शिविर में संस्था के स्टॉफ डॉ. अनिल वर्मन, ओमनारायण राठौर, नैना कोल, पारस सोंधिया तथा छात्रों में से रीता शर्मा, शुभम पटेल, ओम सिंह, हिमांशु प्रजापति, शिवशंकर पनिका, प्रकाश बैगा, सुमित बर्मन, श्रुति पाठक, प्रतिमा देवी पप्पी प्रजापति, रजनी बैगा, महक गुप्ता, पूनम अहिरवार, दुर्गेश केवट, अर्पित सिंह, पारस केवट, सुदीपा सिंह आदि छात्रों ने स्वेच्छा से रक्तदान किया। सभी रक्तदाताओं को रक्तदान प्रमाण-पत्र भी वितरित किया गया।

सिंहपुर थाना क्षेत्र में अवैध कारोबार का जाल

गांजा, पशु तस्करी, जुआ-सट्टा, काला रेत और अवैध शराब की पैकारी खुलेआम

शहडोल (स्वतंत्रमत)

जिले के सिंहपुर थाना क्षेत्र में इन दिनों अवैध कारोबारों का जाल तेजी से फैलता नजर आ रहा है। क्षेत्रीय लोगों का आरोप है कि सिंहपुर थाना क्षेत्र के बोडरी, सिंहपुर, उधिया, जोधपुर, पड़मनिया, अमरहा, भमरहा, पतखई, केलमनिया सहित कई गांव में खुलेआम गांजा तस्करी, पशु तस्करी, जुआ-सट्टा, काला रेत का अवैध उत्खनन एवं परिवहन और अवैध शराब की पैकारी जैसे गैरकानूनी काम लगातार संचालित हो रहे हैं। इन गतिविधियों को लेकर स्थानीय लोगों ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए हैं और कहा है कि यदि समय रहते सख्त कार्रवाई नहीं हुई तो स्थिति और गंभीर हो सकती है।

गांजा तस्करी का नेटवर्क सक्रिय- सिंहपुर थाना क्षेत्र के ग्राम सिंहपुर, जोधपुर, बोड़री, अमरहा भमरहा, उधिया,

पड़मनिया सहित कई गांव में गांजा की अवैध बिक्री और तस्करी लगातार बढ़ने की शिकायतें मिल रही हैं। ग्रामीणों का कहना है कि कई स्थानों पर खुलेआम यह कारोबार चल रहा है। थाना प्रभारी और बीट प्रभारी को कई बार शिकायत मिली है इसके बावजूद भी थाना प्रभारी के द्वारा कोई कड़ी कार्यवाही नहीं किया जा रहा है। रात के समय मवेशियों को पैदल व पिकअप वाहनों में भरकर ले जाने की घटनाएं सामने आ रही हैं। स्थानीय लोगों ने कई बार इसकी जानकारी दी, लिखित शिकायत कि इसके बावजूद भी कोई कार्यवाही नहीं किया जा रहा है। जिसको लेकर पुलिस के उपर सवाल उठ रहे हैं। कई स्थानों पर जुआ और सट्टे का अवैध खेल संचालित होने की बात कही जा रही है, जिससे युवाओं पर गलत प्रभाव पड़ रहा है। लेकिन पुलिस का कहना है कि थाना क्षेत्र में जुआं सट्टा का अवैध करोबार नहीं चल रहा है। लेकिन क्षेत्रवासियों का कहना है कि जुआं सट्टा लगातार थाना क्षेत्र में कई स्थानों पर चल रहा है, कार्यवाही नहीं हो रही है। सिंहपुर क्षेत्र की प्रसिद्ध नदी सरफा और कई नालों से माफियाओं के द्वारा काला रेत का अवैध उत्खनन कर ट्रैक्टर-ट्रॉली के जरिए परिवहन किया जा रहा है, जिससे शासन को राजस्व का नुकसान हो रहा है एवं बीट प्रभारी और थाना प्रभारी को फोनपे में और नगद भुगतान माफियाओं के द्वारा किया जा रहा है जिस कारण से थाना प्रभारी के द्वारा कोई कार्यवाही नहीं किया जा रहा है। जिससे माफियाओं को खुली छूट मिली हुई है। थाना क्षेत्र में उधिया, सिंहपुर, बोडरी सहित कई गांव में खुलेआम काला रेत का उत्खनन किया जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि माफियाओं के द्वारा ट्रेक्टर ट्राली से बीच बस्ती में तेज वाहन के द्वारा रेत परिवहन किया जा रहा है जो कभी भी बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकता है। लगातार शिकायत के बाद भी थाना प्रभारी के द्वारा कोई कार्यवाही नहीं किया जा रहा है। जिससे माफियाओं के हौसले बुलंद नजर दिखाई दे रहें है। सिंहपुर थाना क्षेत्र में थाना क्षेत्र से 100 मीटर से लेकर कई किलामीटर तक खुलेआम अवैध शराब की पैकारी और बिक्री लगातार जारी रहने की शिकायतें सामने आ रही हैं। सिंहपुर गांव में जगह जगह जोधपुर, बोड़री, पड़मनिया खुर्द, अमरहा, भमरहा, पतखई के कई ढावा में पान ठेला में किराना दुकान में अवैध शराब की पैकारी एवं बिक्री जोरों से चल रही है। थाना प्रभारी एवं बीट प्रभारी अवैध शराब की पैकारी करने वालों एवं ठेकेदार से मोटी रकम लेकर कार्यवाही के नाम पर दिखावा कर रहें है। जिससे क्षेत्र की आम जनता थाना प्रभारी के कार्यवाही से असंतुष्ट नजर आ रही है। आम जनता का कहना है कि थाना प्रभारी का इस मार्च माह में सेवानिवृत्त होना है इस कारण से थाना प्रभारी के द्वारा कोई ठोस कार्यवाही नहीं किया जा रहा है जिस कारण से सिंहपुर थाना क्षेत्र में लगातार अवैध कार्य तेजी से संचालित हो रहा है।

लाखों की चोरी करने वाले तीन शातिर चोर चढ़े पुलिस के हत्थे

बीस लाख के जेवर बरामद, हनुमानताल पुलिस की कार्रवाई

जबलपुर (स्वतंत्रमत)

हनुमानताल पुलिस ने तीन शातिर नकबजनों को दबोचा है। जिनके पास से पुलिस ने सोने के जेवर वजनी 11 तोला 08 ग्राम एवं चांदी के जेवर वजनी 1 किलो 313 ग्राम कुल कीमती लगभग 19 लाख 77 हजार रूपये के बरामद किये है।

पुलिस कंट्रोल रूम में अधिकारियों ने जानकारी देते हुए बताया कि विगत नौ मार्च को गीतांजली सतनामी निवासी नागपुर ने शिकायत दर्ज करायी थी कि वित 7 जनवरी को उनके भाई पवन सतनामी की मृत्यू हो गई थी। जिस पर वह अपने मायके आई थी। उसके बाद यहीं पर बड़ी मम्मी के यहां रूकी थी। विगत आठ मार्च को जब वह अपने मायके वाले घर पहुंची तो ताला टूटा हुआ था और जेवर नगदी गायब थी। जिसे बाद पुलिस ने पतासाजी करते हुए अधारताल करौंदानाला में दबिश दी। जहां से संदेही सोयल उर्फ तिलकधारी चौधरी पिता प्रदीप उर्फ पंचम चौधरी उम्र 20 वर्ष निवासी सुरेश नाटी के घर के सामने आशा बाई का किराये का मकान टेडीनीम हनुमानताल को अभिरक्षा में लिया। जिसने पूछताछ में अपने साथी विमल चौधरी निवासी बाबा टोला एवं शिवम उर्फ सिब्बू निवासी हनुमानताल के साथ मिलकर बाबा टोला ठक्कर ग्राम रविदास मंदिर के पास मकान में चोरी करना स्वीकार किया तथा चुराये हुये सोने चांदी के जेबर एवं नगदी तीनों आपस में बांट लेना बताया। पुलिस ने आरोपी सोयल की निशादेही पर विमल चौधरी पिता रामसजीवन चौधरी उम्र 47 वर्ष निवासी बाबा टोला जानकी दास मंदिर पुल के पास थाना हनुमानताल तथा शिवम उर्फ सिब्बू पिता मल्लू चौधरी उम्र 20 वर्ष निवासी राजाराम वकील के घर के पास थाना हनुमाताल को अभिरक्षा में लिया।

ये जेवर हुए बरामद

पुलिस ने आरोपी आरोपी सोयल उर्फ तिलकधारी चौधरी के कब्जे से सोने जैसी धातु के 2 जोड़ी कंगन, पांचाली मंगलसूत्र जो काले मोती की माला से गुथा हुआ मंगलसूत्र जो कि काले मोती की माला से गुथा हुआ जिमसे 6 नग सोने की गुरिया लगे हुये थे। 4 नग लोंग, 2 नग जेंट्स अंगूठी, 1 नग माथे की बिंदिया, 2 जोड़ी झुमकी, एक जोड़ी छोटी एक जोड़ी बड़ी, 1 जोड़ी टाप्स, 1 लेडिस अंगूठी, 2 चैन तथा चांदी की गणेश जी, लक्ष्मी जी की मूर्ति, 4 नग संतान सातें की चूड़ी, 2 जोड़ी पायल, 3 जोड़ी घुंघरू लगी हुयी पायल, 2 नग पैर के अंगूठे की बिछिया, 4 जोड़ी बिछिया, 2 नग हाथ की मेंहदी जप्त की गई तथा आरोपी शिवम उर्फ शिब्बू के कब्जे से चांदी के 4 नग खुसना, 1 जोड़ी बाजूबंद, 1 जोड़ी पैर की मेंहदी एवं आरोपी विमल चौधरी के कब्जे से चांदी का 1 नग ब्रेसलेट, 1 जोड़ी कंगन, 1 फुल करधन, 1 नग बिछिया जिसमें चैन लगी हुयी बरामद की है।

जहरीली वस्तु के सेवन से दो की मौत

जबलपुर (स्वतंत्रमत)

रांझी में जहां एक युवक की तो वहीं घमापुर में एक अधेड़ उम्र के व्यक्ति की जहरीली वस्तु के सेवन से मौत हो गई। दोनों मामलों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर मामलों को जांच में लिया है। रांझी पुलिस ने बताया कि रांझी पुरानी बस्ती निवासी 26 वर्षीय सुमित चौधरी को जहरीली वस्तु का सेवन करने पर उसकी मॅ सुनीता चौधरी बीती रात मेडिकल अस्पताल लेकर पहुंची थी। जहां उपचार दौरान देररात सुमित की मौत हो गई। इसी प्रकार घमापुर पुलिस ने बताया कि शीतलामाई के पीछे कुम्हार मोहल्ला निवासी 52 वर्षीय विनोद चक्रवती ने विगत दिवस किसी जहरीली वस्तु का सेवन कर लिया था। जिसे परिजन निजी अस्पताल लेकर गये, जहां से मेडिकल रेफर किया गया। जहां बीती देरशाम उपचार दौरान विनोद चक्रवती की मौत हो गई।

युवकों पर चाकू से हमला

जबलपुर (स्वतंत्रमत)। गोरखपुर थानातंर्गत हाउबाग रेलवे स्टेशन के समीप बीती रात एक असमाजिक तत्व ने एक युवक के साथ मारपीट कर दी। युवक के साथी जब बीच बचाव करने पहुंचे तो आरोपी ने उन पर चाकू से हमला कर दिया। जिससे दो लोगों को चोटे आई है। पीड़ितों की शिकायत पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर मामले को विवेचना में लिया है।

एटीएम कार्ड बदलकर रुपये हड़पने वाला आरोपी पकड़ाया

गोरखपुर व केंट पुलिस की संयुक्त कार्रवाई

66 एटीएम कार्ड हुये बरामद

जबलपुर (स्वतंत्रमत)

पुलिस ने एक शातिर बदमाश को दबोचा है, जो कि एटीएम कार्ड बदलकर लोगों के एकाउंट से रूपये हड़प लेता था। पुलिस ने आरोपी विनोद गौतम के पास से विभिन्न बैंकों के 66 एटीएम कार्ड, 55 सौ की नगदी, एक जुपिटर वाहन, सोने की झुमकी बरामद की हैद्ध। वहीं धोखाधड़ी से हड़प की गई तीन लाख 68 हजार रुपये की राशि होल्ड करायी गई है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि गोरखपुर थाने में बीएस सिडाम उम्र 80 वर्ष निवासी थम्मन कॉम्पलेक्श गोरखपुर के साथ एक दिसंबर 2025 को छोटी लाईन स्थित एटीएम में कार्ड बदलकर उनके खाते से एक लाख 6 हजार 160 रुपये हड़प किये गये थे। इसी प्रकार केंट थाने में अधारताल संजय नगर निवासी रोहित सेन ने शिकायत दर्ज करायी थी कि विगत 24 जनवरी 2026 को सदर मेन रोड स्थित यूनियन बैंक के एटीएम से पैसे निकालने गया था। जहां पर मदद करने के बाद उसका कार्ड बदलकर जालसाज ने 59 हजार तीन सौ रुपये खाते से हड़पे थे। वहीं ओमती क्षेत्र में नया मोहल्ला निवासी 60 वर्षीय रसीद उद्दीन के सिविक सेंटर एटीएम में कार्ड बदलकर एक लाख 18 हजार 80 रुपये पार कर दिये गये थे।

3 लाख 68 हजार रूपये कराए होल्ड- चौथी वारदात बेलबाग क्षेत्र में घटित हुई थी। जहां कांचघर हनुमान टोरिया निवासी विजय कुमार चौधरी का कार्ड बदलकर उनके खाते से 5 अक्टूबर 2025 को 47 हजार रुपये पार किये गये थे। जिसके बाद पुलिस ने बैंक फुटेज एवं तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपी की पतासाजी करते हुए आरोपी विनोद गौतम पिता दालचंद गौतम उम्र 28 वर्ष निवासी तिलक वार्ड रेल्वे स्टेशन के पास जिला सिवनी को अभिरक्षा में ने पूछताछ की। जिसने धोखाधड़ी करते हुये लोगों से एटीएम कार्ड बदलकर लोगों के बैंक खातों से बदले हुये एटीएम कार्ड के माध्यम से रूपये निकालना स्वीकार किया। आरोपी के कब्जे से विभिन्न बैंको के 66 नग एटीएम कार्ड तथा घटना में प्रयुक्त जुपिटर स्कूटी कीमती 1 लाख रूपये, सोने की झुमकी कीमती लगभग 55 हजार रूपये की जप्त की गई एवं धोखाधड़ी से प्राप्त राशि 3 लाख 68 हजार रुपये की राशि होल्ड करायी गई। पुलिस आरोपी का रिमाण्ड में लेकर अन्य वारदातों के संबंध में पूछताछ कर रहीं है।

जनरेटिंग कंपनी ने 46 अभ्यार्थियों के नियुक्ति आदेश जारी

जबलपुर (स्वतंत्रमत)

मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड द्वारा राज्य की विद्युत उत्पादन व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए सीधी भर्ती प्रक्रिया के अंतर्गत चयनित 46 अभ्यर्थियों को नियुक्ति आदेश जारी किए गए हैं। उल्लेखनीय है कि राज्य की विद्युत कंपनियों में सीधी भर्ती के माध्यम से नियमित अंतराल पर रिक्त पदों की पूर्ति की जा रही है। इसी क्रम में मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी द्वारा दिनांक 7 जुलाई 2025 को वर्ग-2, वर्ग-3 एवं वर्ग-4 के अंतर्गत 18 विभिन्न पदों की पूर्ति हेतु भर्ती विज्ञापन जारी किया गया था। इसके अंतर्गत कंप्यूटर आधारित परीक्षा (सीबीटी) का आयोजन 3 से 5 नवंबर 2025 के मध्य राज्य के विभिन्न शहरों में स्थित परीक्षा केंद्रों पर सफलतापूर्वक संपन्न कराया गया। इसके पूर्व पिछले माह कंपनी द्वारा दस्तावेज सत्यापन तथा निर्धारित पदों के लिए शारीरिक दक्षता परीक्षण की प्रक्रिया पूर्ण उपरांत 180 अभ्यर्थियों की सूची जारी की गई थी। जारी नियुक्ति आदेशों के अनुसार वर्ग-2 के पदों के लिए चयनित 46 अभ्यर्थियों में सहायक अभियंता (यांत्रिकी) प्रशिक्षु 8, सहायक अभियंता (सिविल) प्रशिक्षु 16, पाली (शिफ्ट) रसायनज्ञ प्रशिक्षु 8 और कार्मिक अधिकारी प्रशिक्षु 2 अभ्यर्थी शामिल हैं।

लोडेड पिस्टल के साथ बदमाश को पुलिस ने दबोचा

गोरखपुर पुलिस की कार्रवाई, माण्डवा बस्ती में भी की थी फायरिंग

जबलपुर (स्वतंत्रमत)

गोरखपुर पुलिस ने एक शातिर बदमाश को लोडेड पिस्टल के साथ दबोचा है। आरोपी करन दाहिया ने एक माह पहले रामपुर की माण्डवा बस्ती में मामूली विवाद पर जमकर फायरिंग की थी, जिसकी पुलिस लगातार तलाश कर रहीं थी। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर पिस्टल और कारतूस जब्त किया है।पुलिस ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर हनुमान मंदिर के आगे ट्रांसफार्मर डिपो के पीछे रोड पर दबिश दी गई। जहां से करन दाहिया पिता राजू दाहिया उम्र 21 वर्ष निवासी मांडवा टेण्डर-1 रामपुर को हिरासत में लिया। जो कि अपनी कमर में एक पिस्टल खोंसे हुए था, जिसकी मैग्जीन में एक कारतूस लोड था। पुलिस ने बताया कि आरोपी के खिलाफ माण्डवा बस्ती निवासी मोह. अब्राहम शाह की शिकायत पर एक माह पहले मारपीट सहित अन्य धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज किया गया था, उक्त मामले में भी पुलिस आरोपी को तलाश रहीं थी। पुलिस ने आरोपी के पास से पिस्टल व कारतूस जब्त करते हुए आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई की।

हनुमान जन्मोत्सव में भगवामय होगा नगर, बैठक हुई सम्पन्न

सिहोरा (स्वतंत्रमत)

हिन्दू उत्सव समिति की बैठक हनुमान जन्मोत्सव की भव्यता हेतु काल भैरव चौक में संपन्न हुई, वाहन रैली के साथ नगर को धर्म ध्वजा से भगवामय करने हेतु सभी युवाओं ने रचना बनाई,सभी युवा वाहन रैली में अपने अपने घरों से निकलेंगे, यह वाहन रैली बाबा शाला से सुबह 08=30 बजे प्रारंभ होकर मझोली बायपास, गाड़िया मोहल्ला,झंडा बाजार,आजाद चौक,गौरी तिराहा,नया बस स्टैंड से वापस बाबा शाला पहुंच कर कटरा मोहल्ला,झंडा बाजार, कॉल भैरव चौक,महावीर चौक,मैना कुआं,हरदौल मंदिर, बाबाताल से पेट्रोल पंप तिराहा,फोर लेन, पहरेवा अनाज मंडी,खितौला बाजार,रेलवे क्रॉसिंग से पान उमरिया रोड,विंध्य वासिनि मंदिर से मझगवा बायपास से नरसिंह मंदिर, बारां मोहल्ला,तुलसी मानस मंदिर,रेलवे क्रॉसिंग, खितौला बस स्टैंड,पेट्रोल पंप तिराहा से बाबा ताल होते हुए पुराना बस स्टैंड सिहोरा में महा आरती एवं भंडारा प्रसादी के साथ हिंदू महाकुंभ के रूप में संपन्न होगी। इस बैठक में हर वार्ड की दुर्गा उत्सव समिति, सभी सामाजिक, धार्मिक, व्यवसायिक संगठन कार्यक्रम को भव्य दिव्य और सफल बनाने के लिए सभी लोग एकजुटता के साथ संकल्पित हुए।

बाइक राइडर्स तीर्थ यात्रियों का गुरुद्वारा प्रेमनगर में हुआ सम्मान

जबलपुर (स्वतंत्रमत)

सिख धर्म के पांच तख्तसाहिबों की यात्रा पर निकले 10 सदस्यीय बाइक राइडर्स तीर्थयात्रियों के दल का आज नगरागमन हुआ । गुरुद्वारा प्रेमनगर में प्रधान साहब मंजीत सिंह ननड़ा, सचिव सुरिंदर सिंह होरा एवं सदस्यों ने उन्हें प्रतीक चिह्न एवं सिरोपा प्रदान कर सम्मानित किया। और हरी झंडी दिखाकर गंतव्य की ओर रवाना किया। ज्ञात हो कि ये दल, श्री अकालतख्त साहिब अमृतसर, तख्त श्री दमदमा साहिब, तख्त श्री आनंदपुर साहिब, तख्त श्री पटना साहिब, बिहार होता हुआ तख्त श्री सचखंड हुजूर साहिब नांदेड़ महाराष्ट्र के दर्शन करेगा ।

जनगणना 2027 के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण

जबलपुर (स्वतंत्रमत)

जनगणना 2027 के प्रथम चरण के अंतर्गत मध्यप्रदेश में 01 मई 2026 से 30 मई 2026 तक मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का फील्ड कार्य किया जाएगा। इसी क्रम में जिला व चार्ज स्तरीय अधिकारियों का एक दिवसीय प्रशिक्षण 11 मार्च को प्रात: 10=30 बजे से सायं 5=00 बजे तक ई-दक्ष केन्द्र, तहसील कार्यालय, जबलपुर में आयोजित किया गया। यह प्रशिक्षण कलेक?टर श्री राघवेन्द्र सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। इस अवसर पर जनगणना कार्य निदेशालय, मध्यप्रदेश, भोपाल से आए जबलपुर के लिए जनगणना प्रभारी अधिकारी एवं प्रशिक्षक श्री मनोज नाथानी तथा सुश्री श्रुति पाटीदार द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को जिला जनगणना पुस्तिका से संबंधित जानकारी देने के साथ-साथ सेंसस पोर्टल पर हेंडस ऑन अभ्यास भी कराया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में ऋषभ जैन, संयुक्त कलेक्टर एवं जिला जनगणना अधिकारी,बलवंत सिंह राहंगडाले, संयुक्त संचालक एवं अतिरिक्त जिला जनगणना अधिकारी, समस्त राजस?व अनुविभागीय अधिकारी एवं अनुविभागीय जनगणना अधिकारी, समस्त तहसीलदार एवं चार्ज जनगणना अधिकारी, तथा जिले के जनगणना कार्य में संलग्न ग्रामीण चार्ज, अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

सिहोरा की खुली पड़ी खदान में मिला युवक का शव

जबलपुर (स्वतंत्रमत)

खुली पड़ी मुरम खदान में आज सुबह एक युवक का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई,सूचना पर पहुँची पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पीएम के लिए भेजते हुए मामले की विवेचना सुरु कर दी है। मामला सिहोरा थाना क्षेत्र के मनसकरा का है जहां पर स्तिथ एक खुली पड़ी मुरम खदान में आज सुबह युवक का शव मिलने की सूचना पर पहुँची पुलिस ने लोगों की मदद से शव को खदान के अंदर भरे पानी से बाहर निकलवाते हुए मर्ग कायम कर शव को पीएम के लिए भेजते हुए मामले की विवेचना सुरु कर दी है, शव की शिनाख्त मनसकरा निवासी शिवा कुचबंदिया पिता राकेश उम्र 27 वर्ष के रूप में हुई है,पुलिस की मानें तो युवक शराब पीने का शौकीन था जिसपर भूत प्रेत की छाया की बात सामने आई है, युवक की मौत खदान में गिरने से होना पाया गया है जिसकी विवेचना की जा रही है,

खुली पड़ी खदान हादसों को दे रही न्यौता - वहीं स्थानीय लोगों की मानें तो खदान व्यपारियों ने खदान खोदी और गहरी कर माल तो निकाल लिया लेकिन खदान को खुला ही छोड़ दिया है,जिसके चलते भविष्य में कोई भी हादसे का शिकार हो सकता नियमों की मानें तो खदान बंद करने के पूर्व उसे समतल किया जाना चाहिए ताकि कोई दुर्घटना न हो सके,लेकिन यहाँ पर नियम को ताक में रखकर खदान को खुला छोड़ दिया गया,यदि खदान खोदने के बाद समतल कर दी जाती तो हो सकता है यह नोजवान काल के गाल से बच जाता ।

इनका कहना है

युवक मानसिक रूप से विछिप्त था जिसका शव आज खदान में मिला है।फिलहाल मर्ग कायम कर मामले की विवेचना की जा रही है।

टी आई सिहोरा
प्रतीक्षा मार्को

न्यायालय तहसीलदार तहसील बिछिया, जिला मण्डला (म.प्र.)

क्रमांक/74 /तहसील/ प्रवा0/2026
बिछिया, दिनांक-10.03.2026

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमति शिखा अग्रवाल पति आशीष अग्रवाल निवासी बिछिया तहसील बिछिया उपरोक्त विषयांतर्गत लेख है कि आपके द्वारा आवेदन पत्र पेश किया गया है कि ग्राम बिछिया प.ह.नं. 46 रा.नि.म. बिछिया में स्थित भूमि खसरा नं0 49/54 रकबा 0.063 हे. भूमि राजस्व अभिलेख में मनोहरलाल पिता परमानंद के नाम से भूमिस्वामी हक में दर्ज है। आवेदित भूमि में से रकबा 0.024 हे. भूमि को विक्रय पत्र दिनांक 26.05.2009 को क्रय करने उपरांत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है। उक्त आवेदन के संबंध में दिनांक 27.10.2025 को इश्तहार जारी कर दावा आपत्ति ग्राहय करने हेतु दिनांक 13.11.2025 को नियत किया गया था। परंतु आवेदित भूमि के हितबद्ध पक्षकार भूमि ग्राम में निवासरत नहीं होने से 15 दिवस के भीतर दावे आपत्ति ग्राहय करने हेतु प्रथक से पत्र जारी किया जाना उचित प्रतीत होता है। अत: ग्राम बिछिया स्थित भूमि खसरा नं. 49/54 रकबा 0.063 हे. में से रकबा 0.024 हे. के नामांतरण करने में हितबद्ध पक्षकार / अन्य किसी को कोई आपत्ति हो तो सूचना जारी दिनांक से 15 दिवस के भीतर न्यायालय में उपस्थित होकर दावे आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। प्रकरण में नियत दिनांक 25.03.2026 को तय की गई है।

तहसीलदार बिछिया
जिला मण्डला

सरेखा-कोसमी में सट्टा जुआ का अवैध कारोबार

पुलिस की अनदेखी से दिन-रात चलता खेल

बालाघाट(स्वतंत्र मत)

जिले के नवेगांव ग्रामीण थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम सरेखा और कोसमी में इन दिनों सट्टा-जुआ का अवैध कारोबार खुलेआम फल-फूल रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि पुलिस प्रशासन की अनदेखी के चलते यहां दिन-रात जुआ और सट्टे का खेल चलता रहता है, जिससे क्षेत्र का माहौल लगातार खराब हो रहा हैं। स्थानीय लोगों का कहना हैं कि कई बार शिकायत किए जाने के बावजूद इस अवैध गतिविधि पर प्रभावी कार्रवाई नहीं हो पा रही है।

बताया जा रहा है कि कोसमी क्षेत्र में पानठेलों और कुछ दुकानों को सट्टा संचालित करने का अड्डा बना दिया गया है। खासकर काली मंदिर के आसपास देर रात तक लोगों की आवाजाही बनी रहती है, जहां सट्टा खिलाने और जुआ खेलने का सिलसिला चलता रहता हैं। इससे आसपास रहने वाले लोगों को भी काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा हैं।

सूत्रों के अनुसार काली मंदिर कोसमी के पास वहीं का निवासी लल्ला पांचे एक दुकान में बैठकर सट्टा खिलवाता है। वहीं कोसमी चौक में लड्डु नामक व्यक्ति पानठेला संचालित करते हुए सट्टे का कारोबार कर रहा हैं। बताया जाता है कि दिन में कम और शाम होते ही यहां सट्टा लगाने वालों की भीड़ जुटने लगती है और देर रात तक यह अवैध गतिविधि चलती रहती है।

हालांकि ऐसा नहीं है कि पहले इन लोगों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई नहीं हुई हो। जानकारी के अनुसार नवेगांव ग्रामीण थाना प्रभारी अमित अग्रवाल ने पूर्व में सट्टा-जुआ के खिलाफ सख्ती दिखाते हुए कई आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किए थे। इतना ही नहीं, कुछ आरोपियों का जुलूस निकालकर उन्हें सख्त चेतावनी भी दी गई थी कि वे अवैध कारोबार छोड़कर सामान्य जीवन व्यतीत करें। उस समय पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में काफी हद तक अवैध गतिविधियों पर रोक भी लगी थी। लेकिन अब फिर से वही स्थिति देखने को मिल रही है। ग्रामीणों का कहना है कि सट्टा संचालक दोबारा सक्रिय हो गए हैं और खुलेआम अवैध कारोबार चला रहे हैं। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते इस पर सख्त कार्रवाई नहीं की गई तो युवाओं पर इसका बुरा प्रभाव पड़ सकता है और क्षेत्र में अपराध भी बढ़ सकते हैं। ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन से मांग की है कि सरेखा और कोसमी में चल रहे सट्टा-जुआ के अवैध कारोबार पर तत्काल प्रभाव से कड़ी कार्रवाई की जाए। साथ ही ऐसे लोगों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएं ताकि क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनी रहे और अवैध गतिविधियों पर पूरी तरह अंकुश लगाया जा सके।

वारासिवनी एसडीएम ने 17 कालोनाईजर को कारण बताओ नोटिस जारी किया

अवैध प्लाटिंग कर भूखंड विक्रय का मामला

08 कॉलोनाईजर पर 50-50 हजार रुपए एवं 09 कालोनाईजर पर 01-01 लाख रुपए का लगाया जुर्माना

बालाघाट (स्वतंत्र मत)।

वारासिवनी एसडीएम कार्तिकेय जायसवाल ने नियम विरूद्ध अवैध प्लाटिंग कर भूखंड विक्रय किये जाने के मामले में 17 कालोनाईजर को कारण बताओ नोटिस जारी किया है कि क्यों न उनके द्वारा तैयार की जा रही कालोनी का प्रबंधन मध्यप्रदेश पंचायत राज्य एवं ग्राम स्वराज अधिनियम की धारा 61 एवं मध्यप्रदेश ग्राम पंचायत नियम 2014 के अंतर्गत सक्षम प्राधिकारी द्वारा ले लिया जाए। इन कालोनाईजर्स को 10 दिनों के भीतर अपना स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने कहा गया है।

एसडीएम श्री जायसवाल ने 08 कालोनाईजर पर 50-50 हजार रुपए एवं 09 कालोनाईजर पर 01-01 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है और 10 दिनों के भीतर यह राशि चालान के माध्यम से जमा कर एसडीएम कोर्ट में चालान की प्रति जमा करने कहा गया है। इन कालोनाईजर द्वारा छोटे-छोटे भूखंड विक्रय किये जाने पर तत्काल रोक लगायी गई है। तहसीलदार वारासिवनी एवं लालबर्रा को निर्देशित किया गया है कि इन कालोनाईजर्स द्वारा ग्राम वारा एवं कनकी में भूखंड विक्रय की जानकारी प्राप्त होने पर तत्काल एसडीएम कोर्ट को सूचित करें। अवैध रूप से प्लाटिंग कर भूखंड विक्रय करने के मामले में कालोनाईजर वारासिवनी निवासी घनश्याम वल्द जोशीलाल व रोहित पुरी वल्द रेवेंद्र पुरी, नितिन वल्द बिहारीलाल बोपचे, संदेश मिश्रा, अभिनंदन पिता निर्मल कोचर व निर्मल पिता ज्ञानचंद कोचर, बालाघाट निवासी संजय पिता धरमचंद बोथरा व मनीष सोनी पर 50-50 हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया है। इन कालोनाईजर द्वारा वारासिवनी तहसील के ग्राम वारा में अवैध रूप से प्लाटिंग कर भूखंड विक्रय किये जा रहे थे। इसी प्रकार कालोनाईजर वारासिवनी निवासी श्रीमती भारती पति नारायण कोलानी, लालबर्रा तहसील के ग्राम जाम निवासी सुरेंद्र पिता बेनीराम बलोने व वारासिवनी निवासी मनीष पिता सत्यनारायण सोनी, निर्मल पिता ज्ञानचंद कोचर व नमन पिता निर्मल कोचर, संजय सिंह पिता गुरुदेव सिंह, बालाघाट निवासी मनीष सोनी पर ग्राम पंचायत क्षेत्र वारा में अवैध रूप से प्लाटिंग कर भूखंड विक्रय करने के कारण 01-01 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है। बालाघाट निवासी ऋषभ कुमार वल्द पदमचंद जैन व गर्रा निवासी श्रीमती हिमानी पति सुनील हनवत द्वारा लालबर्रा तहसील के ग्राम कनकी में अवैध प्लाटिंग कर भूखंड विक्रय करने के कारण उन पर 01 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है। इन सभी कालोनाईजर्स के भूखंड विक्रय पर एसडीएम श्री कार्तिकेय जायसवाल द्वारा रोक लगा दी गई है। इसके साथ ही इन कालोनाईजर्स को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है कि क्यों न उनके द्वारा तैयार की जा रही कालोनी का प्रबंधन सक्षम प्राधिकारी द्वारा ले लिया जाए। इन कालोनाईजर्स को 10 दिनों के भीतर अपना स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने कहा गया है।

कटनी के बाद उमरिया में भी डीपीसी का भ्रष्टाचार जारी.!

उमरिया (स्वतंत्र मत)

जिला परियोजना समन्वयक जिला शिक्षा केन्द्र केके डेहरिया को जिन कार्यो के कारण कटनी हटाया गया था उसे उमरिया में जारी किये हुए हैं और नियमो की सरेआम धज्जियां उड़ा रहे हैं! डीपीसी अपने कारनामो से कटनी में काफी विख्यात थे और उनके कारनामों से कटनी को तो छुटकारा मिल गया है लेकिन उमरिया वाले भुगत रहे हैं! नियमो की अनदेखी तो डीपीसी कर रहे जिसमे सहभागी प्रशासन बन रहा है जो नियम कायदों की अनदेखी लगातार कर रहे हैं। शासन के स्पष्ट आदेश के बाद भी 3 साल से अधिक कोई वार्डेन एक ही छात्रावास में नहीं रह सकता हैं उसके बाबजूद जिले में कई छात्रावास है जिसमे दशकों से अधीक्षिका बनी हुई हैं और विश्वस्त सूत्रों ने बताया कि डीपीसी पैसे लेकर फिर उनको लगातार वार्डेन बनाये हुए हैं.! वही यह भी बताया गया है कि उनका लक्ष्य एक मात्र हनी और मनी हैं वो चाहे जैसे भी आये.! जिले में कई विद्यालय खंडहर में तब्दील हो रहे हैं जिनका समाचार लगातार बड़े अखबारों में प्रकाशित भी हो रहा है लेकिन इसके मरम्मत का जो पैसा शासन से आता हैं उसे भी कागजो में मरम्मत कराकर हजम कर रहे हैं! वही तमन्नारा स्थित छात्रावास में अधीक्षिका 2020 से पदस्थ हैं और आशा सिंह ने सहमति भी दी थी लेकिन आशा सिंह को न बनाकर पैसे लेकर फिर से गीता सिंह को वार्डेन बना दिया यही हाल ताला और मानपुर का भी हैं! जिला पंचायत सदस्य ने संचालक लोक शिक्षण संचालनालय को शिकायती पत्र लिखते हुए आरोप लगाया कि कटनी में पदस्थ जिला परियोजना समन्वयक केके डहरिया के द्वारा अपने पद का दुरूपयोग करके शिक्षा जयत को कलंकित किया जाता है। उनके द्वारा निरंतर नियम विरूद्ध मनमाने तरीके से कार्य किये जा रहे है।। छात्रावासों में वार्डन की नियुक्ति राज्य शिक्षा केन्द्र के नियमों की अव्हेलना करके की जाती है। जिनसे उनका निजी स्वार्थ पूरा होता है, उसको पद दिया जाता है। पात्र लोगों की अनदेखी की जा रही है। कुछ समय पहले माननीय उच्च न्यायालय द्वारा वार्डन की नियुक्ति के संबंध में फटकार लागते हुये आदेश निरस्त किये गए थे। शिकायती पत्र के माध्यम से उन्होंने कहा कि राकेश दुबे को 55 वर्ष का होने के बावजूद बीएसी का पद दे दिया गया, और राज्य शिक्षा केन्द्र के नियमों को अनदेखा कर दिया गया। मुंडसा छात्रावास में वार्डन द्वारा की गई वित्तीय अनियमितताओं की शिकायत पर संपूर्ण दस्तावेज जलवा दिये गये और वार्डन से पैसे लेकर जांच को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया। डीपीसी श्री डेहरिया के द्वारा सूचना के अधिकार के तहत जानकारी मांगने वालों के साथ अभयता पूर्ण व्यवहार किया जाता है।

कोसमी में शासकीय व निजी भूमि पर अवैध कब्जे का आरोप

कलेक्टर से जांच और कार्रवाई की मांग

बालाघाट(स्वतंत्र मत)

जिले के ग्राम कोसमी में शासकीय भूमि, निजी जमीन और किराये की दुकान पर कथित रूप से अवैध कब्जा करने, दबाव बनाकर जमीन हड़पने और रास्ता बाधित करने का मामला सामने आया है। इस संबंध में तीन अलग-अलग आवेदकों ने कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर जनसुनवाई प्रकोष्ठ में लिखित शिकायत सौंपते हुए मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

आवेदक राजकुमार खोब्रागड़े (60) निवासी ग्राम कोसमी ने बताया कि उनके स्वामित्व का एक पक्का कमरा पिछले लगभग 8 से 10 वर्षों से मुकेश माहुले और हितेश माहुले को किराये पर दिया गया था। वर्तमान में उनका मकान जर्जर हो चुका है, इसलिए वे पुराने मकान को तोड़कर नया मकान बनवाना चाहते हैं। लेकिन आरोप है कि किरायेदार कमरा खाली करने से इनकार कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि कमरा खाली करने के लिए कहने पर गाली-गलौज की जाती है और मारपीट की धमकी दी जाती है, जिसके कारण मकान निर्माण का कार्य रुका हुआ है। राजकुमार खोब्रागड़े ने यह भी आशंका जताई है कि उनके बेटे को डराकर दुकान के संबंध में फर्जी दस्तावेज तैयार कर कब्जा करने की कोशिश की जा सकती है।

दूसरी आवेदक ईमलाबाई निकोसे (55) ने अपनी शिकायत में बताया कि वे अपनी भूमिस्वामी भूमि पर पुराने मकान को तोड़कर नया मकान बनवाना चाहती हैं। आरोप है कि देवकी माहुले द्वारा शासकीय भूमि पर बाउंड्रीवाल और दो कमरों का निर्माण कर दिया गया है, जिससे उनके घर तक आने-जाने वाला पुश्तैनी रास्ता बाधित हो गया है। उन्होंने बताया कि यह रास्ता लगभग 30 वर्षों से उपयोग में है, लेकिन अब निर्माण कार्य के कारण रास्ते में रुकावट आ रही है। विरोध करने पर विवाद और धमकी का सामना करना पड़ता है। तीसरे आवेदक रविप्रसाद लिल्हारे निवासी वार्ड क्रमांक 30 सरेखा ने भी अपनी भूमि को लेकर शिकायत दर्ज कराई है। उनका कहना है कि मौजा कोसमी स्थित उनकी जमीन पर पड़ोस में रहने वाले यशवंत माहुले और उनके परिवार के सदस्य अवैध रूप से बाड़ी बनाकर कब्जा करने की कोशिश कर रहे हैं। आरोप है कि उन पर दबाव बनाया जा रहा है कि वे जमीन की रजिस्ट्री उनके नाम कर दें, अन्यथा गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी जा रही है। साथ ही तहसील कार्यालय में चल रहे प्रकरण को वापस लेने के लिए भी दबाव बनाया जा रहा है।

आवेदकों ने आरोप लगाया है कि संबंधित लोग पटवारी से मिलीभगत कर दबाव बनाने का प्रयास कर रहे हैं और गरीब लोगों को डराकर भूमि हड़पने का काम करते हैं। उन्होंने प्रशासन से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने, कथित अवैध निर्माण हटाने, रास्ता खाली कराने तथा आरोपियों के आपराधिक रिकॉर्ड की जांच कर उचित कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है।

भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश मंत्री पहुंचे भाजपा कार्यालय, पदाधिकारियों की ली बैठक

उमरिया (स्वतंत्र मत)

भारतीय जनता पार्टी मध्य प्रदेश किसान मोर्चा के प्रदेश मंत्री बृजेंद्र प्रताप सिंह बुधवार को उमरिया के भाजपा कार्यालय पहुंचे, जहां उन्होंने जिले के किसान मोर्चा पदाधिकारी के साथ बैठक की है। इस दौरान भाजपा जिला अध्यक्ष आशुतोष अग्रवाल, किसान मोर्चा अध्यक्ष कमलेश गुप्ता सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद थे। बैठक को संबोधित करते हुए किसान मोर्चा के प्रदेश मंत्री बृजेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि किसानों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए हमारी भाजपा की केंद्र और मध्य प्रदेश की डबल इंजन की सरकार लगातार काम कर रही है। मध्य प्रदेश सरकार अनेको योजनाओं के माध्यम से प्रत्येक प्रदेश के किसानों के जीवन को बेहतर बनाने और आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। फिर चाहे वह किसान सम्मन निधि के माध्यम से केंद्र की राशि के साथ मध्य प्रदेश सरकार के द्वारा दी जाने वाली सम्मान निधि हो, कृषि यंत्रों पर सब्सिडी, समर्थन मूल्य पर धान गेहूं सहित दलहन की फसलों की खरीदी, सिंचाई के लिए कपिलधारा कुआ-ट्यूबवेल आदि अन्य तमाम योजनाएं हो, सरकार किसानों के लिए हर संभव प्रयास के लिए लगातार प्रयासरत है।

आरसेटी उमरिया में महिला सिलाई प्रशिक्षण हुआ संपन्न

उमरिया । भारतीय स्टेट बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान,उमरिया में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन जिला पंचायत उमरिया के अंतर्गत 31 दिवसीय महिला सिलाई प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन आरसेटी निर्देशक डा.तरूण कुमार सिंह, सेवकराम सोनवानी (एलडीएम), सुखदेव झारिया (प्रबंधक- भारतीय स्टेट बैंक), श्रीमती कामना त्रिपाठी (एनआरएलएम), माधुरी शुक्ला (एनआरएलएम) एवं कृष्ण कुमार शुक्ला एवं प्रशिक्षक नसीम बानों की उपस्थिती में किया गया। सुखदेव झारिया ने सभी प्रशिक्षणार्थियों को अपनी शुभकामनाएं देते हुए सभी को सतत रूप से कार्य करने के लिए कहा एवं उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। सेवकराम सोनवानी (एलडीएम) द्वारा भी सभी प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए अपनी शुभकामनायें दी और कहा कि आपने जो महिला सिलाई कार्य इस प्रशिक्षण में सीखा है उसे यहाँ से जाने के बाद सतत् रूप से करना है। निर्देशक डा.तरूण कुमार सिंह ने सभी प्रशिक्षणार्थियों का उत्साह वर्धन करते हुये कहा आपने जो यह 31 दिवसीय महिला सिलाई आवासीय प्रशिक्षण प्राप्त किया है एवं प्रशिक्षण के दौरान आपने जो भी कौशल सीखा है, उसे यहां से जाने के बाद आप को खूब अभ्यास व मेहनत करना है जिससे आप को ज्यादा से ज्यादा लाभ हो और इसी में अपना करियर बना सकें।

चलते ई-रिक्शा में युवक को आया हार्ट अटैक, मौके पर हुई मौत

उमरिया। पाली के बाजार क्षेत्र में एक दुखद घटना सामने आई है। ई-रिक्शा चला रहे एक युवक की अचानक तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में शोक का माहौल है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। जानकारी के अनुसार रवि विश्वकर्मा (35 वर्ष) निवासी पाली प्रोजेक्ट बुधवार को अपने ई-रिक्शा से बाजार क्षेत्र पहुंचे थे। इसी दौरान जब वे पाली के प्रकाश चौराहे के पास पहुंचे, तभी अचानक उन्हें हार्ट अटैक आ गया और वे अपने ई-रिक्शा में ही बेहोश होकर गिर पड़े। घटना देख आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत उन्हें पाली के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। वहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। प्रारंभिक तौर पर उनकी मौत हार्ट अटैक से होने की आशंका जताई जा रही है। इस संबंध में पाली थाना प्रभारी राजेश चंद्र मिश्रा ने बताया कि युवक ई-रिक्शा चला रहा था। प्रकाश चौराहे के पास अचानक उसे अटैक आया, जिससे उसकी मौत हो गई। स्थानीय लोगों द्वारा उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। फिलहाल मामले की विवेचना की जा रही है।

बेटे की शादी की खुशियां मातम में बदलीं-पिता की मौत

लालबर्रा के जाम में ट्रक ने बाइक को रौंदा, एक घायल

बालाघाट(स्वतंत्र मत)

जिले में बेलगाम रफ्तार और परिवहन विभाग की अनदेखी मासूम जिंदगियों पर भारी पड़ रही है। बुधवार दोपहर लालबर्रा थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम जाम में एक हृदयविदारक सड़क हादसा सामने आया, जिसने एक हंसते-खेलते परिवार की खुशियों को उम्र भर के मातम में बदल दिया। यहाँ एक तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार दो लोगों को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे एक व्यक्ति की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम साल्हे (मों.) निवासी सीताराम पिता नंदलाल गुर्जर (45 वर्ष), जो पेशे से भवन निर्माण मिस्त्री थे के घर में इन दिनों उत्सव का माहौल था। उनके बेटे प्रवीण का विवाह आगामी 1 मई को तय हुआ था। बुधवार को सीताराम अपने परिचित सोहनलाल गौतम के साथ बाइक पर सवार होकर रिश्तेदारों को शादी की पत्रिका (निमंत्रण पत्र) बांटने के लिए बहेगांव की ओर जा रहे थे। जैसे ही उनकी मोटर साइकिल जाम स्थित गायत्री राइस मिल के समीप पहुँची, सामने से आ रहे एक अनियंत्रित ट्रक के चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए उन्हें सीधी टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि मोटर साइकिल ट्रक के अगले हिस्से में फंस गई, जबकि सीताराम उछलकर सड़क पर जा गिरे। सिर में गंभीर चोट आने के कारण सीताराम ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

सड़क पर घंटों पड़ा रहा शव...

हादसे के तुरंत बाद ट्रक चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। घटना की खबर मिलते ही मृतक के परिजन और भारी संख्या में ग्रामीण घटनास्थल पर एकत्र हो गए। आक्रोशित ग्रामीणों ने ट्रक मालिक और चालक के खिलाफ सख्त कार्रवाई तथा उचित मुआवजे की मांग को लेकर प्रदर्शन शुरू कर दिया। परिजनों के भारी विरोध के कारण मृतक का शव लगभग दो से तीन घंटे तक सड़क पर ही पड़ा रहा। ग्रामीण इस बात पर अड़े थे कि जब तक ठोस आश्वासन नहीं मिलता, शव को उठने नहीं दिया जाएगा।

आरटीओ विभाग पर भ्रष्टाचार के आरोप- तनाव की सूचना मिलते ही पुलिस बल के साथ पूर्व सांसद कंकर मुंजारे और जिला पंचायत सदस्य डुलेन्द्र ठाकरे भी मौके पर पहुँचे। जब दुर्घटनाकारी ट्रक के दस्तावेजों की जांच की गई, तो चौंकाने वाला तथ्य सामने आया कि ट्रक का न तो परमिट था और न ही फिटनेस। इस पर नाराजगी जाहिर करते हुए पूर्व सांसद कंकर मुंजारे ने परिवहन विभाग (आरटीओ) पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि जिले में आरटीओ की मिलीभगत और रिश्वतखोरी के चलते सैकड़ों वाहन बिना वैध दस्तावेजों के सड़कों पर दौड़ रहे हैं, जो सीधे तौर पर हादसों को न्यौता दे रहे हैं। वहीं, जिला पंचायत सदस्य डुलेन्द्र ठाकरे ने मांग की कि चूंकि वाहन बिना कागजात के चलाया जा रहा था, इसलिए इसे महज दुर्घटना न मानकर चालक और मालिक के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया जाना चाहिए।

आर्थिक सहायता का मिला मरहम- ग्रामीणों के आक्रोश को देखते हुए स्थानीय जनप्रतिनिधियों और प्रशासन ने बीच-बचाव किया। ग्राम पंचायत साल्हे (मों.) के सरपंच और ब्लॉक सरपंच संघ अध्यक्ष चेतनलाल पटले ने बताया कि तात्कालिक राहत के तौर पर ट्रक मालिक द्वारा 25000 रूपये , पूर्व सांसद कंकर मुंजारे द्वारा 8000 रूपये , जिला पंचायत सदस्य डूलेन्द्र ठाकरे द्वारा 2000 रूपये और पंचायत साल्हे (मों.) की ओर से 5000 रूपये इस तरह कुल 40,000 रुपये की नगद सहायता राशि पीड़ित परिवार को सौंपी गई है।

हादसे में घायल सोहनलाल गौतम को पहले लालबर्रा अस्पताल ले जाया गया, जहाँ उनकी नाजुक स्थिति को देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया। जिला अस्पताल के डॉक्टरों ने भी उनकी हालत गंभीर बताते हुए बेहतर इलाज के लिए उन्हें निजी चिकित्सालय बालाघाट में उपचार किया जा रहा है। पुलिस ने फिलहाल ट्रक को जब्त कर लिया है और फरार चालक की तलाश की जा रही है। यह हादसा प्रशासन के लिए एक चेतावनी है। यदि समय रहते बिना परमिट और अनियंत्रित वाहनों पर लगाम नहीं लगाई गई, तो सड़कों पर इसी तरह बेगुनाहों का खून बहता रहेगा।

किसी ने बनाया प्रधानमंत्री आवास तो किसी ने बना लिया पक्का मकान, मुख्यालय की खाई में फैला अतिक्रमण

मण्डला(स्वतंत्र मत)

नगर मुख्यालय की खाई में अतिक्रमणकारियों ने पक्के महल बना लिए हैं। महात्मा गांधी स्टेडियम के पीछे बनीं खाई में इतना अधिक अतिक्रमण हो चुका है कि यहां से पानी की निकासी भी नही हो पा रही है। नगर मुख्यालय में अतिक्रमण का सबसे बड़ा उदाहरण यहां की खाई है। अतिक्रमणकारियों की लंबी फौज दिखाई दे रही है जो रोजाना झुग्गी झोपड़ी तान रहे हैं और फिर इनकों बेचने आदि का काम कर रहे हैं। इस खेल में तथाकथित लोगो के नाम सामने आये हैं। जो हर दिन अतिक्रमण करते और करवाते हैं। इस पूरे खेल में कुछ छोटे कर्मचारियों की भी मिलीभगत की जानकारी सामने आई है। अतिक्रमणकारियों का सर्वे कराया गया तो यहॉ पर कच्चे पक्के मकान के साथ प्रधानमंत्री आवास का निर्माण कराने की जानकारी सामने आई यहीं नही किसी ने टीन सेट, तो किसी ने सरकारी योजनाओं से मकान बना लिया है। सरकारी योजनाओं से बनें मकान बिना मिलीभगत के बन पाना संभव नही है। जानकारी अनुसार लगभग 150 लोगों ने अतिक्रमण कर रखा है जिसे हटा पाना अब चुनौती बन गया है। लगातार अतिक्रमण बढ़ने से निस्तारी भूमि गायब सी हो गई है। इन झुग्गी

झोपड़ियो में शराब, सट्टा जुंआ के साथ अनैतिक कामों को अंजाम दिया जा रहा है। स्थानीय नागरिकों में रोष है और शिकायत के बाद भी कार्यवाही नही हो पा रही है। बता दें कि मुख्यालय में अतिक्रमण ने व्यवसाय का रूप ले लिया है। अवैध रूप से अतिक्रमण कर उक्त जमीन को बड़ी रकम लेकर बेच देने और पुन: किसी अन्य सरकारी जमीन पर कब्जा कर लेने की प्रवृत्ति को स्थानीय प्रशासन के ढुलमुल रवैये के कारण बढ़ावा मिला हुआ है। मुख्यालय सहित आसपास के क्षेत्रों में सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा कर बेच देने का व्यवसाय अत्याधिक लाभ का धंधा बन गया है। इस धंधे में जहां कब्जा कराने वालों और दलालों को लाभ पहुंचता है वहीं प्रशासन के कुछ कर्मचारियों के अलावा स्थानीय पार्षद भी लाभान्वित होते हैं। योजनाबद्ध तरीके से कुछ लोगों के समूह को छोटे-बड़े भू-खण्ड पर कब्जा कराया जाता है। कब्जा करने वालों में कुछ ऐसे भी धंधेबाज होते हैं जो कुछ समय बाद उक्त भूमि का विक्रय कर किसी अन्य भूमि पर कब्जा करने की जुगत में रहते हैं। ऐसे दलाल जो कर्मचारियों को साधे हुये हैं सरकारी भू खण्ड का चयन कर अतिक्रमणकारियों से निर्धारित रकम प्राप्त कर कब्जा कराते हैं और सरकारी कर्मचारियों के साथ मिलकर रकम का बंटवारा कर लेते हैं। अतिक्रमण हटाने के संबंध में कर्मचारियों द्वारा अधिकारियों को गुमराह किया जाता है। एक ओर अतिक्रमण हटाने का प्रदर्शन अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा किया जाता है तो दूसरी ओर मैदानी इलाकों, टेकरियों और नालों के किनारे की भूमि अवैध कब्जों से पट चुकी है। प्रशासन की नजर मुख्य मार्ग की दुकानों के अस्थाई कब्जों पर बनी रही है पर अवैध कब्जों के कारण छोटी-छोटी बस्तियां बनने पर उनकी नींद नहीं टूटती। आज भी तहसील में अतिक्रमणकारियों द्वारा बेजा कब्जा का सिलसिला जारी है। विभाग द्वारा खानापूर्ति कर अपने दायित्व का निर्वहन कर लिया जाता है। यदि इसी तरह सरकारी जमीन पर अतिक्रमण किया जाता रहा तो भविष्य में सरकारी भवन निर्माण के लिये भूमि नहीं मिल सकेगी। बता दें शहर के अनेक खाइयों और नालों के किनारे लगातार बढ़ते अतिक्रमण ने शहर की व्यवस्था और सुरक्षा दोनों के लिए चिंता खड़ी कर दी है। शहर के कई हिस्सों में खाइयों की जमीन पर धीरे-धीरे कब्जा कर पक्के मकान बनाए जा रहे हैं। पहले अस्थायी रूप से टीन-शेड या झोपड़ी डालकर कब्जा किया गया और अब उसी जगह पर पक्के निर्माण किए जा रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों में खाईयों के किनारे अतिक्रमण तेजी से बढ़ा है। कई जगहों पर लोगों ने पहले मिट्टी भरकर जमीन समतल की और फिर उस पर दीवार खड़ी कर दी। अब धीरे-धीरे उन जगहों पर पक्के मकान तैयार किए जा रहे हैं जिससे खाई और नालों का प्राकृतिक स्वरूप खत्म होता जा रहा है। सूत्रों का कहना है कि यदि समय रहते प्रशासन ने इस पर सख्ती नहीं दिखाई तो आने वाले समय में यह समस्या और गंभीर हो सकती है। खाइयों और नालों के संकुचित होने से बरसात के समय जलभराव और बाढ़ जैसी स्थिति बनने का खतरा भी बढ़ सकता है। इसके अलावा शहर की जल निकासी व्यवस्था भी प्रभावित हो सकती है। मांग की है कि नगर पालिका और प्रशासन इस बढ़ते अतिक्रमण पर जल्द कार्यवाही करे और खाइयों की जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराया जाए ताकि भविष्य में किसी प्रकार की बड़ी समस्या उत्पन्न न हो।

एचपीवी टीकाकरण में प्रथम स्थान

मण्डला (स्वतंत्र मत)। 90 दिनों तक संचालित होने वाले एचपीवी टीकाकरण अभियान में जिसके अंतर्गत 14 वर्ष पूर्ण कर चुकी एवं 15 वर्ष पूर्ण न करने वाली बालिकाओं को नि:शुल्क टीकाकरण किया जा रहा है। जिले द्वारा 675 टीके लगाकर अब तक प्रदेश में सर्वोच्च 2058 टीके लगाकर प्रथम स्थान प्राप्त किया है। कलेक्टर सोमेश मिश्रा के मार्गदर्शन में एचपीवी वायरस से होने वाले सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम के लिए अभियान चलाया जा रहा है। सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम के लिए टीका अत्यंत प्रभावी एवं सुरक्षित है। सभी पात्र बालिकाओं को उनके अभिभावकों अपने साथ लाकर नजदीकी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र या जिला चिकित्सालय में टीकाकरण अवश्य कराएं। जिले के सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों एवं जिला चिकित्सालय में उक्त टीकाकरण की सुविधा नि:शुल्क प्रदान की जा रही है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. डीजे मोहंती ने बताया कि 14 वर्ष से अधिक आयु की बेटियों को यह टीका नि:शुल्क लगाया जा रहा है। वैक्सीन का एक टीका गर्भाशय एवं बच्चेदानी के कैंसर के प्रति भविष्य में बेटियों को सुरक्षा प्रदान करेगा और उन्हें गंभीर रोग से बचाएगा। यह टीका अभी तक निजी चिकित्सालयों और चिकित्सकों द्वारा लगाया जा रहा था।

13 को पीएम किसान उत्सव दिवस

मण्डला(स्वतंत्र मत)। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत देश के करोड़ों किसानों के लिए खुशखबरी है। आगामी 13 मार्च को प्रधानमंत्री असम के गुवाहाटी से योजना की 22वीं किस्त जारी करेंगे। मध्यप्रदेश में इस विशेष अवसर को पीएम किसान उत्सव दिवस के रूप में भव्य स्तर पर मनाया जायेगा। इस संबंध में भू-संसाधन प्रबंधन आयुक्त कार्यालय द्वारा प्रदेश के सभी कलेक्टर्स को विस्तृत दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं। प्रदेश सरकार ने निर्देश दिए हैं कि जिला और ब्लॉक स्तर पर विशेष कार्यक्रमों का आयोजन किया जाए। इन कार्यक्रमों में स्थानीय सांसदों विधायकों और अन्य जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित किया जायेगा। आमजन और किसानों के लिए कार्यक्रम का सीधा प्रसारण बड़ी स्क्रीन और प्रोजेक्टर्स के माध्यम से किया जायेगा।

समय-सीमा में लक्ष्य करें पूर्ण

मण्डला(स्वतंत्र मत)। कलेक्टर के मार्गदर्शन में एसडीएम नैनपुर आशुतोष ठाकुर ने विकासखंड के समस्त शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के प्राचार्यों और छात्रावास अधीक्षिकाओं की बैठक ली। बैठक के दौरान एसडीएम श्री ठाकुर ने स्पष्ट किया कि बालिकाओं के स्वास्थ्य संरक्षण के लिए एचपीवी टीकाकरण एक अत्यंत महत्वपूर्ण अभियान है। उन्होंने निर्देश दिए कि वैक्सीनेशन का कार्य पूरी तरह समयबद्ध होना चाहिए ताकि कोई भी पात्र बालिका इस सुरक्षा चक्र से वंचित न रहे। उन्होंने प्राचार्यों को निर्देशित किया कि वे अपने संस्थान के प्रत्येक स्तर पर माइक्रो-प्लानिंग करें। बैठक में बीएमओ राजीव चावला विकासखंड शिक्षा अधिकारी एवं बीआरसी सहित अन्य संबंधित शासकीय अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

हम फाउंडेशन विवेकानंद की बैठक

मण्डला(स्वतंत्र मत)। हम फाउंडेशन की विवेकानंद शाखा जिला मंडला की बैठक कारीकोन तिराहा स्थित दिलीप होटल में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता जिला शाखा अध्यक्ष एचपी झरिया ने किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रदेश संरक्षक बीके राय उपस्थित रहे। बैठक में होली पर्व पर सभी सदस्यों को शुभकामनाएं दी गई। बैठक के अन्य विषय में निर्णय लिया गया कि गर्मी का मौसम प्रारंभ होने जा रहा है,अत: विगत वर्ष अनुसार इस वर्ष भी पक्षियों के पीने के पानी की व्यवस्था हेतु हम फाउंडेशन द्वारा सकोरे का वितरण किया जावेगा। एक अन्य निर्णय में प्रतिमाह 200 की राशि संकलित करने का निर्णय लिया गया। बैठक के अंत में विवेकानंद शाखा के सदस्य दिनेश कुमार राय के आकस्मिक निधन पर शोक व्यक्त करते हुए दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए।

मासिक गोष्ठी का आयोजित

मण्डला। विगत् दिनों अखिल भारतीय हिंदी सेवा समिति एवं राष्ट्रभाषा प्रचार समिति के संयुक्त तत्वाधान में डॉ. अरुणा पांडे पूर्व प्राचार्य शास एसएसए स्नातकोश्रर महाविद्यालय सिहोरा के मुख्य आतिथ्य, मधु सक्सेना वरिष्ठ साहित्यकार भोपाल के विशिष्ठ आतिथ्य एवं डॉ. संध्या शुक्ल 'मृदुल' जिला संयोजक म प्र राष्ट्रभाषा प्रचार समिति मंडला व प्रदेशाध्यक्ष अखिल भारतीय हिंदी सेवा समिति की अध्यक्षता में नारीगत् विषयों पर केन्द्रित ऑनलाईन मासिक गोष्ठी का आयोजन हुआ।

पेंचवेली एक्सप्रेस के उद्घाटन को लेकर सवाल

मण्डला(स्वतंत्र मत)। जिले के नगर मंडला और महाराजपुर क्षेत्र में पिछले लगभग 8 महीनों से ट्रेनों का आवागमन शुरू हो चुका है। जो क्षेत्र के लिए एक अच्छी पहल मानी जा रही है। हालांकि स्थानीय नागरिकों का कहना है कि कई बार ट्रेन खाली चलती नजर आती है जो चिंता का विषय है। लोगों का कहना है कि चाहे ट्रेन पेट्रोल, डीजल, बिजली या किसी अन्य ऊर्जा से चल रही हो उसके संचालन में खर्च तो हो ही रहा है जिसका भार आखिरकार रेलवे को ही उठाना पड़ता है। मंडला फोर्ट एक ऐतिहासिक और सैकड़ों वर्षों पुराना रेलवे स्टेशन है लेकिन यहां अभी भी पर्याप्त सुविधाओं का अभाव बताया जा रहा है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि न तो आम जनता और न ही जनप्रतिनिधि इस दिशा में पर्याप्त ध्यान दे रहे हैं। मंडला फोर्ट से वर्तमान में 2-3 ट्रेनें संचालित हो रही हैं, लेकिन उनके समय का सही निर्धारण नहीं होने के कारण यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। समय अनुकूल न होने के कारण कई बार ट्रेनें खाली चलती हैं जिससे रेलवे की आय पर भी असर पड़ता है। हाल ही में मंडला से जबलपुर के लिए सीधी ट्रेन सेवा शुरू हुई है लेकिन नागरिकों का कहना है कि इसका पर्याप्त प्रचार-प्रसार नहीं किया गया है। इसी कारण यात्रियों की संख्या अपेक्षा से कम है। इसके अलावा यात्रियों ने यह भी आरोप लगाया कि कई बार ट्रेनों को आउटर पर खड़ा कर दिया जाता है जिससे यात्रियों को 5 से 6 घंटे तक का लंबा समय लग जाता है। स्थानीय समाजसेवी अखिलेश सोनी ने कहा कि मंडला फोर्ट से पेंचवेली एक्सप्रेस को जल्द शुरू किया जाना चाहिए और इसमें एसी व जनरल डिब्बों की संख्या बढ़ाई जानी चाहिए, क्योंकि यात्रियों को कई बार वेटिंग का सामना करना पड़ता है। वहीं नितिन सोलंकी ने कहा कि मंडला फोर्ट से चलने वाली ट्रेनों का समय निर्धारण और समय परिवर्तन इस तरह किया जाना चाहिए जिससे आम जनता को सुविधा मिल सके। रेलवे संघर्ष समिति के अध्यक्ष अनूप मिश्रा का कहना है कि मंडला फोर्ट स्टेशन पर सुविधाएं धीरे-धीरे बढ़ रही हैं, लेकिन अभी भी यात्रियों को अपेक्षित लाभ नहीं मिल पा रहा है। स्टेशन पर सुविधाओं और ट्रेनों के समय में सुधार की आवश्यकता है। इसी क्रम में रंजीत कछवाहा ने कहा कि मंडला फोर्ट से नए रेलमार्गों के निर्माण की रूपरेखा जल्द तैयार की जानी चाहिए। पूर्व में बिलासपुर-जबलपुर तथा पेंड्रा नरसिंहपुर रेलमार्ग का सर्वे हो चुका है, लेकिन अभी तक उस पर कोई ठोस कार्यवाही नहीं हुई है। उन्होंने मांग की कि रेलवे बोर्ड जल्द इस दिशा में निर्णय लेकर क्षेत्र के विकास को गति दे।

चैत्र नवरात्र पर 1100 कन्याओं का होगा पूजन

मण्डला (स्वतंत्र मत)

चैत्र नवरात्र के पावन अवसर पर रामनवमी के दिन आयोजित होने वाले 1100 कन्याओं के पूजन एवं कन्या भोज कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर पीडब्ल्यूडी कॉलोनी स्थित दुर्गा मंदिर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में कार्यक्रम को भव्य और सुव्यवस्थित रूप से आयोजित करने के लिए विभिन्न व्यवस्थाओं पर चर्चा की गई। बैठक में आयोजन समिति के सदस्यों ने कार्यक्रम की रूपरेखा तय करते हुए कन्याओं के पूजन, भोजन

व्यवस्था, श्रद्धालुओं के बैठने की व्यवस्था, साफ-सफाई तथा अन्य व्यवस्थाओं को लेकर जिम्मेदारियां निर्धारित कीं। साथ ही नगर के धर्मप्रेमी नागरिकों से कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर इसे सफल बनाने की अपील भी की गई। आयोजकों ने बताया कि 25 मार्च बुधवार को सुबह 10 बजे से पीडब्ल्यूडी कॉलोनी स्थित दुर्गा मंदिर, मंडला में माता की चौकी के साथ 1100 कन्याओं का पूजन एवं कन्या भोज कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिसमें छिंदवाड़ा एवं जबलपुर के कलाकारों द्वारा माता की भक्ति प्रस्तुतियां भी दी जाएंगी। कार्यक्रम के आयोजक सोनल सोनू वर्मन ने बताया कि यह आयोजन नगर में पहली बार इतने बड़े स्तर पर किया जा रहा है। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं से परिवार सहित पहुंचकर माता रानी का आशीर्वाद लेने का आग्रह किया।

प्रस्फुटन क्षमतावर्धन प्रशिक्षण

मण्डला(स्वतंत्र मत)। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद और नवांकुर संस्था द्वारा प्रस्फुटन समिति के सदस्यों का क्षमतावर्धन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान ग्राम विकास शासकीय योजनाओं और सामाजिक जागरूकता पर चर्चा की गई। 32 प्रतिभागियों ने सक्रिय सहभागिता की और ग्राम स्तर पर विकास कार्यों को गति प्रदान करने के लिए आवश्यक जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम में स्वच्छता वृक्षारोपण जल संरक्षण और सामाजिक समरसता जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी चर्चा हुई। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत मोहगांव की सरपंच श्रीमती सुनीता उलाडी संस्था प्रतिनिधि उमा गणेश लोधी परामर्शदाता उत्तम परस्ते और नवांकुर सखियों ने सक्रिय भूमिका निभाई।

राधे का ओलंपियाड में चयन

मण्डला(स्वतंत्र मत)। ओलम्पियाड जैसे प्रतिष्ठित मंच पर एक छोटे से गांव का शासकीय स्कूल के कक्षा-3 के छात्र का अंग्रेजी विषय में राज्य स्तरीय पर चयनित होना एक शानदार उपलब्धि है। विद्यालय के शिक्षक रोशन अग्रवाल की प्रेरणा भाषा कौशल और आपकी मेहनत और समर्पण ने आपको यहां तक पहुंचाया है। ओलम्पियाड में आपका चयन होना यह दर्शाता है कि आपने इसके लिए पूरी लगन से कड़ी मेहनत किया है और अब समय है। अपनी योग्यता को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर साबित करने का- और हमें उम्मीद ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि आप इन प्रतियोगिताओं में शामिल होकर राज्य स्तर पर भी पदक जीतकर- अपने विद्यालय शिक्षक- गांव- व विकास खंड का नाम रोशन करेंगे।

महिष्मति व्यास दंड उत्तरवाहिनी परिक्रमा 28 से

मण्डला(स्वतंत्र मत)

मंडला के लिये व्यास दंड उत्तरवाहिनी पतित पावनी मां का वरदान हैं। महिष्मति मां नर्मदा उत्तरवाहिनी परिक्रमा आयोजन समिति की महत्वपूर्ण बैठक सुहानंद माँ रेवा सेवा आश्रम हेलीपेड ग्राउंड महाराजपुर मंडला में सम्पन्न हुई। बैठक के दौरान सामूहिक आयोजन 28-29 मार्च व अलग-अलग तिथियों में आने वाले श्रद्धालुओं की व्यवस्थाओं का कार्य विभाजन कर कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी सौंपी

गई। व्यवस्था की दृष्टि से निधि संग्रह, पंजीयन, संकल्प पूजन-आरती, तट परिवर्तन, अल्पाहार-भोजन, जल, रूट चार्ट, प्रशासनिक समंवय, आवास , स्वच्छता, चिकित्सा, झांकी, यातायात, सांस्कृतिक कार्यक्रम जैसे कुल 16 विभाग बनाये गये। इन सभी व्यवस्थाओं में अलग-अलग कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी सौंपी गई हैं। देशभर के कई स्थानों से श्रद्धालुजन अलग-अलग कार्यकर्ताओं से संपर्क कर रहे हैं। उन सभी लोगों का रिकॉर्ड रजिस्टर में नोट किया। देशभर से महिष्मति व्यास दंड उत्तरवाहिनी परिक्रमा के लिये सामूहिक यात्राओं के अलावा अलग-अलग तिथियों में श्रद्धालु आने वाले हैं। नगरवासियों के सेवाभाव व अथक सहयोग के कारण अब महिष्मति व्यास दंड उत्तरवाहिनी परिक्रमा करने वालों की संख्या दिनोदिन बढ़ रही हैं।

सुपर 100 योजना आवेदन में निर्देश

मण्डला(स्वतंत्र मत)

हाईस्कूल बोर्ड परीक्षा 2026 में उत्तीर्ण होने वाले विद्यार्थियों के लिये राज्य शासन की योजना अन्तर्गत सुपर 100 चयन परीक्षा का आयोजन किया जाएगा। परीक्षा में चयनित विद्यार्थियों को शासकीय सुभाष उत्कृष्ट उमावि भोपाल एवं शासकीय मल्हार आश्रम उमावि इन्दौर में प्रवेश दिलाया जाएगा। यहां उन्हें कक्षा ग्यारहवीं एवं कक्षा बारहवीं शिक्षण के साथ-साथ जेईई इंजीनियरिंग एवं नीट मेडीकल के लिए आयोजित की जाने वाली प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिये 2 वर्षीय नि:शुल्क कोंचिंग प्रदान की जाएगी। प्रवेश उपरान्त विद्यार्थियों को विद्यालय के छात्रावास में आवास, भोजन एवं शिक्षण आदि की व्यवस्था शासन द्वारा नि:शुल्क की जाएगी। इस सम्बंध में बोर्ड परीक्षा प्रभारी महेन्द्र श्रीवास ने बताया गया है कि समस्त प्राचार्य हाईस्कूल एवं हायर सैकेण्डरी विद्यालयों को निर्देश जारी किये गये हैं कि जो विद्यार्थी वर्ष 2026 की बोर्ड परीक्षा कक्षा दसवीं में सम्मिलित हुये हैं उन्हें आवेदन करने के लिए प्रोत्साहित किया जाना सुनिश्चित करें ताकि राज्य शासन की महत्वाकांक्षी योजना का लाभ अधिक से अधिक विद्यार्थी प्राप्त कर सकें।

अवैध कालोनी काटने वालों को नोटिस जारी, कार्रवाई शेष

वगैर परमीशन के छोटे छोटे टुकड़ों में बेच दिया कृषि भूमि

नैनपुर(स्वतंत्र मत)

तहसीलदार हरी सिंह धुर्वे से मिली जानकारी अनुसार गत 31 दिसम्बर 2025 को नैनपुर निवारी के 23 कालोनाइजरों को नोटिस देकर कृषि भूमि बेचने के समक्ष दस्तावेज मांगा गया था परंतु भू-माफियों के होंसले इतने बुलंद हैं कि तहसील न्यायालय को आज दो माह बीत जाने के बाद भी भू-माफियों के द्वारा कोई जबाब प्रस्तुत होकर नहीं दिया गया है। तहसीलदार के द्वारा बताया गया कि 23 लोगों को नोटिस तामिल की गई बाद इसके पुलिस थाना नैनपुर के माध्यम से भी नोटिस तामिल कराया गया परंतु आज तक कोई जबाब नहीं दिया है। इस कारण एसडीएम न्यायालय में प्रकरण भेजा जाएगा। 10 मार्च को

नैनपुर के ग्राम निवारी में शासकीय भूमि पर किए गए अवैध अतिक्रमण के विरुद्ध प्रशासन द्वारा कार्रवाई करते हुए भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराया गया। उक्त कार्रवाई अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) आशुतोष महादेव ठाकुर के निर्देशन में की गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम निवारी स्थित भूमि खसरा नंबर 434, कुल रकबा 0.845 हेक्टेयर में से लगभग 0.160 हेक्टेयर शासकीय भूमि पर कॉलोनाइजर चंद्रकांत गढ़ेवाल द्वारा अवैध रूप से कब्जा कर लिया गया था। उक्त भूमि पर बिना प्रशासनिक अनुमति के अवैध कॉलोनी का निर्माण किया जा रहा था। इसके साथ ही शासकीय भूमि पर नाली निर्माण का कार्य भी प्रारंभ कर दिया गया था। उक्त मामले की शिकायत ग्राम सरपंच और ग्राम के जनप्रतिनिधियों ने राजस्व विभाग को की थी। मामले की जानकारी मिलने के बाद प्रशासन द्वारा तत्काल संज्ञान लेते हुए यह कार्रवाई की गई। अनुविभागीय अधिकारी आशुतोष महादेव ठाकुर के निर्देशन में तहसीलदार हरि सिंह धुर्वे की उपस्थिति में राजस्व अमला मौके पर पहुंचा । निवारी स्थित उक्त खसरा और रकबे की मौके की स्थिति का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान शासकीय भूमि पर अतिक्रमण की पुष्टि होने पर जेसीबी मशीन की सहायता से अवैध निर्माण एवं अतिक्रमण को हटाने की कार्रवाई की गई।

कार्रवाई के दौरान शासकीय भूमि को पूरी तरह अतिक्रमण से मुक्त कराया गया तथा अवैध रूप से किए जा रहे निर्माण कार्य को भी रुकवा दिया गया है। प्रशासन द्वारा स्पष्ट किया गया है कि बिना अनुमति के कॉलोनी निर्माण करना एवं शासकीय भूमि पर कब्जा करना नियमों का उल्लंघन है और ऐसे मामलों में नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने आम नागरिकों एवं कॉलोनाइजरों से अपेक्षा जाहिर की कि वे किसी भी प्रकार के निर्माण कार्य से पूर्व आवश्यक प्रशासनिक अनुमति अवश्य प्राप्त करें और शासकीय भूमि पर अतिक्रमण करने से बचें। जिले में शासकीय भूमि की सुरक्षा एवं अवैध कॉलोनियों पर रोक लगाने के लिए प्रशासन द्वारा आगे भी इस प्रकार की कार्रवाई निरंतर जारी रखने की बात कही गई है। कार्यवाही के दौरान राजस्व निरीक्षक पुरुषोत्तम शिव, हल्का पटवारी आशीष उईके सहित राजस्व विभाग का अन्य अमला उपस्थित रहा।

स्व सहायता परिसंघ ने किया कार्यक्रम

मण्डला(स्वतंत्र मत)। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर अंजनिया के महिला परिसंघ द्वारा रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पहल महिला आजीविका संकुल स्तरीय परिसंघ अंजनिया द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान परिसंघ की वार्षिक सामान्य सभा भी संम्पन्न की गई। वार्षिक सामान्य सभा में पहल सी एल एफ की वार्षिक वित्तीय जानकारी, आय-व्यय, और वार्षिक बजट की जानकारी उपस्थित सभी दीदियों के समक्ष प्रस्तुत की गई। कार्यक्रम में स्व सहायता समूह की दीदियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया, जिसमें उन्होंने नशा मुक्ति, घरेलू हिंसा, हेलमेट का उपयोग, और स्वच्छ भारत मिशन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर संदेश दिया। नीतू झारिया दीदी ने अपनी पंडवानी गीत के माध्यम से लोगों को संदेश दिया। इस अवसर पर उत्कृष्ट ग्राम संगठन, उत्कृष्ट स्व सहायता समूह, बैंक सखी, बी सी सखी, सक्रिय सी आर पी, समूह सहायिका, ग्राम संगठन बुक कीपर, एरिया कॉर्डिनेटर, और पत्रकारों को सम्मानित किया गया।

संपादकीय

जंग का आर्थिक प्रहार

पश्चिम एशिया में ईरान से जुड़े युद्ध और बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव ने भारत समेत दुनियाभर के वित्तीय बाजारों को बुरी तरह झकझोर दिया है और अर्थव्यवस्था के लिए खतरे की घंटी बजा दी है। सोमवार को वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में आई तेजी के कारण भारतीय इक्विटी और मुद्रा बाजार में चौतरफा बिकवाली दिखी। इस संकट ने निवेशकों को करीब 12 लाख करोड़ रुपये का चूना लगा दिया। कुल मिलाकर भारत इस समय एक 'तिहरे प्रहार'- महंगा कच्चा तेल, गिरते रुपये और शेयर बाजार में गिरावट का सामना कर रहा है। वहीं, सोने-चांदी की कीमतों में भी लगातार उतार-चढ़ाव बना हुआ है।

पश्चिम एशिया में ईरान-इजराइल-अमेरिका युद्ध के कारण कच्चे तेल की सप्लाई बाधित होने का भारी डर पैदा हो गया है। भू-राजनीतिक अनिश्चितता के बीच विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक तेजी से अपना पैसा निकालकर सुरक्षित विकल्पों का रुख कर रहे हैं। इससे बाजार में बिकवाली की सुनामी सी आ गई है। भारत अपनी जरूरत का 89 प्रतिशत से ज्यादा कच्चा तेल आयात करता है। युद्ध शुरू होने के बाद से ब्रेंट क्रूड 50 प्रतिशत से अधिक उछलकर 117 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंच गया है। भारत के लिए सबसे बड़ी चिंता 'होर्मुज जलडमरूमध्य' है, जहां से हमारा रोजाना 26 लाख बैरल तेल गुजरता है। कतर के ऊर्जा मंत्री ने चेतावनी दी है कि अगर खाड़ी देशों के ऊर्जा निर्यात पर असर पड़ा, तो तेल की कीमतें 150 डॉलर प्रति बैरल तक जा सकती हैं। ऊर्जा की बढ़ती कीमतें व्यापक मुद्रास्फीति की आशंकाओं को बढ़ावा देती हैं, जिससे फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती की गति में देरी हो सकती है। तेल महंगा होने से भारतीय आयातकों की ओर से डॉलर की भारी मांग पैदा हुई है। रिजर्व बैंक के दखल के बावजूद भारी दबाव के चलते रुपया 92.33 प्रति डॉलर के नए रिकॉर्ड निचले स्तर पर लुढ़क गया। रुपये की इस कमजोरी से न सिर्फ हमारा आयात बिल बढ़ेगा, बल्कि चालू खाता घाटा भी बढ़ेगा। कच्चे तेल की कीमतें बढ़ने से लॉजिस्टिक्स, ट्रांसपोर्टेशन, विमानन और मैन्युफैक्चरिंग जैसे सेक्टर्स की लागत बढ़ना भी तय है। इसका सीधा असर महंगाई पर होगा, क्योंकि माल ढुलाई महंगी होने से आम जरूरत की चीजें महंगी हो जाएंगी।

हालांकि वित्त मंत्री ने लोकसभा में देश को भरोसा दिया है कि क्रूड ऑयल की कीमतें बढ़ने से तत्कालिक रूप से देश में महंगाई बढ़ने की आशंका नहीं है। राहत की बात यह है कि भारत इस बार पिछले संकटों की तुलना में काफी मजबूत स्थिति में है। सरकार के पास कच्चे तेल और पेट्रोलियम उत्पादों का 25 करोड़ (250 मिलियन) बैरल का बफर रिजर्व मौजूद है, जो सात से आठ हफ्ते की जरूरत पूरी कर सकता है। इसके अतिरिक्त, भारत ने अब 27 के मुकाबले करीब 40 देशों से तेल मंगाना शुरू कर दिया है। खाड़ी देशों के अलावा रूस, पश्चिम अफ्रीका, अमेरिका और मध्य एशियाई देशों से भी आपूर्ति हासिल हो रही है। हमारा 60 प्रतिशत तेल अब वैकल्पिक रास्तों से आ रहा है। फिलहाल भारत के मजबूत विदेशी मुद्रा भंडार और विविध ऊर्जा स्त्रोतों ने अर्थव्यवस्था को एक ढाल प्रदान की है। लेकिन, अगर मध्य-पूर्व का यह युद्ध लंबा खिंचता है, तो महंगाई, कॉरपोरेट आय और रुपये के मोर्चे पर भारतीय अर्थव्यवस्था की कड़ी परीक्षा होगी।

वैश्विक युद्धोन्माद के बीच विश्व शांति की पुकार

ललित गर्ग

लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तंभकार हैं

द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद विश्व ने एक ऐसी व्यवस्था बनाने की कोशिश की थी जिसमें शक्ति को नियमों और संस्थाओं के माध्यम से नियंत्रित किया जा सके। लगभग आठ दशकों तक यह वैश्विक व्यवस्था अनेक उतार-चढ़ावों के बावजूद किसी-न-किसी रूप में कायम रही। अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं, बहुपक्षीय समझौते, कूटनीतिक संवाद और साझा नियम-इन सबका उद्देश्य यही था कि दुनिया 'मत्स्य-न्याय' यानी शक्तिशाली द्वारा कमजोर को निगल जाने की प्रवृत्ति से बची रहे। इसी सोच के तहत युनाइटेट नेशनस्, वर्ल्ड ट्रेड ऑरगेनाइजेशन, वर्ल्ड हेल्थ ऑरगेनाइजेशन, यूनेस्को और अनेक अंतरराष्ट्रीय मंचों की स्थापना हुई। इन संस्थाओं ने विश्व राजनीति को पूरी तरह आदर्श नहीं बनाया, लेकिन उन्होंने कम-से-कम इतना अवश्य सुनिश्चित किया कि शक्ति के साथ नियम और नैतिकता का एक आवरण बना रहे। परंतु आज यह व्यवस्था अभूतपूर्व संकट के दौर से गुजर रही है।

विश्व राजनीति में एक नया रुझान तेजी से उभर रहा है जिसमें सहयोग, संवाद और बहुपक्षीयता की जगह एकपक्षीय कार्रवाई, सैन्य शक्ति और त्वरित लाभ की मानसिकता को प्राथमिकता दी जा रही है। विशेष रूप से डोनाल्ड ट्रम्प के नेतृत्व में अमेरिका की नीतियों ने इस प्रवृत्ति को और तेज कर दिया है। जो देश कभी वैश्विक नियम-आधारित व्यवस्था का प्रमुख निर्माता और संरक्षक था, वही अब अनेक अंतरराष्ट्रीय समझौतों और संस्थाओं से दूरी बनाता दिखाई देता है। ट्रंप के पहले कार्यकाल में ही यह संकेत मिल गया था जब अमेरिका ने पेरिस क्लाइमेंट अग्रीमेंटस्, इरान न्यूक्लियर डील्स, विश्व स्वास्थ्य संगठन और यूनेस्को जैसी संस्थाओं से खुद को अलग करने की प्रक्रिया शुरू की। इन कदमों का संदेश यह था कि यदि किसी समझौते से तात्कालिक राष्ट्रीय हित प्रभावित होते हैं तो उसे छोड़ देना ही बेहतर है। इससे वैश्विक सहयोग की उस भावना को गहरा आघात पहुंचा, जो दशकों से अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था की आधारशिला रही है।

आज स्थिति और भी जटिल हो गई है। दुनिया के कई हिस्सों में युद्ध और संघर्ष सामान्य घटनाओं की तरह स्वीकार किए जाने लगे हैं। चार वर्षों से जारी रुस-यूक्रेन युद्ध और दो वर्षों से चल रहा गाजा युद्ध इसका सबसे दुखद एवं विडम्बनापूर्ण उदाहरण हैं। इन संघर्षों ने लाखों लोगों के जीवन को संकट में डाल दिया है, शहरों को खंडहर में बदल दिया है और वैश्विक अर्थव्यवस्था को अस्थिर बना दिया है। युद्ध की सबसे बड़ी विडंबना यही है कि वह किसी स्थायी समाधान की ओर नहीं ले जाता। युद्ध में विजय का दावा करने वाले भी अंततः विनाश और पीड़ा के साथ ही जीते हैं। इतिहास गवाह है कि युद्ध ने कभी भी मानवता को गौरव नहीं दिया; उसने केवल तबाही, भय और अस्थिरता को जन्म दिया है। युद्ध के परिणामस्वरूप पर्यावरण का भारी नुकसान होता है, आर्थिक संसाधन नष्ट हो जाते हैं, महंगाई बढ़ती है, रोजगार के अवसर घटते हैं और समाज में असुरक्षा तथा अविश्वास की भावना गहरी हो जाती है।

आज विश्व के सामने सबसे बड़ी चिंता यह है कि युद्ध और हिंसा धीरे-धीरे सामान्यीकृत होते जा रहे हैं। अनेक बार युद्ध का उद्देश्य वास्तविक समाधान नहीं बल्कि घरेलू राजनीति में छवि निर्माण, शक्ति प्रदर्शन या आंतरिक संकटों से ध्यान हटाना बन जाता है। ऐसी परिस्थितियों में वैश्विक नैतिकता और अंतरराष्ट्रीय कानून दोनों कमजोर पड़ते हैं। यदि शक्तिशाली देश ही नियमों को तोड़ने लगें तो पूरी व्यवस्था की विश्वसनीयता खतरे में पड़ जाती है। मानवाधिकारों के प्रश्न पर भी दोहरे मानदंड दिखाई देते हैं। किसी एक देश की आलोचना की जाती है, लेकिन उसी तरह के कृत्यों पर दूसरे देशों के संदर्भ में चुप्पी साध ली जाती है। इससे मानवाधिकार एक सार्वभौमिक मूल्य के बजाय भू-राजनीतिक बहस का उपकरण बन जाते हैं। यदि विश्व समुदाय वास्तव में मानवता की रक्षा करना चाहता है तो उसे हर देश के लिए समान मानदंड अपनाने होंगे। इन परिस्थितियों में यह प्रश्न अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है कि क्या दुनिया फिर से उस दौर की ओर बढ़ रही है जहां जिसकी लाठी उसकी भैंस ही अंतरराष्ट्रीय राजनीति का नियम बन जाएगा। यदि ऐसा हुआ तो यह केवल छोटे देशों के लिए ही नहीं बल्कि पूरी मानव सभ्यता के लिए गंभीर खतरा होगा।

भारत का ऐतिहासिक दृष्टिकोण इस संदर्भ में अत्यंत महत्वपूर्ण है। स्वतंत्रता के बाद से भारत ने संप्रभुता, गैर-हस्तक्षेप और बहुपक्षीय सहयोग की नीति का समर्थन किया है। भारत का यह विश्वास रहा है कि वैश्विक समस्याओं का समाधान केवल सामूहिक प्रयासों से ही संभव है। यही कारण है कि भारत ने हमेशा शांति, संवाद और कूटनीति को प्राथमिकता दी है। आज जब विश्व व्यवस्था डगमगा रही है, तब भारत की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। भारत न केवल एक उभरती आर्थिक शक्ति है बल्कि एक ऐसी सभ्यता का प्रतिनिधि भी है जिसने सदियों से अहिंसा, सह-अस्तित्व और मानवता के मूल्यों को महत्व दिया है। महात्मा गांधी की अहिंसा की परंपरा और भारत की आध्यात्मिक विरासत आज भी विश्व को दिशा दे सकती है।

इसी संदर्भ में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से अपेक्षा की जाती है कि वे अपने बढ़ते वैश्विक प्रभाव का उपयोग विश्व शांति की दिशा में और अधिक सक्रिय रूप से करें। पिछले वर्षों में भारत ने कई अंतरराष्ट्रीय मंचों पर शांति, सहयोग और विकास की बात को प्रमुखता से उठाया है। अब समय आ गया है कि इस पहल को और व्यापक बनाया जाए। भारत को चाहिए कि वह वैश्विक स्तर पर युद्धविराम, संवाद और कूटनीतिक समाधान के लिए पहल करे। रूस और यूक्रेन के बीच संघर्ष हो या पश्चिम एशिया की त्रासदी-इन सबके समाधान के लिए संवाद की नई पहल आवश्यक है। भारत यदि मध्यस्थता और शांति प्रयासों में सक्रिय भूमिका निभाए तो वह विश्व राजनीति में एक संतुलनकारी शक्ति बन सकता है। इसके साथ ही परमाणु हथियारों और शस्त्रों की होड़ पर भी गंभीर चिंतन आवश्यक है। आज दुनिया में जिस गति से आधुनिक हथियारों का भंडार बढ़ रहा है, वह मानवता के लिए गंभीर खतरा है। किसी भी क्षण किसी राष्ट्र की नासमझी या राजनीतिक महत्वाकांक्षा पूरी दुनिया को विनाश के कगार पर ला सकती है। इसलिए निशस्त्रीकरण और हथियार नियंत्रण की दिशा में नए अंतरराष्ट्रीय प्रयासों की आवश्यकता है।

यदि विश्व समुदाय मिलकर युद्ध के स्थान पर संवाद और सहयोग को अपनाए तो न केवल वैश्विक स्थिरता कायम होगी बल्कि मानवता विकास और समृद्धि के नए मानक भी स्थापित कर सकेगी। यही आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है और यही भविष्य की सबसे बड़ी आशा भी। आज जब विश्व युद्ध, हिंसा और शक्ति-प्रतिस्पर्धा के तनाव से जूझ रहा है, तब दुनिया की निगाहें स्वाभाविक रूप से भारत की ओर उठती हैं। भारत वह धरती है जहाँ शांति, सह-अस्तित्व और अहिंसा केवल राजनीतिक नीतियाँ नहीं बल्कि जीवन-दर्शन के रूप में विकसित हुए हैं। इसी भूमि से वसुधैव कुटुम्बकम् का वह महान मंत्र निकला जिसने संपूर्ण मानवता को एक परिवार के रूप में देखने की दृष्टि दी। महात्मा गांधी ने इसी भारतीय परंपरा को आधुनिक युग में अहिंसा की शक्तिशाली राजनीतिक और नैतिक शक्ति के रूप में स्थापित किया और दुनिया को बताया कि संघर्षों का समाधान हिंसा से नहीं बल्कि सत्य, करुणा और संवाद से संभव है। भारत की आध्यात्मिक विरासत-जिसमें महावीर और गौतम बुद्ध जैसे महापुरुषों की शिक्षाएँ समाहित हैं, मानवता को यह संदेश देती है कि शांति ही स्थायी विकास और वैश्विक संतुलन का आधार है। आज की अस्थिर वैश्विक परिस्थितियों में भारत की यही अहिंसात्मक दृष्टि, उसकी आध्यात्मिक शक्ति और सर्वहित की भावना विश्व को एक नई दिशा दे सकती है तथा मानवता को संघर्ष की अंधी दौड़ से निकालकर सहयोग, सद्भाव और स्थायी शांति के मार्ग पर अग्रसर कर सकती है।

लोकतंत्र का उपहास उड़ाती रेवड़ी संस्कृति, अब लगाम जरूरी

विकास सारस्वत

अभी हाल में सुप्रीम कोर्ट ने सरकारों द्वारा चुनावी राजनीति के दृष्टिगत मुफ्त सुविधाएं बांटने वाली प्रवृत्ति की कड़ी आलोचना की। ऐसी राजनीति को देश के आर्थिक विकास में बाधक बताते हुए कोर्ट ने कहा कि समर्थ लोगों को भी मुफ्त सुविधाएं देना गलत है और ऐसी सुविधाएं बांटने की बजाय सरकारों को रोजगार पैदा करने पर ध्यान देना चाहिए। कोर्ट तमिलनाडु सरकार द्वारा दायर एक रिट याचिका पर सुनवाई कर रहा था, जिसमें विद्युत संशोधन नियम 2024 के उस नियम 23 को रद करने की मांग की गई थी, जो राज्य सरकार द्वारा गरीब-अमीर, सभी को मुफ्त बिजली आवंटन के उसके प्रस्ताव में बाधा बन रहा था। सुनवाई के दौरान करदाताओं के पैसे का मुफ्त सुविधाओं और कैश ट्रांसफर के लिए अंधाधुंध उपयोग करने पर भी कोर्ट ने गहरी चिंता व्यक्त की। उसने इस पर हैरानी जताई कि वित्तीय घाटे के बावजूद राज्य सरकारें मुफ्तखोरी को बढ़ावा दे रही हैं और इन योजनाओं के लाभार्थियों में संपन्न लोग भी शामिल हैं। चुनाव पूर्व इस वित्त वर्ष के लिए पेश तमिलनाडु के बजट में लगभग 99,000 करोड़ की राशि कैश ट्रांसफर, सब्सिडी और मुफ्त योजनाओं के लिए आवंटित की गई है। यह राशि समूचे बजट की एक तिहाई बनती है, जबकि विकास कार्यों में खर्च होने वाली राशि इस व्यय की आधी यानी करीब 47,000 करोड़ है। बजट राशि का ऐसा बेपरवाह आवंटन एक राजनीतिक प्रवृत्ति बन गया है और इसके दुष्परिणाम अनेक राज्यों में देखे जा सकते हैं। यह विडंबना ही है कि सुप्रीम कोर्ट की ओर से रेवड़ी संस्कृति पर चिंता जताए जाने के बीच ही अभिनेता से नेता बने विजय ने घोषणा की कि उनके दल टीवीके की सरकार बनने पर 60 साल की उम्र तक की महिलाओं को हर महीने 2,500 रुपये की आर्थिक सहायता, हर परिवार को साल में छह मुफ्त एलपीजी सिलेंडर, दिए जाएंगे।

उन्होंने अन्य लोकलुभावन घोषणाएं करते हुए युवतियों की शादी के समय आठ ग्राम सोना और एक रेशमी साड़ी देने का भी वादा किया। ऐसी योजनाओं ने कई राज्यों के राजकोष पर भारी दबाव बनाया है। पंजाब की स्थिति विशेषकर खराब है। यहां कुल राजस्व प्राप्ति का 18 प्रतिशत बिजली की सब्सिडी में ही व्यय हो रहा है। राज्य के बजट का 10 प्रतिशत से भी कम आवंटन विकास परियोजनाओं की मद में हो रहा है। बिजली सब्सिडी के अलावा अन्य लाभार्थी योजनाओं के चलते पंजाब का वित्तीय प्रबंधन इतना खराब हो चला है कि ऋण से राज्य सकल घरेलू उत्पाद यानि डेट टू एसजीडीपी रेशियो 45 से 46 प्रतिशत के करीब आ पहुंचा है। जबकि राजकोषीय उत्तरदायित्व और बजट प्रबंधन यानी एफआरबीएम समिति इसे 20 प्रतिशत पर रखने का सुझाव देती है। इसके बाद भी पंजाब सरकार ने महिलाओं को हर माह 1,000 रुपये देने की घोषणा की है। वर्ष 2025-26 के अंत तक कर्नाटक पर कुल देनदारियां 7.64 लाख करोड़ तक पहुंच गई थीं, जो सकल राज्य घरेलू उत्पाद का 27 प्रतिशत है। कर्नाटक का डेट टू एसजीडीपी रेशियो अभी ठीक है, पर यह 10 वर्ष पूर्व की स्थिति से काफी खराब है। प्रधानमंत्री मोदी ने इस प्रवृत्ति को रेवड़ी संस्कृति बताते हुए इसकी आलोचना की थी, पर दुखद यह है कि भाजपा शासित मध्य प्रदेश और राजस्थान में भी वित्त प्रबंधन बुरी तरह गड़बड़ाया हुआ है। मध्य प्रदेश के 2026-27 के 4.38 लाख करोड़ रुपये के बजट में लगभग 80,000 करोड़ रुपये राशि का आवंटन कैश ट्रांसफर, सब्सिडी और कल्याणकारी योजनाओं के लिए किया गया है। यह राशि लाड़ली बहना, लाड़ली लक्ष्मी, किसान कल्याण, तीर्थ यात्रा, साइकिल एवं दुग्ध वितरण और बिजली सब्सिडी जैसे प्रयोजनों पर खर्च की गई है।

रेवड़ी संस्कृति के चलते पंजाब, बंगाल, आंध्र और राजस्थान ऐसे राज्य बन गए हैं, जहां ढांचागत विकास कार्यों पर पूंजीगत व्यय कुल बजट के 10 प्रतिशत से भी कम हो गया है। इस परिपाटी का दुखद पहलू यह है कि सामाजिक कल्याण और मुफ्तखोरी में भेद खत्म हो गया है। पार्टियां स्कूटी, टीवी, मिक्सर ग्राइंडर और सोना तक बांटने की घोषणा करती हैं। मुफ्तखोरी पर खर्च प्रत्येक रुपया शिक्षा, स्वास्थ्य एवं ढांचागत विकास जैसे आवश्यक निवेश की कीमत पर हो रहा है, जिनसे गरीबी उन्मूलन और रोजगार सृजन का दीर्घकालिक समाधान संभव है। ऐसा नहीं है कि पार्टियां यह सब समझती नहीं। उन्हें पता है कि उत्पादकता में अपेक्षित वृद्धि के बिना मुफ्तखोरी पर भारी खर्च मुद्रा का अवमूल्यन भी करेगा, फिर भी राजनीतिक हित राष्ट्र हित पर भारी पड़ रहे हैं। रेवड़ी आवंटन विकास कार्यों में तो बाधा बन ही रहा है, यह ऐसी राजनीतिक संस्कृति को भी जन्म दे रहा है, जहां नागरिकों का ध्यान सरकारों के शासकीय दायित्व से हटकर व्यक्तिगत लोभ और लालच पर अटका दिया गया है। जन अपेक्षा सरकारों की कार्यकुशलता और पारदर्शिता की बजाय इस ओर मुड़ रही है कि अगले चुनाव में कौन पार्टी कितनी लुभावनी योजनाएं घोषित करेगी। चुनावों में छिपकर नोट, शराब और साड़ी वितरण जैसे प्रयत्नों से परे रेवड़ी संस्कृति ने राजनीतिक भ्रष्टाचार को ऐसा संस्थागत रूप दे दिया है, जहां मतदाता को एलानिया घूस दी जा रही है।

मूल संसाधन एकत्रित करने से लेकर शिक्षा और विवाह जैसे गृहस्थ दायित्वों का भार अपने ऊपर ले रही सरकारें शासन को ऐसी धारा में ले जा रही हैं, जहां व्यक्तिगत पुरुषार्थ का महत्व क्षीण हो रहा है। इसका सीधा असर उत्पादकता पर भी पड़ रहा है। दक्षिण के कई राज्यों में हो रहे प्रवासन का बड़ा कारण ऐसी कल्याणकारी योजनाओं के चलते स्थानीय श्रम शक्ति की बढ़ती अनुपलब्धता है। कुछ शोध यह दर्शा रहे हैं कि ऐसी योजनाएं अवैध बांग्लादेशी आप्रवासन को भी बढ़ावा दे रही हैं। नीति निर्धारण, विधायिका के हाथ में होने के कारण न्यायालय भी टिप्पणी के अतिरिक्त ज्यादा कुछ नहीं कर सकते। वहीं नेताओं में मुफ्त सुविधाएं देने की होड़ लगी हुई है। रेवड़ी संस्कृति का विरोध करने वाले प्रधानमंत्री मोदी ने भी अब इस रुझान से समझौता कर लिया है। ऐसे में प्रबुद्ध जनों को ही राजनीति के इस बिगड़ते स्वरूप पर लोगों को जागरूक करना होगा।

(लेखक इंडिक अकादमी के सदस्य एवं वरिष्ठ स्तंभकार हैं)

नाबालिग को कार देना बना 'आ कार मुझे मार': पुणे पोर्शे कांड से सबक

दिनेश चन्द सागर
(एडवोकेट)

भूतपूर्व विशेष DGP, IPS (वीरता के पुलिस पदक एवं उसके प्रथम बार से सम्मानित)

प्रस्तावना- मुहावरे से हकीकत तक

हिंदी की प्रसिद्ध कहावत है-आ बैल मुझे मार। लेकिन आधुनिक भारत के उस संपन्न वर्ग में, जहाँ रसूख और रफ्तार का नशा विवेक पर हावी है, यह कहावत बदलकर आ कार मुझे मार हो गई है। पुणे पोर्शे कांड केवल एक सड़क दुर्घटना नहीं, बल्कि भारतीय समाज और न्याय व्यवस्था के लिए खतरे की घंटी है। माननीय न्यायालयों की कठोर टिप्पणियों और लंबी कानूनी प्रक्रिया ने स्पष्ट कर दिया है कि अब संपन्नता कोई सुरक्षा कवच नहीं रही।

1. कबीर का कालजयी दर्शन और फिक्सर पेरेंट्स आज के उन अभिभावकों के लिए, जो संस्कारों की जगह संसाधनों को प्राथमिकता देते हैं, महाकवि कबीर दास जी की पंक्तियाँ किसी कानूनी धारा से अधिक मारक हैं- पूत कपूत तो क्यों धन संचय, पूत सपूत तो क्यों धन संचय। कबीर का दर्शन स्पष्ट है-यदि संतान कुसंस्कारी (कपूत) है, तो संचित धन और उपलब्ध कराई गई पोर्शे उसके और परिवार के विनाश का औजार बनेगी। पुणे मामले में संसाधनों की प्रचुरता ही अंततः परिवार के पतन का कारण बनी। याद रहे, विरासत में दी गई स्पीड यदि संस्कारों के ब्रेक के बिना हो, तो दुर्घटना निश्चित है।

2. भारतीय न्याय संहिता- अब न्याय की तलवार पैनी है लंबे समय तक धनबल ने न्याय की गति को बाधित किया, लेकिन अब भारतीय न्याय संहिताने कानून के हाथों को अधिक शक्ति दी है- धारा 105 BNS (गैर इरादतन हत्या)- जब आपको यह ज्ञान हो कि शराब और 750 हॉर्सपावर की मशीन का घातक मिश्रण मृत्यु का कारण बनेगा, तो यह केवल लापरवाही नहीं, बल्कि जघन्य अपराध की श्रेणी में आता है।

धारा 61 BNS (आपराधिक षड्यंत्र)- साक्ष्यों से छेड़छाड़ और ब्लड सैम्पल बदलना अब अभिभावकों को केवल गवाह नहीं, बल्कि मुख्य षड्यंत्रकारी और सह-अभियुक्त बनाता है।

3. मोटर वाहन अधिनियम- अभिभावक अब प्राथमिक उत्तरदायी- कानून अब मूकदर्शक नहीं है। धारा 199 के तहत, नाबालिग के अपराध के लिए अभिभावक को 3 वर्ष तक का कारावास। वाहन का पंजीकरण स्थायी रूप से रद्द और भारी जुर्माना। अपराधी किशोर को 25 वर्ष की आयु तक ड्राइविंग लाइसेंस से वंचित करना।

4. डिजिटल फुटप्रिंट्स और पैरेंटिंग की पोल- आज के दौर में अज्ञानता का बहाना नहीं चल सकता।ऊरू ट्रांजेक्शन, PI पेमेंट और क्लबों के डिजिटल बिल यह साबित करने के लिए पर्याप्त हैं कि अभिभावक अपने बच्चों के बिगड़ते आचरण के फाइनेंसर हैं। यदि आप शराब के बिल भर रहे हैं, तो आप उस अपराध की पटकथा लिखने में बराबर के भागीदार हैं।

5. निष्कर्ष- प्रक्रिया ही अब दंड है- कानूनी राहत भले ही मिल जाए, लेकिन जो सामाजिक प्रतिष्ठा और मानसिक शांति एक बार चली गई, वह लौटकर नहीं आती। कबीर दास जी ने चेतावनी दी थी-बोया पेड़ बबूल का, आम कहाँ से खाय।

अंतिम अनुकरणीय शब्द- भारत के हर अभिभावक के लिए सबक सरल है- अपने बच्चों को स्टेयरिंग व्हील देने से पहले उनके चरित्र का व्हील अलाइनमेंट जरूर जांच लें। लाड़-प्यार जिम्मेदारी है, लेकिन बिना अनुशासन के वह धीमा जहर है। बच्चों को यह समझाना अनिवार्य है कि सड़क पर चल रही गाड़ी की हॉर्सपावर चाहे कितनी भी हो, कानून की ताकत उससे हमेशा बड़ी रहेगी। बच्चों को संस्कारों की संजीवनी दें, न कि अहंकार की बिछू-बूटी। याद रखें, धन से आप भ्रष्टाचार खरीद सकते हैं, लेकिन न्याय,सम्मान और मन की शांति नहीं।

साम्प्रदायिक सद्भाव का सन्देश देता पवित्र माह-ए-रमज़ान

निर्मल रानी

पूरे विश्व में इन दिनों मुसलमानों की इबादत का पवित्र महीना रमज़ान पूरी श्रद्धा व आस्था के साथ मनाया जा रहा है। इस बात से सभी भलीभांति परिचित हैं कि धार्मिक नियमों व रीति रिवाजों का अनुपालन करने वाले मुस्लिम समुदाय के लोग रमज़ान के पूरे महीने के दौरान दिन भर रोज़ा (व्रत) रखते हैं और सारा दिन खाना पानी कुछ भी ग्रहण नहीं करते। सूर्योदय से पूर्व सहरी खाकर सूर्यास्त के बाद इफ़्तारी कर रोज़दार लोग अपना रोज़ा खोलते हैं। इस दौरान मुस्लिम समाज के लोग मस्जिदों या अपने अपने घरों में इबादत भी करते हैं। भारत में प्रत्येक वर्ष रमज़ान के दौरान हिन्दू, मुस्लिम और सिख समुदायों के बीच एकता की कई हृदयस्पर्शी व प्रेरणादायक मिसालें देखने को मिलती हैं। ऐसी मिसालें निश्चित रूप से हमारे देश के भाईचारे, आपसी सहयोग और मुहब्बत का प्रतीक हैं। कहीं हिन्दू तो कहीं सिख रोज़ा इफ़्तार करते हैं। तो कहीं मंदिर में इफ़्तारी कर मुस्लिम भाइयों को कोई पंडित जी रोज़ा खुलवाते हैं। कहीं मुस्लिम लोग क़ुरआन की तरावीह (नमाज़ -इबादत) छोड़ कर पड़ोसी हिन्दू भाई के घर में लगी आग बुझाने पहुँच जाते हैं तो कहीं हिन्दू भाई बहन रोज़ा रखकर मुहब्बत का पैग़ाम देते हैं। जस्टिस मारकण्डे काटजू सहित देश के अनेक ग़ैर मुस्लिम बुद्धिजीवी रमज़ान के दौरान प्रतीकात्मक रूप से रोज़ा रखकर साम्प्रदायिक सद्भाव का सन्देश देते हैं।

उदाहरण के तौर पर राजस्थान के बाड़मेर और जैसलमेर जैसे सीमावर्ती ज़िलों में एक हिन्दू परिवार के सदस्य माह -ए - रमज़ान में पांच रोज़े रखते हैं। इसी तरह महाराष्ट्र के नांदेड़ ज़िले के एक गांव में 40-50 हिन्दू रोज़ा रखते हैं और नियमानुसार सहरी व इफ़्तार ग्रहण करते हैं। इन हिन्दू रोज़दारों का कहना है कि यह उनके परिवारों की सदियों पुरानी परंपरा है। इसी तरह राजस्थान के सीकर ज़िले के कांवट गांव में हिन्दू-सिख परिवार मस्जिद में 15 दिनों तक इफ़्तार की दावत दे कर श्रद्धा,सद्भाव व प्रेम का सन्देश देते हैं। राजस्थान के कांवट में सिख परिवार भी हिन्दुओं संग मिलकर रोज़दारों को भोजन कराते हैं। हिन्दू-मुस्लिम सौहार्द का वलंत उदाहरण चेन्नई के मायलापुर स्थित सूफ़ीदर मंदिर में देखने को मिलता है। यहाँ गत 40 वर्षों से रोज़ा रखने वालों के लिए इफ़्तार तैयार किया जाता है। यहाँ के पंडित और स्वयंसेवक मुस्लिम रोज़दार भाइयों को इफ़्तार कराकर उन्हें रोज़ा खुलवाते हैं। इसी तरह उत्तर प्रदेश के इटावा के अमर सिंह शाक्य जैसे हिन्दू 22 वर्षों से पूरे 30 रोज़े रखते आ रहे हैं । उधर उत्तर प्रदेश के रामपुर में ही इस बार मुस्लिमों ने रोज़ा रखते हुए अपने हिन्दू साथियों के साथ मिलकर होली भी मनाई। बेशक ऐसे आयोजन व गतिविधियां विभिन्न आस्थाओं के बीच आपसी विश्वास को बढ़ाती हैं।

पिछले दिनों उत्तर प्रदेश में बुलंदशहर के कोतवाली नगर क्षेत्र के मोहल्ला फ़ैसलाबाद में रात के समय एक हिन्दू व्यक्ति के घर में रखे गैस सिलेंडर से भीषण आग लग गयी। उस समय पास की एक मस्जिद में अनेक मुस्लिम भाई रोज़ा इफ़्तार के बाद तरावीह की नमाज़ अदा कर रहे थे। वे सभी पड़ोस से अचानक उठने वाले शोर शराबे से व्याकुल हुये। सभी मुस्लिम भाइयों ने नमाज़ तरावीह छोड़ दी और फ़ौरन एक साथ मौक़े पर पहुंचकर न केवल आग बुझाने में मदद की बल्कि मस्जिद से पानी का भी पूरा उपयोग कर आग बुझाने में सफलता हासिल की। इन सबकी की मदद से ही आग पर क़ाबू पा लिया गया और बड़ा हादसा टल गया। इस इंसानियत भरी मिसाल ने हिन्दू-मुस्लिम भाईचारे को और मज़बूत किया। जहाँ मुस्लिम भाइयों ने अपनी इस सेवा को ही सची इबादत बताया वहीँ हिन्दू पीड़ित परिवार ने भी यह कहा कि हम मुस्लिम भाइयों की इस इंसानियत को कभी नहीं भूलेंगे।

देश के विभिन्न भागों से रमज़ान के दौरान इस वर्ष साम्प्रदायिक सद्भाव की और भी अनेक ख़बरें सुनने व देखने को मिलीं। जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में सिख युवाओं ने लाल चौक पर रोज़दारों को शरबत व पानी पिलाया तथा खजूर आदि वितरित कर उनके लिये इफ़्तार का प्रबंध किया। इसी तरह पंजाब के जीजी इंस्टीट्यूट में हिन्दू, मुस्लिम, सिख भाइयों ने एक साथ मिलकर रोज़ा इफ़्तार किया इसके बाद सभी ने सामूहिक रूप से नमाज़ अदा कर देश में अमन शांति व भाईचारे की दुआ माँगी। इन दिनों दिल्ली की रहने वाली नेहा भारती सोशल मीडिया के माध्यम से काफ़ी लोकप्रिय हो रही हैं। वे पिछले 4 वर्षों से लगातार रमज़ान के पूरे महीने पुरानी दिल्ली की जामा मस्जिद के बाहर रोज़दारों के लिए इफ़्तार का इंतज़ाम कर रही हैं। वह हर दिन लगभग लगभग 300 से 350 रोज़दारों को इफ़्तार कराती हैं। नेहा भारती की श्रद्धा को इस बात से भी समझा जा सकता है कि वे इफ़्तार का सामान(पकवान) अपने घर पर अपने हाथों से ही तैयार करती हैं और शाम को उसे लेकर स्वयं जामा मस्जिद पहुंचती हैं और रोज़दारों में वही इफ़्तारी पूरी श्रद्धा व सद्भाव के साथ वितरित करती हैं। नेहा के साथ उनके परिवार के सदस्य और अनेक मित्र भी इन सब में उनकी सहायता करते हैं। पूरे रमज़ान के दौरान वह रोज़ाना इफ़्तारी में अलग अलग तरह के पकवान बनाती हैं ताकि रोज़ इफ़्तार करने वालों को अलग अलग तरह के पकवान मिल सकें । नेहा के अनुसार यह पवित्र काम उन्हें ख़ुशी व सुकून देता है और वह इसे लोगों के बीच भाईचारे और मोहब्बत का संदेश फैलाने का माध्यम मानती हैं। वह चाहती हैं कि अधिक से अधिक युवा ऐसे कामों से जुड़ें और समाज में सद्भाव का माहौल मज़बूत हो।

हालाँकि देशभर में विभिन्न राजनैतिक दलों के नेता व तमाम प्रमुख लोग साम्प्रदायिक सद्भाव का प्रदर्शन करने के लिये रमज़ान में सांकेतिक रोज़ा इफ़्तार पार्टी का आयोजन कर मीडिया में सुर्ख़ियां बटोर कर अपने दायित्व की इतिश्री समझते हैं। परन्तु हमारे देश में साम्प्रदायिक शक्तियों की सक्रियता के बावजूद देश भर में स्वभाविक रूप से एक दूसरे धर्मों का सम्मान करने उनके त्योहारों व रीति रिवाजों में शामिल होने का वह जज़्बा मौजूद है जिसे कोई भी दल,सत्ता,संगठन या विचारधारा कभी भी समाप्त नहीं कर सकते। यही सद्भावपूर्ण वातावरण यह प्रमाणित करने के लिये काफ़ी है कि यह देश राम-कृष्ण -रहीम - नानक - कबीर - व चिश्ती जैसे महान संतों व फ़क़ीरों का देश है और इसका स्वभाव हमेशा ऐसा ही रहेगा।

पॉलिटिकल प्रेशर और टैक्स ट्रबल... ब्रिटेन अमेरिका के अरबपति छोड़ रहे अपना देश

नई दिल्ली

दुनिया के सबसे अमीर लोग अपना देश छोड़कर दूसरे देशों में नया ठिकाना बना रहे हैं और पिछले कुछ वर्षों में तेजी आई है। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, इतिहास में पहले कभी इस रफ्तार से देश छोड़ने की प्रवत्ति नहीं देखी गई। कभी टैक्स में फायदा उठाने की तलाश में होने वाला पलायन अब डिफेंसिव हो गया है। अपनी संपत्ति बचाने, आने वाली पीढ़ियों की सुरक्षा और राजनीतिक अस्थिरता से बचने के लिए अमीर लोग गोल्डन वीसा और विदेशी नागरिकता का सहारा ले रहे हैं। इस बात का खुलासा एक सर्वे में हुआ है। स्विस बैंक यूबीएस ने 87 अरबपतियों को लेकर एक सर्वे किया है, जिसमें पता चला है कि 2025 में 36 प्रतिशत अरबपति एक बार तो अपनी जगह बदल चुके हैं, जबकि 9 प्रतिशत इसके बारे में विचार कर रहे हैं।

निवेश प्रवासन परामर्श ब्रटिश कंपनी हेनली एंड पार्टनर्स के पास आवेदनों में 28 फीसदी की वृद्धि हुई है। इसके मुताबिक, 2018 में जहां करीब 1.08 लाख अरबपतियों ने देश बदला था तो 2024 में यह आंकड़ा बढ़कर 1.34 लाख और 2025 में 1.42 लाख तक पहुंच गया। इस हिसाब से 2026 में ज्यादा अरबपतियों का देश छोड़ने का अनुमान है।

रिपोर्ट के मुताबिक, इन अरबपतियों के देश छोड़ने की सबसे बड़ी वजह टैक्स ट्रबल है। इटली में नए रेजीडेंट्स के लिए 2 लाख यूरो सालाना फ्लेट टैक्स स्कीम 15 साल तक विदेशी टैक्स को कैप करती है और ये अमीरों को आकर्षिक करती है।

पुर्तगाल ने पुराने गोल्डन वीसा और नई स्कीम के तहत 20 प्रतिशत टैक्स छूट और रिसर्च/इनोवेशन इंसेंटिव देकर धनी प्रवासियों को खींचा है। सिंगापुर ने भी इसी तरह की कई रियायतें घोषित की हैं। हेनले रिपोर्ट के मुताबिक, 2025 में इटली में 3,600, पुर्तगाल में 1,400 और ग्रीस में 1,200 नए अरबपतियों ने नया ठिकाना बनाया है। दूसरी तरफ ब्रिटेन लगातार नेट आउटफ्लो झेल रहा है, जहां हाई टैक्स और ब्रेग्जिट के बाद की अनिश्चितता से पैसे वाले परिवार विकल्प तलाश रहे हैं।

क्या चीन को लग गई थी ईरान के साथ युद्ध की भनक, एक साल से जमा कर रहा तेल का स्टॉक

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में लड़ाई शुरू होने से पूर्व वर्ष के पहले दो महीनों में चीन ने बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव से बचने की अपनी रणनीति के तहत तेल की खरीदारी बढ़ा दी थी। बीजिंग की ओर से मंगलवार को जारी सीमा शुल्क के आंकड़ों के अनुसार, दुनिया के सबसे बड़े तेल खरीदार चीन ने पिछले वर्ष के इसी समय की तुलना में इस वर्ष जनवरी-फरवरी में 15.8 प्रतिशत अधिक तेल आयात किया। बीजिंग पिछले एक वर्ष से अपना रणनीतिक स्टॉक जमा कर रहा है, जबकि घरेलू स्तर पर वहां तेल की खपत लगातार गिर रही है। अब वह सारा तेल काम आने की उम्मीद है। अमेरिका ने चीन के लिए तेल के दो सबसे सस्ते स्रोतों वेनेजुएला और ईरान को निशाना बनाया है। दोनों ही जगह नेतृत्व परिवर्तन से उन समझौतों पर सवाल खड़े हो गए हैं जो चीन ने इन दोनों देशों के साथ किए थे। चीन ने इस वर्ष रूसी तेल की अपनी खरीद में भी काफी बढ़ोतरी की है, क्योंकि भारत ने अमेरिका के साथ ट्रेड डील पर बातचीत के बीच अपनी खरीद कम कर ली थी।

चीन में 56 जातीय समूहों को पहचान देने के लिए नया कानून, बच्चों को सिखाया जाएगा कम्युनिस्ट पार्टी से प्यार

नई दिल्ली

चीन की शी चिनफिंग सरकार अब 56 जातीय समूहों को एक साझा राष्ट्रीय पहचान देने के लिए एक नया कानून पास करने की कगार पर है। यह कानून जातीय एकता और प्रगति को बढ़ावा देने वाला कानून के नाम से जाना जा रहा है। यह कानून चीन की संसद के वार्षिक सत्र में जल्द ही मंजूर हो सकता है। सरकार का दावा है कि यह कानून देश में लोगों के बीच एकता बढ़ाएगा और आधुनिकीकरण को गति देगा। लेकिन मानवाधिकार कार्यकर्ता और विशेषज्ञ इसे अल्पसंख्यक समुदायों की संस्कृति और अधिकारों पर बड़ा खतरा मान रहे हैं। उनका कहना है कि यह कानून पहले से चल रही हान चीनी संस्कृति में जबरन घोलने की नीति को कानूनी रूप देगा। इस कानून में मंदारिन (चीन की भाषा) को और ज्यादा महत्व दिया जाएगा। अन्य जातीय भाषाओं की स्थिति कमजोर होगी और स्कूलों में मुख्य विषयों की पढ़ाई मंदारिन में ही होगी। इसके साथ साथ अलग-अलग जातीय समूहों के बीच शादी को प्रोत्साहन दिया जाएगा। किसी भी जातीय या धार्मिक आधार पर ऐसी शादियों को रोकने की कोशिश को गलत माना जाएगा और उस पर रोक लगेगी। माता-पिता पर जिम्मेदारी होगी कि वे अपने बच्चों को चीनी कम्युनिस्ट पार्टी से प्यार करना सिखाएं। बच्चों को पार्टी के प्रति वफादारी और राष्ट्र की एकता का भाव विकसित करना होगा।

इस कानून में कोई भी व्यक्ति, संगठन या गतिविधि जो जातीय समूहों के बीच संघर्ष, नफरत बढ़ाए या अलगाव की मांग करे, उसे पूरी तरह प्रतिबंधित किया जाएगा। ऐसा कोई भी कदम जातीय एकता को नुकसान पहुंचाने वाला माना जाएगा।

यह कानून शी चिनफिंग की सिनिसाइजेशन नीति को और मजबूत करेगा। सिनिसाइजेशन का मतलब है कि धर्म और सांस्कृतिक परंपराओं को भी चीनी संस्कृति और कम्युनिस्ट पार्टी के मूल्यों के अनुरूप ढाला जाए।

चीन में 56 आधिकारिक जातीय समूह हैं, जिनमें हान सबसे बड़ा है। उइगर, तिब्बती, मंगोल जैसे अल्पसंख्यक समूहों की आबादी लाखों में है। सरकार का सबसे ज्यादा ध्यान शिनजियांग और तिब्बत जैसे क्षेत्रों पर है। शिनजियांग में उइगर और अन्य तुर्किक मुस्लिम समुदाय रहते हैं। तिब्बत में चीन के शासन के खिलाफ लंबे समय से विरोध होता रहा है। 2008 में ल्हासा में भिक्षुओं ने बड़े विरोध किए थे। चीन के अनुसार 22 लोग मारे गए, जबकि निर्वासित तिब्बती संगठनों का दावा है कि करीब 200 मौतें हुईं।

2009 में उरुमची में उइगर और हान के बीच हिंसक झड़पें हुईं, जिसमें लगभग 200 लोग मारे गए। 2013 में तियानआनमेन स्क्वायर पर कार बम हमला और 2014 में युन्नान रेलवे स्टेशन पर हमला भी उइगर अलगाववादियों से जुड़ा बताया गया।

सरकार इन हिंसक घटनाओं के कारण सख्त कदम जरूरी बताती है। लेकिन संयुक्त राष्ट्र और मानवाधिकार संगठन आरोप लगाते हैं कि शिनजियांग में 10 लाख से ज्यादा उइगर मुस्लिमों को हिरासत शिविरों में रखा गया। चीन इन्हें पुनर्शिक्षा और व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र कहता है। रिपोर्ट्स में कहा गया है कि उइगरों की धार्मिक गतिविधियां रोकी गईं, कई मस्जिदें बंद की गईं। तिब्बत में मठों पर सख्त नियंत्रण है।

सनातन परंपराओं का अपमान कर रही भाजपा : अखिलेश

लखनऊ (वार्ता)

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर सनातन परंपराओं को अपमान करने का आरोप लगाया है। श्री यादव ने बुधवार को उत्तरप्रदेश सरकार की तरफ से लखनऊ में ज्योतिर्मठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के कार्यक्रम की अनुमति को लेकर लगायी गयी शर्त के मुद्दे पर प्रदेश सरकार पर निशाना साधा और कहा कि किसी कार्यक्रम पर अनावश्यक शर्तें और प्रतिबंध लगाना कमजोर सत्ता की पहचान है। यदि भाजपा सनातन परंपराओं का सम्मान नहीं कर सकती तो कम से कम उसका अपमान भी न करे।

उन्होंने बुधवार को सोशल मीडिया के जरिये आरोप लगाया कि प्रदेश की सरकार एक विशेष समाज के सम्मान को ठेस पहुंचा रही है। इस समाज के लोग भाजपा सरकार में मंत्री, सांसद, विधायक या अन्य जनप्रतिनिधि के रूप में शामिल हैं, लेकिन इस मुद्दे पर वे अपने ही समाज के सामने जवाब देने से बच रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे जनप्रतिनिधि अपने स्वार्थ के लिए भाजपा के साथ बने हुए हैं और अपने समाज में सम्मान खो चुके हैं। सपा प्रमुख ने कहा कि जनता अगले चुनाव में ऐसे नेताओं को सबक सिखाएगी। उन्होंने यह भी दावा किया कि कुछ जनप्रतिनिधि, जो वास्तव में अपने समाज के हितैषी हैं, वे उन दलों के संपर्क में हैं जो सनातन परंपराओं और समाज का सम्मान करते रहे हैं। उन्होंने कोविड-19 को लेकर भी सरकार पर सवाल उठाते हुए कहा कि यदि महामारी अभी भी प्रभावी है तो सरकार बताए कि आखिरी बार किस सरकारी बैठक या भाजपा के आयोजन में इसका पालन किया गया। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि भाजपा नेताओं की बैठकों में क्या ये नियम लागू होते हैं या नहीं। सपा अध्यक्ष ने कहा कि इस तरह की बंदिशें निंदनीय और आपत्तिजनक हैं तथा यह सरकार की गलत सोच को दर्शाती हैं।

अमेरिका-दक्षिण कोरिया अभ्यास के बीच किम जोंग उन ने क्रूज मिसाइल परीक्षण का किया निरीक्षण

प्योंगयांग, (वार्ता)। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने देश के नए युद्धपोत से किए गए क्रूज मिसाइल परीक्षण का निरीक्षण किया। यह परीक्षण ऐसे समय में हुआ है जब अमेरिका और दक्षिण कोरिया से 11 दिन का संयुक्त सैन्य अभ्यास फ्रीडम शील्ड शुरू किया है। उत्तर कोरिया इस सैन्य अभ्यास का कड़ा विरोध कर रहा है। सरकारी मीडिया के अनुसार, मिसाइलों का प्रक्षेपण नए 5,000 टन वर्ग के चोए ह्योन विध्वंसक युद्धपोत से नाम्पो तट के पास किया गया, जहां जहाज के प्रदर्शन परीक्षण चल रहे हैं। मिसाइलें करीब 2 घंटे 50 मिनट तक तय मार्ग पर उड़ती रहीं।

ईंधन की कमी के कारण गंभीर मानवीय संकट से गुजर रहा है क्यूबा : संयुक्त राष्ट्र

न्यूयॉर्क, (वार्ता)

क्यूबा में ईंधन की कमी ने एक मानवीय संकट पैदा कर दिया है, जिससे इस द्वीपीय देश की स्वास्थ्य प्रणाली एक नाजुक मोड़ पर पहुंच गई है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस के मुख्य प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने कहा, हम ईंधन आयात करने में असमर्थता के कारण बिगड़ती स्थिति को लेकर गहराई से चिंतित हैं। इसने ऊर्जा संकट को जन्म दे दिया है। उन्होंने एक ब्रीफिंग के दौरान कहा कि संयुक्त राष्ट्र बिना किसी बाधा के क्यूबा तक सहायता पहुंचाने के लिए अमेरिका सहित सदस्य देशों के साथ बातचीत कर रहा है। संयुक्त राष्ट्र के मानवीय मामलों के समन्वय कार्यालय (ओसीएचए) ने कहा कि अस्पतालों को बार-बार बिजली कटौती, आवश्यक दवाओं की कमी और महत्वपूर्ण उपकरणों को चलाने में असमर्थता का सामना करना पड़ रहा है। इसके अलावा कैंसर उपचार, डायलिसिस, आपातकालीन सेवाओं, शिशु और मातृ देखभाल, कोल्ड-चेन सिस्टम के साथ-साथ पुरानी और गैर-जरूरी स्वास्थ्य सेवाओं में भारी व्यवधान आ रहा है।

कार्यालय ने बताया कि लगभग 16,000 कैंसर रोगियों को रेडियोथेरेपी की आवश्यकता है और कीमोथेरेपी पर निर्भर 12,000 से अधिक लोगों को बिजली कटौती और संसाधनों की कमी के कारण आवश्यक उपचार नहीं मिल पा रहा है। एम्बुलेंस को ईंधन पाने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है, जिससे आपातकालीन देखभाल में देरी हो रही है। ओसीएचए के अनुसार, लगभग दस लाख लोग टैंकर ट्रकों द्वारा पहुंचाए जाने वाले पानी पर निर्भर हैं, जिनके लिए ईंधन की आवश्यकता होती है। पानी पंप करने वाले 80 प्रतिशत से अधिक बुनियादी ढांचे बिजली पर निर्भर हैं, जिसके परिणामस्वरूप बड़े पैमाने पर और लंबे समय तक सेवा बाधित हो रही है। कार्यालय ने कहा, उत्पादन से लेकर भंडारण और वितरण तक खाद्य आपूर्ति श्रृंखलाएं तेजी से प्रभावित हो रही हैं। कोल्ड-चेन सिस्टम विफल हो रहे हैं, परिवहन बाधित हो रहे हैं और देश भर में बुनियादी खाद्य पदार्थों की उपलब्धता में कमी आ रही है। अमेरिकी प्रशासन ने पिछले महीने घोषणा की थी कि वह क्यूबा में कुछ तेल की अनुमति दे रहा है, लेकिन इसे केवल निजी क्षेत्र को बेचा जा सकता है, सरकार को नहीं। अमेरिका ने वेनेजुएला से क्यूबा जाने वाले तेल पर प्रतिबंध लगा दिया था।

पश्चिम एशिया में युद्ध के कारण ढाई हजार करोड़ से अधिक का कालीन समुद्री रास्ते में फंसा

भदोही, (वार्ता)। ट्रम्प टैरिफ के बाद पश्चिम एशिया जारी युद्ध का व्यापक असर कालीन कारोबार पर देखा जा रहा है। जंग के कारण हार्मुज स्टेट बाधित होने से माल वाहक समुद्री जहाज जहां-तहां फंसे होने के कारण लगभग ढाई हजार करोड़ का कालीन रास्ते में फंसा हुआ है। कालीन निर्यात संवर्धन परिषद (सीईपीसी) के उपाध्यक्ष असलम महबूब ने बुधवार को यहां बताया कि अमेरिकी टैरिफ से उबरने के बाद कालीन उद्योग ने थोड़ी राहत की श्वास लिया ही था, कि खाड़ी में उथल-पुथल शुरू हो गया। अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच खाड़ी देशों में इन दिनों बारूदी बवंडर उठा हुआ है, जिससे हार्मुज स्टेट से माल वाहक पोतों की आवाजाही लगभग पूरी तरह से ठप हो गई है। युद्ध के कारण कालीनों के कंटेनर भरे जहाज रास्ते में जगह-जगह फंसे हुए हैं। खाड़ी में मचे घमासान के कारण वैश्विक बाजार में व्यवसायिक अनिश्चितता जैसी स्थिति उत्पन्न होने के कारण वैसे भी निर्यात आर्डर लगभग शून्य जैसे स्टेज में पहुंच गया है। वहीं हार्मुज स्टेट से जहाजों का आवागमन अवरूद्ध होने ढाई हजार करोड़ से अधिक का कालीन रास्ते में फंसा हुआ है। उन्होंने बताया कि अक्टूबर 2025 में कारपेट सिटी भदोही के कालीन मेगा मार्ट में संपन्न हुए कालीन एक्सपो में मिले निर्यात आर्डर की भरपाई में कालीन कारोबारी युद्ध स्तर पर जुटे थे। इसी बीच हार्मुज स्टेट का व्यवसाईक रूट बाधित होने से विदेशी बाजार में भेजा गया कालीन जगह-जगह डंप हो गया है।

जापानः प्रधानमंत्री ताकाइची की युद्ध नीतियों के खिलाफ टोक्यो में भारी प्रदर्शन

टोक्यो, (वार्ता)

जापान की प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची की सरकार की सैन्य विस्तार की नीतियों के विरोध में मंगलवार रात टोक्यो में हजारों लोगों ने जोरदार प्रदर्शन किया।

इन हजारों प्रदर्शनकारियों ने नेशनल डाइट (जापान की संसद) के बाहर जमा होकर मिसाइलों की तैनाती और घातक हथियारों के निर्यात में ढील देने के सरकारी फैसलों की कड़ी निंदा की। कड़ाके की ठंड के बावजूद, प्रदर्शनकारियों ने युद्ध को ना और संविधान कुचलना बंद करो जैसे नारों वाली तख्तियां थाम रखी थीं। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने सामूहिक रूप से जापानी संविधान के अनुच्छेद नौ को पढ़कर सुनाया, जो देश के शांतिवादी सिद्धांतों और युद्ध के त्याग की पुष्टि करता है। आयोजकों के अनुसार, रैली में लगभग 8,000 लोग व्यक्तिगत रूप से शामिल हुए, जबकि 1,000 से अधिक लोग ऑनलाइन माध्यम से जुड़े।

जापानी कम्युनिस्ट पार्टी के नीति प्रमुख ताकु यामाज़ोए ने कहा कि जापान, अमेरिका की वर्चस्ववादी नीतियों के साथ मिलकर सैन्य विस्तार को बढ़ावा दे रहा है, जो क्षेत्रीय शांति और स्थिरता के लक्ष्य के विपरीत है। प्रदर्शनकारियों ने कुमामोटो प्रान्त में लंबी दूरी के मिसाइल लॉन्चरों की तैनाती पर गंभीर चिंता जताई। युवा प्रदर्शनकारी अया यासुई ने इसे बेहद खतरनाक स्थिति करार दिया।

गौरतलब है कि ताकाइची सरकार ने हाल ही में %रक्षा उपकरण और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के तीन सिद्धांतों% के परिचालन दिशानिर्देशों में संशोधन कर हथियारों के निर्यात पर प्रतिबंधों को कम कर दिया है।

प्रदर्शनकारियों का तर्क है कि जापान को युद्ध की तैयारी पर आधारित कूटनीति के बजाय बातचीत के माध्यम से मुद्दों को सुलझाने की दिशा में काम करना चाहिए। रैली में युवाओं की बड़ी भागीदारी देखी गई, जो संविधान संशोधन और देश के सैन्यीकरण की ओर बढ़ते कदमों को लेकर आशंकित हैं।

ईरान की बैंकों पर हमले की चेतावनी, गूगल और माइक्रोसॉफ्ट भी निशाने पर

तेहरान ,(वार्ता)

ईरान ने एक बड़ी चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि वह क्षेत्र में स्थित अमेरिका और इजरायल से जुड़े आर्थिक केंद्रों, बैंकों और गूगल एवं माइक्रोसॉफ्ट जैसी अमेरिकी कंपनियों को भी निशाना बना सकता है। यह बयान कथित तौर पर एक ईरानी बैंक पर हुए हमले की प्रतिक्रिया में आया है। ईरान में रिवोल्यूशनरी गार्ड्स से संबद्ध %खतम अल-अंबिया% मुख्यालय के प्रवक्ता ने स्पष्ट किया कि एक ईरानी बैंक पर हुए हमले के बाद अब दुश्मन के वित्तीय संस्थान उनके निशाने पर हैं। ईरान ने क्षेत्र के नागरिकों को सलाह दी है कि वे सुरक्षा के लिहाज से इन बैंकों के एक किलोमीटर के दायरे से दूर रहें।इसके साथ ही, ईरान ने उन दिग्गज अमेरिकी तकनीकी कंपनियों की सूची जारी की है जिनकी तकनीक का उपयोग सैन्य उद्देश्यों के लिए किया जा रहा है। इनमें गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, एनवीडिया, आईबीएम और ओरेकल जैसी कंपनियां शामिल हैं। ईरानी मीडिया के अनुसार, इन कंपनियों के इजरायल और कुछ खाड़ी देशों में स्थित कार्यालय और क्लाउड-आधारित बुनियादी ढांचे अब ईरान के वैध सैन्य लक्ष्य हैं। ईरान का कहना है कि जैसे-जैसे युद्ध का दायरा बढ़ रहा है, वह अपने हमलों का विस्तार आर्थिक और तकनीकी संपत्तियों तक करने के लिए मजबूर है।

फिल्म/टीवी मनोरंजन

आमिर खान प्रोडक्शंस ने रिलीज किया 'एक दिन' का ट्रेलर

आमिर खान प्रोडक्शंस ने फिल्म एक दिन का ट्रेलर रिलीज कर दिया है, जिसमें साई पल्लवी और जुनैद खान लीड रोल में नजर आ रहे हैं। ट्रेलर की शुरुआत बहुत ही सुकून भरी और दिल को छू लेने वाली दुनिया से होती है, जो दर्शकों को एक जादुई और क्लासिक प्रेम कहानी की झलक देती है। ट्रेलर में जुनैद खान एक फॉर्च्यून बेल (किस्मत की घंटी) के बारे में बताते दिख रहे हैं, जिसे बजाने पर सचे प्यार की मुराद पूरी होती है। जब वह यह बात कह रहे होते हैं, तब वह साई पल्लवी के किरदार मीरा की तरफ देखते हैं और मन ही मन दुआ करते हैं कि काश वो उनकी हो जाए। वह कहते हैं कि वह चाहते हैं कि उनकी यह ख्वाहिश पूरी हो, भले ही सिर्फ एक दिन के लिए। ट्रेलर में जुनैद और साई पल्लवी के बीच की प्यारी केमिस्ट्री देखने को मिलती है, जो एक इमोशनल और दिल को छू लेने वाली लव स्टोरी का इशारा दे रही है।दोनों किरदारों के बीच का अंतर साफ नजर आता है। जुनैद एक प्यारे और थोड़े झिझकने वाले लड़के के रूप में दिख रहे हैं, जो अपने रोल में मासूमियत और सादगी लेकर आए हैं, वहीं साई पल्लवी कॉन्फिडेंट और शांत नजर आ रही हैं। यह कॉन्ट्रास्ट उनकी केमिस्ट्री को और भी दिलचस्प और ऐसा बनाता है जिससे लोग खुद को जोड़ सकें, जिससे उनकी कहानी देखने में और भी मजेदार लगती है।साई पल्लवी ने इस ट्रेलर में भी अपनी एक जबरदस्त छाप छोड़ी है, और क्योंकि यह उनकी पहली हिंदी फिल्म है, तो यह देखना वाकई दिलचस्प होगा कि हिंदी दर्शक उन्हें कितना पसंद करते हैं।एक दिन के जरिए आमिर खान और फिल्ममेकर मंसूर खान एक लंबे अंतराल के बाद फिर से साथ आ रहे हैं, जो हिंदी सिनेमा की सबसे पसंदीदा जोड़ियों में से एक है। इस जोड़ी ने दर्शकों को कयामत से कयामत तक, जो जीता वही सिकंदर, अकेले हम अकेले तुम और जाने तू... या जाने ना जैसी यादगार फिल्में दी हैं। एक दिन के साथ यह जोड़ी एक बार फिर रोमांस जॉनर में वापसी कर रही है, जिसने फैंस के बीच एक नया उत्साह भर दिया है। आमिर खान प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी फिल्म एक दिन में साई पल्लवी और जुनैद खान मुख्य भूमिकाओं में हैं। इस फिल्म का निर्देशन सुनील पांडे ने किया है और इसके प्रोड्यूसर्स आमिर खान, मंसूर खान और अपर्णा पुरोहित हैं। यह फिल्म 01 मई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है।

प्रियंवदा कांत ने शो 'घरवाली पेड़वाली' में कई स्टंट खुद किये

प्रियंवदा कांत ने एण्डटीवी के सुपरनैचुरल हॉरर कॉमेडी शो 'घरवाली पेड़वाली' में कई स्टंट खुद किये। अभिनेत्री प्रियंवदा कांत एण्डटीवी के सुपरनैचुरल हॉरर कॉमेडी शो 'घरवाली पेड़वाली' में लतिका का किरदार निभा रही हैं। हाल ही में आने वाले एक रोमांचक ट्रैक की शूटिंग के दौरान उन्होंने अपने अभिनय की सीमाओं को और आगे बढ़ाया। इस दौरान, उन्होंने कई स्टंट खुद किए, जिनमें एक मुश्किल सीन ऐसा भी था, जिसमें उन्हें लंबे समय तक हार्नेस के सहारे उल्टा लटकना पड़ा। जो शुरुआत में थोड़ा डरावना लग रहा था, वही अनुभव बाद में उनके लिए रोमांचक और आत्मविश्वास बढ़ाने वाला बन गया। अपने अनुभव को साझा करते हुए प्रियंवदा कांत ने कहा, शो में मैं कई स्टंट कर चुकी हूँ। लगभग हर हफ्ते कोई न कोई नया स्टंट करना होता है। कुछ तो इतने अनोखे और चुनौतीपूर्ण होते हैं कि उन्हें करना आसान नहीं होता। ऐसा ही एक स्टंट था, जिसमें मुझे चमगादड़ की तरह उल्टा लटकना था। यह बहुत मुश्किल था, क्योंकि काफी देर तक उल्टा लटकने से सारा खून सिर की तरफ दौड़ जाता है और उसी दौरान आपको अपने डायलॉग भी बोलने होते हैं। जब पहली बार इस सीन के बारे में सुना, तो मैं उत्साहित भी थी और थोड़ी घबराई हुई भी, क्योंकि यह ऐसा अनुभव नहीं है, जिसकी आदत तुरंत पड़ जाए। शुरुआती रिहर्सल में शरीर को संतुलन और दबाव के साथ तालमेल बिठाने में समय लगा, लेकिन मैंने ठान लिया था कि यह स्टंट मैं खुद ही करूँगी, क्योंकि इससे सीन ज्यादा वास्तविक लगता है। प्रियंवदा कांत ने कहा, मेरे किरदार लतिका के लिए मुझे बहुत लंबा विग पहनना पड़ता है। जब मैं उल्टा लटकती थी, तो वह बार-बार सिर को खींचता और बालों पर दबाव डालता था। स्क्रीन पर यह सीन मजेदार लगता है, लेकिन इसे करने में काफी मेहनत लगती है। हमारी सुरक्षा टीम और स्टंट टीम हमेशा साथ रहती है, जो हर उपकरण को दोबारा जाँचती है और हमें सही पोस्टर और साँस लेने की तकनीक भी बताती है। फिर भी कई बार ऐसे स्टंट काफी थकाने वाले और दर्दनाक हो सकते हैं। एक और मजेदार लेकिन मुश्किल स्टंट वह था, जब मुझे पंखे पर बैठना पड़ा। मैं सचमुच पंखे पर बैठी थी और वह लगातार घूम रहा था, जिससे मुझे काफी चक्कर आने लगे। देखने में यह सीन बहुत मजेदार लगता है, लेकिन उस घूमते हुए पंखे पर संतुलन बनाए रखना काफी मुश्किल था। ऐसे समय में मेरे सह-कलाकार हमेशा मेरा हौंसला बढ़ाते हैं।

प्रथाओं की ओढ़े चुनरीः बींदणी : श्रेया जैन ने बताया दुल्हन बनने का अनुभव,

श्रेया जैन ने सन नियो के शो प्रथाओं की ओढ़े चुनरी- बींदणी में दुल्हन बनने का अनुभव प्रशंसकों के साथ साझा किया है।

सन नियो के शो प्रथाओं की ओढ़े चुनरी- बींदणी में इन दिनों गर्व और वैष्णवी की शादी का ट्रैक चल रहा है। कहानी में जहां कई मोड़ और भावनात्मक पल हैं, वहीं वैष्णवी का किरदार निभा रहीं अभिनेत्री श्रेया जैन ने इस खास सीक्वेंस की शूटिंग और अपने ब्राइडल लुक का अनुभव साझा किया।श्रेया जैन ने दुल्हन के रूप में तैयार होने को लेकर कहा, लड़कियों को सजना-संवरना आम तौर पर बहुत पसंद होता है और जब बात ब्राइडल आउटफिट की हो तो उत्साह और भी बढ़ जाता है। एक कलाकार होने के नाते हमें कई तरह के कपड़े पहनने का मौका मिलता है। अभी हमारे शो 'प्रथाओं की ओढ़े चुनरी- बींदणी' में शादी का सीक्वेंस शूट हो रहा है। शो में जो ब्राइडल आउटफिट मैं पहन रही हूं वह बहुत खूबसूरत है और मुझे इसे स्क्रीन पर कैरी करना सच में बहुत अच्छा लगता है। श्रेया जैन ने भारी कपड़ों की चुनौतियों के बारे में कहा,कई बार ये कपड़े काफी भारी होते हैं और थोड़ी असहजता भी महसूस होती है, खासकर क्योंकि हमारी शूटिंग के घंटे लंबे होते हैं। टीवी शोज़ में शादी के सीक्वेंस कई दिनों तक चलते हैं। इस ट्रैक में मेरा किरदार वैष्णवी लगभग हर सीन में मौजूद है, इसलिए मुझे लंबे समय तक भारी कपड़े और ज्वेलरी पहनकर रहना पड़ता है। इससे थकान भी होती है। लेकिन जैसे ही मैं खुद को आईने में दुल्हन के रूप में देखती हूं, सारी थकान भूल जाती हूं और लगता है कि यह सब बिल्कुल सही है।

शो 'प्रथाओं की ओढ़े चुनरी- बींदणी शो हर दिन रात नौ बजे, सिर्फ सन नियो पर प्रसारित होता है।

पुत्र की शादी के लिए पैसों व जेवरात देने से मना करने पर की गई हत्या

नरसिंहपुर पुलिस की बड़ी सफलता, दोहरी हत्या का चंद घंटों में खुलासा

मृतिका का भाई निकला हत्यारा

नरसिंहपुर (स्वतंत्र मत)

09.03.2026 की सुबह एक बच्ची द्वारा एक शव पड़ा हुआ देखा गया, जिसकी सूचना तत्काल पुलिस को दी गई। सूचना प्राप्त होते ही पुलिस अधीक्षक, डॉ. ऋषिकेश मीना अन्य पुलिस अधिकारियों के साथ मौके पर पहुँचे। उनके साथ एफएसएल, फिंगर प्रिंट एवं डॉग स्क्वाड की टीम भी घटनास्थल पर पहुँची मौके पर पहुँचकर पुलिस द्वारा घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया गया तथा आवश्यक वैज्ञानिक साक्ष्य संकलन की कार्यवाही की गई। आवश्यक कार्यवाही उपरांत घटनास्थल को सुरक्षित रखते हुए संरक्षित किया गया। दोनों मृतकों के शवों एवं घटनास्थल का परीक्षण करने पर प्रथम दृष्टया यह पाया गया कि मृतक छुटई चौधरी एवं श्रीमती केरा बाई की हत्या लूट की नीयत से की गई है। घटनास्थल की परिस्थितियों एवं साक्ष्यों के आधार पर यह भी प्रतीत हुआ कि आरोपियों द्वारा दोनों की हत्या इसलिए की गई, क्योंकि मृतक संभवतः हत्यारों को पहचानते थे। क्रिकेट के फाइनल मैच के दौरान दिया घटना को अंजाम=* आरोपियों द्वारा घटना को अंजाम देने के लिए बड़ी चालाकी के साथ उस समय का चयन किया गया, जब क्षेत्र में क्रिकेट का फाइनल मैच चल रहा था। मैच के कारण अधिकांश लोग अपने घरों में या टीवी पर मैच देखने में व्यस्त थे, जिससे आसपास की गतिविधियों पर लोगों का ध्यान कम था। इसका फायदा उठाते हुए आरोपियों ने सुनसान समय का लाभ लेकर घटना को अंजाम दिया, ताकि किसी को उन पर संदेह न हो और वे आसानी से मौके से फरार हो सकें। अज्ञात आरोपियों की पहचान हेतु घटना स्थल की गहन जांच =* घटना को अंजाम देने वाले अज्ञात आरोपियों की पतासाजी हेतु घटना स्थल से वैज्ञानिक साक्ष्य संकलन हेतु एफएसएल, फिंगर प्रिंट विशेषज्ञ एवं डॉग स्क्वाड की टीम द्वारा सूक्ष्म निरीक्षण कर आवश्यक वैज्ञानिक साक्ष्य एकत्र किए गए।

जान-पहचान वाले एवं मुख्य संदेहियों की तैयार की गई सूची । अज्ञात आरोपियों की पतसाजी हेतु पुलिस अधीक्षक डॉ. ऋषिकेश् मीना द्वारा अति. पुलिस अधीक्षक, श्री संदीप भूरिया के मार्गदर्शन में एवं एसडीओपी, गाडरवारा श्री ललित डांगुर के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया एवं घटना के संबंध में मृतकों के परिजनों, पड़ोसियों एवं परिचित व्यक्तियों से विस्तृत पूछताछ करायी गई। पूछताछ के दौरान प्राप्त जानकारी के आधार पर मृतकों के जान-पहचान वाले व्यक्तियों तथा संभावित संदेहियों की सूची तैयार की गई। तैयार की गई सूची के आधार पर पुलिस टीम द्वारा संबंधित व्यक्तियों से पूछताछ कर उनकी गतिविधियों की जांच की गयी। अज्ञात आरोपियों की पतासाजी में पुलिस डॉग की रही मुख्य भूमिका =* अज्ञात हत्यारों की पतासाजी हेतु पुलिस द्वारा घटनास्थल एवं उसके आसपास के क्षेत्रों में पुलिस डॉग की सहायता से लगातार सघन सर्चिंग की गई। सर्चिंग के दौरान पुलिस डॉग बार-बार एक ही स्थान पर जाकर रुक रहा था, जिससे उस स्थान को संदेह के आधार पर चिन्हित कर पुलिस द्वारा बारीकी से जांच की गई।

खून से लथपथ अधजले कपड़ों से हुई आरोपी की पहचान- सर्चिंग के दौरान पुलिस डॉग जिस स्थान पर बार-बार रुक रहा था, वह स्थान हल्के चौधरी (मृतिका का भाई) के घर के पास पाया गया। संदेह के आधार पर पुलिस टीम द्वारा उसके घर एवं आसपास के क्षेत्र की तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान उसके आंगन में खून से लथपथ अधजले कपड़े पाए गए, जिन्हें विधिवत जप्त किया गया। उक्त परिस्थितियों के आधार पर हल्के चौधरी पर हत्या किए जाने का संदेह होने पर उसके संबंध में जानकारी एकत्र कर पूछताछ की गई। जांच में यह तथ्य सामने आया कि वह अपने अन्य साथियों के साथ जिला कटनी की ओर चला गया है। उक्त संदेहियों के कटनी की ओर जाने की सूचना मिलते ही थाना गोटेगांव पुलिस की टीम को उनकी तलाश एवं पतासाजी हेतु रवाना किया गया जिसके परिणामस्वरूप संदेही हल्के चौधरी, गुड्डू उर्फ कलिराम चौधरी तथा गुड्डू की पत्नी रीना को जिला कटनी के थाना स्लीमनाबाद पुलिस टीम की सहायता से अभिरक्षा में लिया गया। मृतिका का भाई निकला हत्यारा =* घटना के मुख्य आरोपी हल्के चौधरी को अभिरक्षा में लेने के उपरांत उससे गहनता से पूछताछ की गई। पूछताछ के दौरान आरोपी द्वारा अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर अपने जीजा छुटई चौधरी एवं बहन श्रीमती केरा बाई की हत्या करना स्वीकार किया गया। पूछताछ के दौरान आरोपी हल्के चौधरी द्वारा बताया गया कि मृतकों एवं उसके बीच पूर्व से पारिवारिक विवाद चल रहा था। आरोपी ने बताया कि उसके पुत्र की शादी होना थी, जिसके लिए उसने अपने जीजा छुटई चौधरी एवं बहन श्रीमती केरा बाई से जेवरात एवं पैसों की मांग की थी। मृतकों द्वारा पैसे एवं जेवरात देने से मना करने पर उनके बीच विवाद हो गया। इसी बात से आक्रोशित होकर आरोपी ने आवेश में आकर अपने साथियों के साथ मिलकर दोनों की धारदार हथियार से हत्या कर दी।

ये दीप ज्योति योग की हर समय जलती रहे ...

नरसिंहपुर (स्वतंत्र मत)

योग हमारी प्राचीन परंपरा और सनातन की मुख्य धारा रही है जो हमे निरोग रखती है।उक्ताशय के विचार आचार्य थम्मन शर्मा ने गायत्री योग समिति नरसिंहपुर के 20वें वार्षिक आयोजन पर व्यक्त किये।अतिथि सुनील कोठारी ने गायत्री योग समिति की सराहना करते हुए कहा कि यह आपके समर्पण श्रम सेवा और त्याग का प्रतिफल है। दो दशक से नियमित योगा क्लास का संचालन वास्तव में अदुभत कार्य है।ओजस्वी कवि अशोक त्रिपाठी ने कहा योग हमें स्वस्थ्य प्रसन्न और तरोताजा रखता है।योग के माध्यम से हम समाज सेवा जनसेवा और राष्ट्र भक्ति से जुड़ते हैं। प्रमोद जैन दादाभाई ने भी करो योग रहो निरोग का नारा बुलंद किया। योगाचार्य एन सी जैन ने बीस वर्ष से संचालित योग कक्षा के बारे में अपने अनुभव व्यक्त करते हुए व्यायाम आसन मुद्राएं ध्यान सहित योग की विभिन्न मुद्राओं के बारे में जानकारी दी। अतिथियों द्वारा गायत्री पूजन और दीप प्रज्वलन से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। उद्बोधन के इस क्रम में डा महेश त्रिपाठी ने अष्टांग योग गणेश कुमार चतुर्वेदी ने दैनिक दिनचर्या में योग बी एस पटेल ने प्राणायाम सी बी शर्मा ने प्रार्थना और ध्यान एस के चतुर्वेदी ने योगासनों के बारे में प्रकाश डाला।विदित हो कि गायत्री सभागृह नरसिंहपुर में प्रतिदिन सुबह 6.30 से 8बजे तक नियत योग कक्षा लगती है जिसमें नगर के अनेक गणमान्य जन योगा का लाभ ले रहे हैं। रोचक सरस संचालन के साथ ही कार्यक्रम के दूसरे दौर में कविवर अशोक त्रिपाठी ने ये दीप ज्योति योग की हर समय जलती रहे कविता का गरिमामय पाठ कर योग के महत्व को उभारा। गायत्री मंत्र और शांति पाठ से आयोजन पूर्ण हुआ। कार्यक्रम में डा केदार गुप्ता जे के पटेल बी एस पटेल राजेश जाट नरेश जाट राव वीरेंद्र जाट शरद साहू शिव प्रसाद साहू भोपत साहू मोती कश्यप गुरमुख माखीजा नीरज शर्मा एड सुधीर दुबे आर के पटवा राम कुमार जाट छत्रपाल कोरी महेश प्रजापति धनपत तिवारी सी बी शर्मा एस के चतुर्वेदी डा महेश त्रिपाठी गणेश कुमार चतुर्वेदी एन सी जैन प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

पीवीजीटी बाहुल्य ग्राम अगरिया में आयोजित हुआ आयुर्वेद चिकित्सा शिविर

नरसिंहपुर। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के निर्देशन में आयुष्मान आरोग्य मंदिर बचई द्वारा पीवीटीजी बाहुल्य गांव में निवासरत कोल जनजाति के लिए ग्राम अगरिया के वार्ड क्रमांक 12 में बुधवार को निःशुल्क आयुर्वेद चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में ग्रामीणों को स्वस्थ जीवन शैली अपनाने, नियमित दिनचर्या व ऋतुचर्या का पालन करने के लिए जागरुक किया गया। इस दौरान लोगों की निःशुल्क स्वास्थ्य जांच की गई, जिसमें हीमोग्लोबिन (एचबी), डायबिटीज तथा उच्च रक्तचाप की जांच की गई। साथ ही मरीजों को आयुर्वेदिक औषधियों का निःशुल्क वितरण किया गया।

नरवाई प्रबंधन में आत्मा परियोजना का नवाचार

सुपर सीडर से चना-गेहूं की बुवाई कर किसानों ने घटाई लागत और बढ़ाया उत्पादन

नरसिंहपुर। कृषक कल्याण वर्ष 2026 के अंतर्गत आत्मा परियोजना द्वारा रबी सीजन में नरवाई प्रबंधन को बढ़ावा देते हुए नवीन कृषि तकनीकों का सफल प्रयोग किया जा रहा है। विकासखंड नरसिंहपुर के ग्राम नयाखेड़ा के कृषक श्री महेश कुमार लोधी ने अपने खेत में चना की उन्नत किस्म जे.जी.- 26 तथा कृषक श्री महेश साहू ने गेहूं की डी.बी.डब्ल्यू.-303 की बुवाई कर अन्य किसानों को आधुनिक खेती के लिए प्रेरित किया। जिले में किसानों को गेहूं के 48, चना के 36 तथा धनिया के 48 पैकेट बीज उपलब्ध कराए गए थे, जिनका उपयोग कर कृषकों ने अपनी एक-एक एकड़ भूमि में नवीन पद्धति से खेती का नवाचार किया। इससे किसानों को बेहतर उत्पादन प्राप्त हो रहा है। कृषक श्री महेश कुमार लोधी ने बताया कि चना की फसल में उकठा रोग एवं अन्य कीटों का प्रकोप नहीं देखा गया, जिससे दवाइयों पर होने वाली लागत में कमी आई है। साथ ही चना की यह उन्नत किस्म मजदूरों की कमी की स्थिति में भी हार्वेस्टर से आसानी से कटाई योग्य है, जिससे समय और श्रम दोनों की बचत होती है। नरवाई प्रबंधन पद्धति के अंतर्गत खेतों में फसल अवशेषों को जलाने के बजाय मिट्टी में मिलाया जाता है। इससे खेत में जैविक तत्वों और सूक्ष्म जीवों की संख्या बढ़ती है तथा मिट्टी में नमी लंबे समय तक बनी रहती है। फसल अवशेष सड़कर जैविक खाद का कार्य करते हैं, जिससे किसानों को अतिरिक्त रासायनिक उर्वरकों की आवश्यकता कम पड़ती है और मिट्टी की उर्वरता भी बनी रहती है। कृषि विशेषज्ञों के अनुसार रोटावेटर या कल्टीवेटर की सहायता से नरवाई को मिट्टी में मिलाकर दबा दिया जाता है, जिससे यह धीरे-धीरे सड़कर जैविक खाद में परिवर्तित हो जाती है। वहीं हैप्पी सीडर या जीरो टिल ड्रिल मशीन से पिछली फसल के अवशेषों के बीच ही अगली फसल की बुवाई संभव है, जिससे खेत तैयार करने में लगने वाला समय और खर्च दोनों कम हो जाते हैं। वर्तमान में जिले में गेहूं सहित अन्य रबी फसलों की कटाई का कार्य प्रारंभ हो गया है और कई किसान कंबाइन हार्वेस्टर का उपयोग कर रहे हैं, जिसके कारण खेतों में फसल अवशेष रह जाते हैं। विगत वर्षों में इन अवशेषों को जलाने की घटनाएं सामने आई हैं, जिससे वायु प्रदूषण बढ़ने के साथ ही मिट्टी में मौजूद सूक्ष्म जीव और केंचुए नष्ट हो जाते हैं तथा भूमि की उर्वरता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। प्रशासन ने किसानों से अपील की है कि वे नरवाई न जलाएं और इसके वैज्ञानिक प्रबंधन को अपनाएं। इस अवसर पर किसानों को नरवाई प्रबंधन, उड़द की बुवाई तथा ई-विकास प्रणाली के संबंध में जानकारी प्रदान की गई।

जिला खनिज प्रतिष्ठान मंडल की बैठक 16 मार्च को

नरसिंहपुर। जिला खनिज प्रतिष्ठान मंडल नरसिंहपुर की बैठक आगामी सोमवार 16 मार्च को सायं 4 बजे कलेक्ट्रेट नरसिंह भवन के सभाकक्ष में आयोजित की जाएगी। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने बताया कि बैठक में जिला खनिज प्रतिष्ठान की वार्षिक कार्ययोजना 2025-26 का अनुमोदन किया जाएगा। उन्होंने सभी संबंधितों से उक्त बैठक में उपस्थिति होने के लिए कहा है।

कांग्रेस हमेशा किसानों के साथ : जीतू पटवारी

किसान महापंचायत में जमकर हुई भाजपा सरकार की आलोचना

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)

ग्राम सूखाखैरी में आयोजित किसान महापंचायत एवं कार्यकर्ता सम्मेलन में बड़ी संख्या में कांग्रेस के नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने पहुंचकर भाजपा सरकार की जमकर आलोचना की । सूखाखैरी में किसान मजदूर महापंचायत एवं कार्यकर्ता सम्मेलन का आग़ाज़ हुआ जिसमें प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी सहित कांग्रेस के दिग्गज नेताओं ने शिरकत की। किसान मजदूर महापंचायत एवं कार्यकर्ता सम्मेलन को प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष जीतू पटवारी ने संबोधित करते हुए भाजपा सरकार पर जमकर निशाना साधा। जीतू पटवारी ने कहा कि मुख्यमंत्री मोहन यादव की सरकार जिस तरह किसानों के साथ छल कर रही है, उससे किसान खून के आंसू रोने को मजबूर हैं। किसानों को उनकी फसल का वाजिब दाम नहीं मिल रहा है, जबकि कांग्रेस पार्टी हमेशा किसानों के साथ खड़ी है और उनके अधिकारों की लड़ाई लड़ती रहेगी। उन्होंने लोकतंत्र की स्थिति पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि एक चुने हुए विधायक को हटाकर हारे हुए विधायक को बनाना लोकतंत्र की हत्या है। इस मामले में वरिष्ठ कांग्रेस नेता विवेक तंखा ने न्यायालय से स्टे लिया है और कांग्रेस लोकतंत्र की हत्या नहीं होने देगी। पटवारी ने भाजपा के एक विधायक पर भी आरोप लगाते हुए कहा कि वे जुआ खिलाने जैसे कामों में लगे हैं। साथ ही नर्मदापुरम के सांसद पर सवाल उठाते हुए कहा कि जो खुद को किसान नेता बताते हैं, वे किसानों की समस्याओं को क्यों नहीं सुनते। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी किसानों के साथ खून की आखिरी बूंद तक खड़ी रहेगी । जिला कांग्रेस अध्यक्ष श्रीमती सुनीता पटेल ने प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी सहित कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं का स्वागत पूर्व विधायक संजय शर्मा को जन्मदिन की बधाई दी । कार्यक्रम का संचालन ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष सतीश सैनी , रूपेश राय, अवधेश रुसिया ने संयुक्त रूप से किया वही आभार प्रदर्शन पूर्व जिला पंचायत सदस्य प्रदीप पटेल ने किया । उस मौके पर चीचली ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष

गिरजा शंकर ब्लॉक अध्यक्ष लखन पटेल ब्लॉक अध्यक्ष सतीश सैनी सहित कांग्रेस मोर्चा संगठनों के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे ।

संजय शर्मा का जन्म दिवस हर्षोल्लास से मनाया

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)

कांग्रेस जनों ने कामती मार्ग पर राजोरिया जी के प्रतिष्ठान पर पूर्व विधायक संजय शर्मा का जन्म दिवस हर्षोल्लास के साथ बनाया । इस अवसर पर मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी विशेष रूप से उपस्थित रहे । कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी एवं पूर्व विधायक संजय शर्मा का अभूतपूर्व स्वागत किया इस मौके पर पूर्व विधायक दीनदयाल ढिमोले, पूर्व जिला पंचायत सदस्य गौतम पटेल विनोद राजोरिया , अजय गुप्ता, हरिओम चौधरी, अभिनव ढिमोले दिग्विजय सिंह सहित आने को कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मध्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी का किया स्वागत

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)

ग्राम सूखाखैरी में किसान महापंचायत में पधारे मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी का कामती स्थित जिनेश जैन के फार्म हाउस पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने आत्मीयता के साथ भव्य स्वागत किया गया। कांग्रेस के कार्यकर्ता जीतू पटवारी को बैंड बाजा के साथ जुलूस की शक्ल में फार्म हाउस लेकर पहुंचे वहा पर नगर पालिका नेता प्रतिपक्ष जिनेश जैन सहित अनेको कार्यकर्ताओं ने गर्म जोशी के साथ उनका स्वागत किया । प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं को उत्साह देखते हुए कहा कि संगठन में ही शक्ति है हमें संगठित रहकर कांग्रेस को मजबूती प्रदान करना है।

उनकी पुनीत यात्राः पावन स्मारिका का नैमिष तीर्थ में विमोचन

श्री स्वामी जी महाराज हीरापुर वालों की जीवन यात्रा का ग्रंथ

करेली (स्वतंत्र मत)

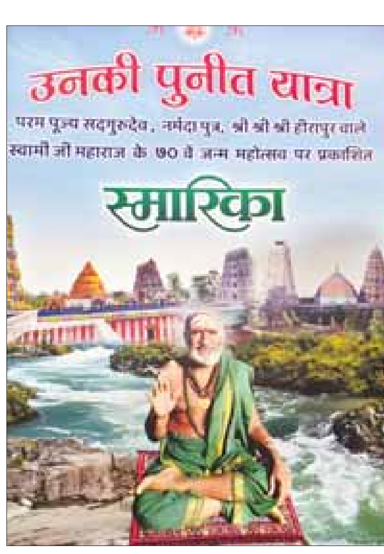

अष्टम बैकुंठ, ऋषिभूमि, अतिपुनीत क्षेत्र, नैमिषारण्य तीर्थ उप्र स्थित नूतन देवालय श्री राजराजेश्वरी मंदिर शक्तिपीठ, स्कंदाश्रम मैं 1008 दिवसीय क्षेत्र साधनारत श्री श्री मां पराम्बा राजराजेश्वरी, श्री श्री मां जगतानंदी नर्मदा के अनन्य साधक, तपोनिष्ठ संत प्रवर, महायोगी, वीतराग, श्रीमद परमहंस, परिव्राजकाचार्य, श्री श्री श्री अनंत श्री विभूषित, नर्मदापुत्र, परम् पूज्य सदगुरुदेव, श्री श्री श्री स्वामीजी महाराज हीरापुर वालों के 70वें जन्म महोत्सव की स्मृतियों को अक्षक्षुण रखने च्च्उनकी पुनीत यात्राज्ज स्मारिका का प्रकाशन किया गया है। श्री राजराजेश्वरी मंदिर शक्तिपीठ, स्कंदाश्रम मैं आयोजित द्वितीय वार्षिक महोत्सव, श्री शत चंडी महायज्ञ एवं श्रीमद् भागवत महापुराण कथा आयोजन के शुभ मांगलिक प्रसंग पर मंगलवार 10 मार्च को स्मारिका च्च्उनकी पुनीत यात्राज्ज का विमोचन परम पूज्य श्री सदगुरुदेव स्वामी जी महाराज सहित कथा व्यास परम् पूज्य सद्गुरु चरणानुरागी, गीता मनीषी, ब्रह्मचारी श्री निर्विकल्प स्वरूप जी महाराज, हनुमान टेकरी, परमहंसी गंगा आश्रम, श्रीधाम (झोंतेश्वर), अनंत श्री विभूषित, समलंकृत परिब्राजकाचार्य 1008 स्वामी श्री सर्वेश्वरानंद सरस्वती जी महाराज आध्यात्म विद्यापीठ नैमिषारण्य, भागवत भास्कर श्री शैलेंद्र जी शास्त्री व्यास गादी नैमिषारण्य, कथा प्रवक्ता, भागवत किंकर श्री कृष्णकांत जी शास्त्री श्रीधाम वृंदावन, श्री शिव कृष्ण जी शास्त्री हीरापुर के कर कमलों से भक्त परिवार की समुपस्थिति में किया गया।

70 बिंदुओं की च्च्मणि रत्न मालिका- स्मारिका में नाम के अनुरूप पूज्य गुरुदेव की पुनीत जीवन यात्रा वृतांत के रूप में उनकी आध्यात्मिक अनुभूतियां 70 बिंदुओं में प्रस्तुत की गई है, जो स्वयं श्री सदगुरुदेव जी के श्री मुख से प्रगट हुई हैं। यह 70 बिंदुओं की च्च्मणि रत्न मालिकाज्ज इस पत्रिका का हृदय है। भक्त एवं साधकगण इसे पढ़कर आध्यात्मिकता की ओर अपनी यात्रा में इसे मार्गदर्शक के रूप में रखकर लाभान्वित होंगे। मां नर्मदा जी से संबंधित अनुभूतियां इस मणि रत्न मालिका का सुमेरू हैं।

संत, महापुरुषों की मंगलकामना व भक्तानुभव- परम पूज्य सद्गुरुदेव से आत्मिक रूप से जुड़े संत, महापुरुषों के आशीर्वाद, मंगलकामना संदेश प्राप्त हुए हैं, जो पत्रिका में सम्मिलित हैं। भक्त समुदाय में समाज के अग्रणी जननायक भी हैं, उनके भी शुभकामना संदेश एवं गुरुदेव के प्रति उनकी भावनाओं को भी पत्रिका में सम्मिलित किया गया है। पूज्य गुरुदेव के अनुगत शिष्य-भक्त परिवार के 100 से अधिक गुरु भ्राताओं के भक्तानुभव इस पत्रिका में समाहित हैं, जिन्हें पढ़कर हम अपने गुरुदेव की भक्तों के प्रति वात्सल्यता, करुणा के पक्ष को जानकर आनंदित होंगे, कि गुरुदेव दिखते व्यष्टि में हैं, पर समिष्टि में व्याप्त हो, सबकी यथायोग्य कुशलक्षेम रखते हैं।

जीवन यात्रा के 70 छायाचित्र संकलित- पत्रिका में 70 बिंदुओं के साथ गुरुदेव के प्रारंभ से लेकर अभी तक के 70 छायाचित्र दिए गए हैं। विविध अनुष्ठानों एवं पावन आयोजनों के छायाचित्र भी उन आयोजनों की स्मृतियों को जागृत करेंगे। उक्त स्मारिका के माध्यम से परम पूज्य गुरुदेव की अति पुनीत जीवन यात्रा के बारे में सभी भक्तों को जानने का अवसर प्राप्त होगा।

करंट लगाकर चीतल का शिकार

वन विभाग ने दो आरोपियों को किया गिरफ्तार

तीन चीतल के शव बरामद, वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत कार्रवाई

कटनी (स्वतंत्र मत)। वन परिक्षेत्र बहोरीबंद के अंतर्गत ग्राम छपरा के राजस्व क्षेत्र में करंट लगाकर चीतल का शिकार करने के मामले में वन विभाग को सफलता मिली है। वन विभाग ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 24 घंटे के भीतर दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों ने पूछताछ में करंट फैलाकर तीन चीतलों का शिकार करना स्वीकार किया है। वन विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार विगत 8 मार्च को स्लीमनाबाद विद्युत विभाग के कर्मचारियों से सूचना प्राप्त हुई कि वन परिक्षेत्र बहोरीबंद के अंतर्गत ग्राम छपरा क्षेत्र में करंट के माध्यम से वन्य जीवों का शिकार किया गया है। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम ने मुखबिर तंत्र और सतना से बुलाए गए डॉग स्कवाड की मदद से जांच शुरू की। वन परिक्षेत्र अधिकारी बहोरीबंद देवेश गौतम के मार्गदर्शन में टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी राकेश बर्मन, पिता कैलाश बर्मन निवासी संसारपुर और अजय बर्मन उर्फ करिया, पिता धनीराम बर्मन निवासी छपरा को हिरासत में लिया। पूछताछ के दौरान दोनों आरोपियों ने विद्युत करंट फैलाकर चीतल का शिकार करना स्वीकार किया। वन विभाग द्वारा शिकार किए गए तीनों चीतलों के शव बरामद किए गए। शवों का पोस्टमार्टम वनमंडलाधिकारी कटनी, तहसीलदार स्लीमनाबाद, ग्राम छपरा के सरपंच तथा पशु चिकित्सा अधिकारी स्लीमनाबाद की उपस्थिति में कराया गया। इसके बाद स्लीमनाबाद डिपो में विधिवत शवदाह किया गया।

वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि वन्यजीवों के अवैध शिकार के मामलों में सख्ती से कार्रवाई की जा रही है और दोषियों के खिलाफ वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत आगे की कार्रवाई की जा रही है।

फ्लाईओवर प्रोजेक्ट फाइलों में अटका

बेलगाम यातायात और जलभराव की समस्या बनी गंभीर

कटनी (स्वतंत्र मत)। शहर के तीन प्रमुख रेलवे स्टेशनों-कटनी जंक्शन, कटनी साउथ और मुड़वारा-को जोड़ने के लिए प्रस्तावित 400 करोड़ रुपये की फ्लाईओवर परियोजना फिलहाल सरकारी फाइलों में ही अटकी हुई है। करीब दो महीने पहले योजना तैयार होने के बावजूद निर्माण कार्य शुरू नहीं हो सका है, जिससे शहरवासियों और यात्रियों में नाराजगी बढ़ रही है। कटनी पहले से ही बेलगाम यातायात और जलभराव की समस्या से जूझ रहा है। मानसून में कई अंडरपास जलमग्न हो जाते हैं, जिससे आवागमन बाधित होता है। एम्बुलेंस, स्कूल बस और अन्य आवश्यक सेवाएं घंटों जाम में फंस जाती हैं। तीनों रेलवे स्टेशनों के बीच सीधा मार्ग न होने के कारण यात्रियों को संकरी सड़कों और भारी ट्रैफिक से गुजरना पड़ता है, जिससे समय और सुविधा दोनों प्रभावित हो रहे हैं। सेतु निगम के एसडीओ प्रमोद गोटिया ने बताया कि गायत्री नगर और मंगलनगर पुलिया क्षेत्र का सर्वे पूरा कर लिया गया है और तीन प्रस्ताव तैयार किए गए हैं। फिलहाल ज्योमेट्रिक डिजाइन की मंजूरी मुख्यालय में लंबित है। इसके बाद ही डीपीआर तैयार होगी और बजट स्वीकृति मिलने के साथ टेंडर प्रक्रिया शुरू की जा सकेगी। स्थानीय निवासी और व्यवसायी इस देरी से काफी परेशान हैं। उनका कहना है कि शहर का यातायात पहले ही जाम में फंसा रहता है, और जलभराव की समस्या से रोजमर्रा की जिंदगी प्रभावित हो रही है। शहरवासियों का कहना है कि तुरंत कार्यवाही न हुई तो प्रशासन के प्रति विश्वास कमजोर होगा।

जिले के 52 हजार से अधिक किसानों ने गेहूं उपार्जन हेतु कराया पंजीयन

23 मार्च से जिले में शुरू होगी गेहूँ की खरीदी

कटनी (स्वतंत्र मत)।

रबी विपणन वर्ष 2026-27 में समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन के लिए किसान पंजीयन की प्रक्रिया समाप्त हो चुकी है। 7 फरवरी से शुरू हुये पंजीयन प्रक्रिया में कटनी जिले के 52 हजार 951 किसानों ने अपना पंजीयन कराया है। कलेक्टर आशीष तिवारी के निर्देश पर जिले में समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन के लिए 55 पंजीयन केंद्र बनाए गए थे। समर्थन मूल्य पर गेहूँ उपार्जन हेतु तहसील बहोरीबंद में 10 हजार 826, ढीमरखेड़ा में 9 हजार 748 और विजयराघवगढ़ में 6 हजार 780 किसानों ने पंजीयन कराया है। इसी प्रकार तहसील रीठी में 5 हजार 411, बड़वारा में 5 हजार 43 और बरही में 4 हजार 87 किसानों ने पंजीयन कराया है। इसके अलावा तहसील कटनी नगर में 2 हजार 951 व कटनी में 2 हजार 778 किसनों ने अपना पंजीयन कराया है। कटनी जिले में समर्थन मूल्य पर 23 मार्च से गेहूँ की खरीदी शुरू होगी। इस वर्ष 2 हजार 625 रूपये प्रति क्विंटल की दर पर किसानों से गेहूँ का उपार्जन किया जाएगा। केन्द्र सरकार द्वारा गेहूँ का न्यूनतम समर्थन मूल्य एमएसपी 2 हजार 585 रूपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है, जो गत वर्ष से 160 रूपये अधिक है। वहीं म.प्र. सरकार द्वारा 40 रूपये प्रति क्विंटल बोनस दिया जाएगा। किसान द्वारा समर्थन मूल्य पर विक्रय उपज का भुगतान प्राथमिकता के आधार पर किसान के आधार लिंक बैंक खाते में किया जाएगा। किसान के आधार लिंक बैंक खाते में भुगतान करने में किसी कारण से समस्या उत्पन्न होने पर किसान द्वारा पंजीयन में उपलब्ध कराये गए बैंक खाते में भुगतान किया जा सकेगा।

हादसे के बाद बहाल हुआ रेलवे ट्रैक

परीक्षण के तौर पर पहले निकली मालगाड़ी, फिर आधी रात दौड़ी अमरकंटक एक्सप्रेस

कटनी (स्वतंत्र मत)।

कटनी बिलासपुर रेलखंड पर शनिवार की सुबह मालगाड़ी के पांच डिब्बे पटरी से उतरने की घटना के 38 घंटे बाद रविवार-सोमवार की देर रात एनकेजे से कटनी साउथ स्टेशन के बीच रेलवे ट्रैक को बहाल किया जा सका। रात करीब 12 बजे परीक्षण के तौर पर सबसे पहले एक मालगाड़ी को ट्रैक से गुजारा गया। इसके बाद आधी रात 12:30 बजे अमरकंटक एक्सप्रेस को रवाना किया गया, हालाकि लंबे समय तक ट्रैक बंद रहने के कारण देर रात तक कटनी साउथ रेलवे स्टेशन पर यात्री परेशान होते रहे और कई ट्रेनों के समय में भी भारी असर पड़ा। रेल सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार 7 मार्च की सुबह करीब 10:30 बजे कटनी स्टेशन के पास बाबाघाट क्षेत्र में बिलासपुर से बीना की ओर जा रही कोयला लोड मालगाड़ी हादसे का शिकार हो गई थी। दुर्घटना में मालगाड़ी की पांच बोगियां पटरी से उतर गई थीं और उनमें भरा कोयला ट्रैक पर बिखर गया था। हादसे की वजह से करीब 100 मीटर ट्रैक पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया था, जिससे एनकेजे से मुड़वारा और एनकेजे से कटनी साउथ स्टेशन के बीच रेल यातायात पूरी तरह ठप हो गया था। एनकेजे से मुड़वारा ट्रैक को रविवार सुबह ही बहाल कर दिया गया था, लेकिन कटनी साउथ की ओर जाने वाला ट्रैक देर रात तक बंद रहा। इसके चलते कई ट्रेनों को डायवर्ट करना पड़ा और कुछ ट्रेनों को बीच रास्ते रोका भी गया।

मरम्मत में लगा लंबा समय रेलवे अधिकारियों के अनुसार दुर्घटना में ट्रैक के कई स्लीपर और पटरियां टूट गई थी। जिन्हें बदलने और ट्रैक को सुरक्षित बनाने में काफी समय लगा। तकनीकी टीमों ने लगातार काम कर ट्रैक को दोबारा व्यवस्थित किया। सुरक्षा मानकों की जांच के बाद ही ट्रेनों का संचालन शुरू किया, ताकि आगे किसी का खतरा न रहे। कटनी जंक्शन जबलपुर रेल मंडल का प्रमुख रेलवे जंक्शन है, जहां से देश के कई महत्वपूर्ण मार्ग गुजरते हैं। इसके बावजूद पिछले एक वर्ष में इस रूट पर यह चौथा रेल हादसा सामने आया हैं। हर बार जांच की घोषणा तो होती है, लेकिन हादसों की असली वजह और रोकथाम के ठोस उपाय सामने नहीं आ पाते। स्थानीय लोगों और यात्रियों का कहना है कि यदि ट्रैक और सिग्नल व्यवस्था की नियमित जांच और हादसों से बचा जा सकता है।

बरही में कृषि विज्ञान मेला सह प्रदर्शनी का आयोजन 14 को

कटनी (स्वतंत्र मत)। विकासखण्ड बड़वारा अंतर्गत नगर परिषद बरही के मेला ग्राउंड में शनिवार 14 मार्च को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन के यादव के मुख्य आतिथ्य में कृषि विज्ञान मेला सह प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा। इस संबंध में कलेक्टर आशीष तिवारी ने किसान कल्याण तथा कृषि विकास, कृषि विज्ञान केन्द्र, पशुपालन एवं डेयरी विकास विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, उद्यानिकी विभाग, मत्स्य विभाग, सहकारिता, सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित, अजीविका मिशन कृषि अभियांत्रिकी, सांधी दुग्ध संघ, इफको, मानव जीवन विकास समिति एवं कृषक उत्पादक संघों को इस कार्यक्रम में विभागीय गतिविधियो के प्रदर्शन हेतु स्टॉल लगाने के निर्देश दिये हैं।

अब ई-चेक पोस्ट से हो रही निगरानी

गड़बड़ी पर मोबाइल पर भेजा जाएगा ई-चालान, अवैध खनिज परिवहन रोकने नई व्यवस्था

कटनी (स्वतंत्र मत)। जिले में अवैध खनिज परिवहन पर रोक लगाने के लिए सरकार ने तकनीक आधारित नई व्यवस्था लागू करने की तैयारी की है। प्रदेश में 40 ई-चेक पोस्ट स्थापित किए गए हैं, इनमें कटनी भी शामिल है। फिलहाल वाहनों की आवाजाही पर निगरानी रखी जा रही है। इन ई-चेक पोस्ट के माध्यम से खनिज परिवहन में गड़बड़ी पाए जाने पर जल्द ही ऑनलाइन ई-चालान जारी किए जाएंगे। ई-चालान से संबंधित नियम बनाकर शासन को स्वीकृति के लिए भेजे गए हैं। जैसे ही नियम लागू होंगे, ई-चेक पोस्ट पर दर्ज अनियमितताओं के आधार पर संबंधित वाहन मालिक को सीधे मोबाइल पर ई-चालान भेजा जाएगा।

आधुनिक कैमरे पहचानेंगे वाहनों में लदा खनिज - ई-चेक पोस्ट पर अत्याधुनिक तकनीक से लैस कैमरे लगाए गए हैं, जो वाहनों में लोड खनिज की पहचान करने में सक्षम होंगे। यह भी पता लगाया जा सकेगा कि वाहन में कौन सा खनिज परिवहन किया जा रहा है। इसके लिए विशेष सार्फ्टवेयर तैयार किया गया है, जिसे आधुनिक कैमरों से जोड़ा गया है। इस तकनीक की मदद से खनिज परिवहन की पूरी प्रक्रिया पर नजर रखी जाएगी और अवैध गतिविधियों को चिन्हित किया जा सकेगा। अवैध परिवहन को रोकने के लिए स्थापित इन ई-चेक पोस्ट पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित तकनीक का उपयोग किया जा रहा है।

15-25 वर्ष की नियुक्ति के बाद परीक्षा लेना नीतिगत सिद्धांतों की खिलाफत

कटनी (स्वतंत्र मत)।

देशकाल और समय के साथ नियम, कायदे और कानून बनते हैं तथा उन्हीं नियमों के आधार पर देश और उसकी व्यवस्थाएँ संचालित होती हैं। यदि वर्ष 2009 में आरटीई के अंतर्गत नियम बनाए गए, तो यह प्रश्न स्वाभाविक है कि वे नियम वर्ष 1998 से 2009 के बीच नियुक्त शिक्षकों पर कैसे लागू किए जा सकते हैं। उस समय शिक्षकों की नियुक्ति शासन द्वारा निर्धारित सेवा शर्तों और नियमों के आधार पर ही की गई थी। जब उस समय ये नियम अस्तित्व में ही नहीं थे, तो बाद में बने नियमों को पूर्व नियुक्त शिक्षकों पर लागू करना नीतिगत सिद्धांतों की स्पष्ट अवहेलना है। उक्त विचार आज़ाद अध्यापक संघ के प्रांतीय संयोजक एवं कर्मचारी कल्याण कोष के प्रांतीय प्रवक्ता रमाशंकर राजू तिवारी ने व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि यदि 2009 के नियमों के अनुसार पूर्व नियुक्त शिक्षकों की सेवा शर्तें संविधानसम्मत नहीं मानी जाती हैं, तो इसके लिए उस समय की शासन व्यवस्था और नियम बनाने वाली संस्थाएँ जिम्मेदार होंगी, न कि वे शिक्षक जिनकी नियुक्ति शासन के ही दिशा-निर्देशों के अनुसार हुई थी। उन्होंने आगे कहा कि जब टेट परीक्षा वर्ष 2011 में आयोजित की गई, तो उससे पहले नियुक्त शिक्षकों को इस दायरे में लाना तर्कसंगत नहीं है। सरकार जो नियम बनाती हैए उसी के अनुरूप देश की व्यवस्था चलती है। उसके लिए शिक्षक, कर्मचारी या अन्य कोई वर्ग दोषी नहीं ठहराया जा सकता।

आजादी के बाद सरकारों ने हमेशा रोजगार देने की बात कही है, न कि वर्षों से कार्यरत लोगों का रोजगार छीनने की। क्या यह उचित माना जा सकता है कि कोई व्यक्ति 15-20 वर्ष पूर्व यूपीएससी जैसी कठिन परीक्षा पास कर अधिकारी बना हो और इतने वर्षों बाद उससे पुनः वही परीक्षा देने को कहा जाए या फिर 20 वर्षों से सेवाएँ दे रहे किसी चिकित्सक से कहा जाए कि वह अपनी योग्यता सिद्ध करने के लिए दोबारा एनईईटी परीक्षा पास करे निश्चित ही यह तर्क संगत नहीं ठहराया जा सकता। इसी प्रकार, जब टेट परीक्षा वर्ष 2011 में प्रारंभ हुई, तो उससे पहले नियुक्त शिक्षकों को इस दायरे में लाना न्यायोचित नहीं है। इतने वर्षों से सेवा दे रहे शिक्षकों की योग्यता पर प्रश्नचिन्ह लगाना न केवल शिक्षक समुदाय का अपमान है, बल्कि उन लाखों विद्यार्थियों के शिक्षण पर भी संदेह करना है जिन्हें इन शिक्षकों ने वर्षों तक शिक्षित किया है। साथ ही, शिक्षकों द्वारा निर्वाचन जैसे राष्ट्रीय दायित्वों सहित अनेक सामाजिक और प्रशासनिक कार्यों के सफल निर्वहन पर भी यह अप्रत्यक्ष प्रश्न उठाता है।

शिक्षक संवर्ग मुख्यमंत्री से अपेक्षा करता है कि इस विषय में उच्चतम न्यायालय में रिपिटीशन पुनर्विचार याचिका दायर कर मध्यप्रदेश के शिक्षकों की चिंता को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया जाए, जैसा कि देश के अन्य राज्यों ने भी किया है। शिक्षा का वातावरण भयमुक्त होना चाहिए, क्योंकि भयमुक्त वातावरण में ही श्रेष्ठ शिक्षा का विकास संभव है। और श्रेष्ठ शिक्षा ही सशक्त एवं महान राष्ट्र निर्माण की सबसे महत्वपूर्ण धुरी है।

रेडक्रॉस सोसायटी कटनी की प्रबंधकारिणी की बैठक संपन्न

उत्कृष्ट सेवाओं के लिए डॉ. यशवंत वर्मा और पवन बजाज सम्मानित

कटनी (स्वतंत्र मत)।

कलेक्टर आशीष तिवारी की अध्यक्षता में भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी जिला शाखा कटनी की प्रबंध कार्यकारिणी समिति की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में स्टेट चेयरमैन सेवानिवृत्त भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी डॉ. श्याम सिंह कुमरे उपस्थित रहे। बैठक को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि डॉ. कुमरे ने रेडक्रॉस सोसायटी के जनहितैषी उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि रेडक्रॉस का मूल मंत्र पीड़ित मानवता की निस्वार्थ सेवा है। डॉ. कुमरे ने कटनी जिला शाखा द्वारा संचालित गतिविधियों की सराहना करते हुए इसे सेवा कार्यों में सदैव तत्पर रहने वाली इकाई बताया। बैठक के दौरान उत्कृष्ट सेवाओं और योगदान के लिए पूर्व सचिव एवं सिविल सर्जन जिला चिकित्सालय डॉ. यशवंत वर्मा एवं पूर्व राज्य कार्यकारिणी प्रतिनिधि पवन बजाज को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि ने उनके कार्यों को अन्य सदस्यों के लिए प्रेरणादायी बताया। बैठक में चेयरमैन सुशील शर्मा ने प्रबंधकारिणी समिति के आगामी निर्वाचन को लेकर विस्तार से चर्चा की। कार्यक्रम के अंत में सचिव अभिनंदन शर्मा ने सभी उपस्थित अतिथियों और सदस्यों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर उप सभापति पं. लालजी शर्मा, कोषाध्यक्ष रमेश खण्डेलवाल, सदस्य एमजेएस लांबा, गोविंद सचदेवा, सारंग बजाज, अग्रज लहरिया, रामानुज सोनी, प्रियता सिंह ठाकुर उपस्थित रहें।

नगर निगम में शासकीय योजनाओं और विकास कार्यों की समीक्षा

जल गंगा संवर्धन अभियान, सार्वजनिक प्याऊ संचालन और अवैध कॉलोनियों पर सख्त कार्रवाई

कटनी (स्वतंत्रमत)। नगर के विकास एवं जन सुविधाओं को सशक्त बनाने के लिए तपस्या परिहार ने निगम के शासकीय योजनाओं और विकास कार्यों की समय-सीमा बैठक में समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को जल गंगा संवर्धन अभियान की तैयारियां तेज करने, नगर के सार्वजनिक प्याऊ शीघ्र संचालित करने और अवैध कॉलोनियों पर ठोस कार्रवाई करने के निर्देश दिए। बैठक में जल निकायों की सफाई, कुओं का जीर्णोद्धार, रिचार्ज वाटर पिट निर्माण और अवैध अतिक्रमण हटाने के निर्देश भी शामिल थे। अवैध कॉलोनियों पर सख्त कार्रवाई, स्ट्रीट वेंडर योजना में धीमी प्रगति पर नाराजगी निगमायुक्त ने स्पष्ट चेतावनी दी कि अवैध कॉलोनियों के मामलों में किसी भी तरह की ढील बर्दाश्त नहीं की जाएगी लंबित मामलों में तुरंत एफआईआर दर्ज की जाए और नियमानुसार विकास शुल्क शिविर आयोजित किए जाएं। साथ ही प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर योजना में धीमी प्रगति पर उन्होंने कड़ी नाराजगी जताई और योजना प्रभारी को सख्त निर्देश दिए कि वे बिना किसी देरी के अधिक से अधिक हितग्राहियों को लाभ सुनिश्चित करें। बैठक में उपायुक्त शैलेश गुप्ता, कार्यपालन यंत्री अंशुमान सिंह, राजस्व अधिकारी जागेश्वर प्रसाद पाठक समेत अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

मिट्टी के मटकों की बढ़ी मांग आसपास से व्यापारी भी शहर में पहुंचे

जगन्नाथ चौक और अन्य इलाकों में 'देशी फ्रिज' की रौनक

भजिया भुरसा, चंदिया और बिलहरी से व्यापारी कर रहे बिक्री

कटनी (स्वतंत्रमत)।

शहर में गर्मी की आहट के साथ ही मिट्टी के मटकों, सुराही और गागर की मांग तेजी से बढ़ने लगी है। जगन्नाथ चौक सहित अन्य प्रमुख इलाकों में सड़क किनारे दुकानों पर अलग-अलग आकार और डिजाइन के बर्तन सजाए गए हैं। मिट्टी के ये बर्तन प्राकृतिक रूप से पानी को ठंडा रखते हैं और स्वाद में मीठा बनाए रखते हैं, इसलिए इन्हें लोग 'देशी फ्रिज' भी कहकर खरीदना पसंद कर रहे हैं। कटनी में भजिया भुरसा, चंदिया, बिलहरी और आसपास के अन्य क्षेत्रों से व्यापारी भी मटकों का व्यापार करने शहर में पहुंचे हैं। उन्होंने सड़क किनारे दुकानों में मटके, सुराही और गागर रखकर बिक्री शुरू कर दी है। लोग गर्मी शुरू होते ही घरों में इन मिट्टी के बर्तनों को रखने लगते हैं, ताकि पूरे मौसम में ठंडे पानी का आनंद लिया जा सके। व्यापारी बताते हैं कि जैसे-जैसे तापमान बढ़ेगा, मिट्टी के बर्तनों की बिक्री और तेज होगी। शहर और आसपास के गांवों से भी लोग इन्हें खरीदने आ रहे हैं। मिट्टी के बर्तनों की बढ़ती मांग से कुहारों और स्थानीय व्यापारियों के चेहरे भी खिले हुए हैं। उनका कहना है कि गर्मी का मौसम उनके लिए रोज़गार और अधिक बिक्री का अवसर लेकर आता है और यही समय उनकी सबसे ज्यादा कमाई का होता है। विशेष रूप से शहरवासियों और ग्रामीणों ने प्राकृतिक ठंडक और स्वास्थ्यवर्धक गुणों के कारण आधुनिक फ्रिज की बजाय मिट्टी के बर्तनों को प्राथमिकता देना शुरू कर दिया है। इससे यह स्पष्ट होता है कि पारंपरिक बर्तनों की लोकप्रियता आज भी कायम है और गर्मी के मौसम में इनकी मांग हर साल बढ़ती रहती है।

डॉ. सोनल राय को संगठन में महत्वपूर्ण दायित्व सौंपे

दमोह (स्वतंत्र मत)।

जयपुर में आयोजित स्वदेशी जागरण मंच की राष्ट्रीय परिषद बैठक के अवसर पर संगठन की सक्रिय कार्यकर्ता डॉ. सोनल राय को महत्वपूर्ण दायित्व सौंपते हुए प्रांतीय महिला कार्य प्रमुख नियुक्त किया गया है। यह कार्यक्रम जयपुर में आयोजित हुआ जिसमें भजनलाल शर्मा मुख्यमंत्री, राजस्थान मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता संगठन के राष्ट्रीय संयोजक आर सुंदरम ने की तथा मुख्यवक्ता के रूप में राष्ट्रीय संगठनकर्ता कश्मीरी लाल ने स्वदेशी विचार की वर्तमान समय में आवश्यकता पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर डॉ. सोनल राय को नई जिम्मेदारी प्रदान करते हुए संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने विश्वास व्यक्त किया कि उनके नेतृत्व में महिला कार्यों को नई दिशा-गति और मजबूती प्राप्त होगी। कार्यक्रम में स्वदेशी स्वावलंबी भारत अभियान के अंतर्गत प्रदर्शनी का उद्घाटन एवं उद्यमी सम्मान समारोह भी आयोजित किया गया, जिसमें स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने वाले उद्यमियों को सम्मानित किया गया। उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व डॉ. सोनल राय संगठन में प्रांत महिला सह प्रमुख के दायित्व का सफलतापूर्वक निर्वहन कर रही थीं।

अभिषेक-ईशान किशन की भारतीय जोड़ी टी-20 बल्लेबाजी रैंकिंग में पहले दो स्थान पर

दुबई (वार्ता)

स्टार भारतीय लेफ्ट-हैंडर अभिषेक शर्मा और ईशान किशन आईसीसी पुरुष टी-20 बैटिंग रैंकिंग में पहले दो स्थान पर हैं। यह पहली बार है जब किसी भारतीय बैटिंग जोड़ी ने इस फॉर्मेट में पहले-दो स्थान हासिल किये हैं। किशन की नजर टी-20 बैटिंग रैंकिंग में टॉप पर पहुंचने वाले चौथे भारतीय बनने पर भी है। बॉलिंग रैंकिंग में, स्पिनर वरुण चक्रवर्ती का टॉप पर राज खत्म हो गया, हालांकि वह 14 विकेट लेकर सबसे ज़्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज़ बने, लेकिन उन्होंने बहुत ज़्यादा रन दिए। जबकि पेसर जसप्रीत बुमराह, जो फाइनल में 15 रन देकर चार विकेट लेकर प्लेयर ऑफ़ द मैच बने थे, एक स्थान ऊपर चढ़कर छठे स्थान पर पहुंच गए, जबकि स्पिनर अक्षर पटेल और ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या 17वें और 46वें स्थान पर हैं। आईसीसी ने बुधवार को एक बयान में यह जानकारी दी। शर्मा के अभी 875 रेटिंग पॉइंट्स हैं, नरेंद्र मोदी स्टेडियम में टी-20 वर्ल्ड कप के फाइनल में न्यूज़ीलैंड के खिलाफ़ 21 गेंदों में 52 रन बनाने की वजह से वह अभी भी टेबल में टॉप पर हैं, जबकि किशन ने कीवी टीम के खिलाफ़ 25 गेंदों में 52 रन और सेमीफ़ाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ़ 18 गेंदों में 39 रन बनाकर

इंग्लैंड के फिल साल्ट और पाकिस्तान के साहिबज़ादा फरहान को पीछे छोड़कर दूसरा स्थान हासिल किया है। दोनों के बीच सिर्फ़ चार पॉइंट्स का फ़र्क होने की वजह से, किशन (871 पॉइंट्स) के पास विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव और शर्मा की बराबरी करने और इस फ़ॉर्मेट में टॉप पर पहुँचने वाले चौथे भारतीय बैट्समैन बनने का भी मौका है। सितंबर 2022 में, एक ही टीम के पिछले दो बैटर पहले दो पोजीशन पर पाकिस्तान के बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान थे। लेटेस्ट वीकली रैंकिंग अपडेट में न्यूज़ीलैंड के ओपनर टिम सीफ़र्ट भी चार पायदान ऊपर चढ़कर करियर के बेस्ट छठे पोजीशन पर पहुंच गए हैं। उन्होंने ईडन गार्डन्स में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ़ सेमीफ़ाइनल में 58 और इंडिया के खिलाफ़ फ़ाइनल में 52 रन बनाए थे। बड़े फ़ायदे पाने वाले दूसरे खिलाड़ियों में इंग्लैंड के जैकब बेथेल हैं, जिनकी सेमीफ़ाइनल में इंडिया के खिलाफ सेंचुरी ने उन्हें करियर के बेस्ट 16वें पोजीशन पर पहुँचा दिया है, और प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट संजू सैमसन, जिनकी वेस्ट इंडीज के खिलाफ़ नॉट आउट 97 रन की पारी और इंग्लैंड और न्यूज़ीलैंड के खिलाफ़ 89 रन के एक जैसे स्कोर ने उन्हें 22वें स्थान पर पहुँचा दिया है। शिवम दुबे (चार पायदान ऊपर चढ़कर 27वें स्थान पर) और विल जैक्स (आठ पायदान ऊपर 58वें स्थान पर) भी आगे बढ़े हैं।

राशिद खान टी-20 बॉलिंग रैंकिंग में टॉप पर

बॉलिंग रैंकिंग में, टूर्नामेंट में सबसे ज़्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज़ के तौर पर खत्म करने के बाद भी, इंडिया के स्पिनर वरुण चक्रवर्ती का टॉप पर राज खत्म हो गया है। उन्होंने नौ मैचों में 14 विकेट लिए, लेकिन बहुत ज़्यादा रन दिए, खासकर पिछले हफ़्ते के मैचों में। अफ़गानिस्तान के स्टार राशिद खान, जो टी20 बॉलिंग रैंकिंग में चार साल से ज़्यादा समय से टॉप पर हैं, वापस नंबर एक पर आ गए हैं, जबकि इंग्लैंड के एक और लेग स्पिनर आदिल राशिद भी एक स्थान ऊपर चढ़कर चौथे स्थान पर आ गए हैं, जिन्होंने इंडिया के ख़िलाफ़ सेमीफ़ाइनल में 41 रन देकर दो विकेट लिए थे। जसप्रीत बुमराह एक स्थान ऊपर चढ़कर छठे स्थान पर पहुंच गए, जबकि उनके टीम के साथी अक्षर पटेल (छह स्थान ऊपर चढ़कर 17वें स्थान पर), हार्दिक पांड्या (चार स्थान ऊपर चढ़कर 46वें स्थान पर) और दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा (तीन स्थान ऊपर चढ़कर 50वें स्थान पर) भी रैंकिंग में ऊपर आ गए हैं।

आईसीसी की पुरस्कार राशि से टी-20 विश्वकप में शामिल टीमें हुई मालामाल

दुबई (वार्ता)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने बुधवार को टी-20 विश्व कप 2026 में शामिल हुई सभी 20 टीमों को उनके प्रदर्शन के आधार पर कुल 11.25 मिलियन यूएस डॉलर (एक अरब 39 करोड़ चार लाख 43 हजार) की पुरस्कार राशि के अंतिम विवरण की पुष्टि कर दी है। सह-मेजबान भारत खिताब बरकरार रखने वाली पहली टीम बनी है। खिताब विजेता भारत को 2,639,423 डॉलर (24,28,49,351 रुपये) और उप विजेता न्यूजीलैंड को 1,422,692 डॉलर (13,08,91,789 रुपये) की पुरस्कार राशि मिली है। वहीं सेमीफाइनल में हारने वाली दक्षिण अफ्रीका को 1,005,577 डॉलर (9,24,89,855 रुपये) और इंग्लैंड को 974,423 डॉलर (8,96,49,741 रुपये) राशि मिली है। इसके अलावा वेस्टइंडीज को 538,269 डॉलर (4,95,19,222 रुपये), पाकिस्तान को 522,692 डॉलर (4,80,86,182 रुपये), जिम्बाब्वे को 491,538 डॉलर (4,52,20,103 रुपये), श्रीलंका को 475,962 डॉलर (4,37,87,155 रुपये), अफगानिस्तान को 309,808 डॉलर (2,85,01,248 रुपये), ऑस्ट्रेलिया को 309,808 डॉलर (2,85,01,248 रुपये),अमेरिका को 309,808 डॉलर (2,85,01,248 रुपये) स्कॉटलैंड को 278,654 डॉलर (2,56,35,189 रुपये), आयरलैंड को 271,731 डॉलर (2,49,98,298 रुपये), इटली को 256,154 डॉलर (2,35,62,748 रुपये), नीदरलैंड को 256,154 डॉलर (2,35,62,748 रुपये), संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को 256,154 डॉलर (2,35,62,748 रुपये), नेपाल को 256,154 डॉलर (2,35,62,748 रुपये), कनाडा को 225,000 डॉलर (2,06,92,575 रुपये), नामीबिया 225,000 डॉलर (2,06,92,575 रुपये) और ओमान को 225,000 डॉलर (2,06,92,575 रुपये) की पुरस्कार राशि मिली है।

सात्विक-चिराग अगले दौर में

बेसल (स्विट्ज़रलैंड) (वार्ता)। भारत के सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने सिंगापुर के एंग कीट वेस्ली कोह और जुनसुके कुबो को हराकर स्विस ओपन 2026 बैडमिंटन टूर्नामेंट के अगले दौर में जगह बना ली है। वहीं हम वतन ट्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद को अपने शुरुआती राउंड के महिला युगल मैच के दौरान चोट लगने के कारण टूर्नामेंट से बाहर होना पड़ा। मंगलवार को बेसल के सेंट जैकबशेल में पुरुष युगल बैडमिंटन रैंकिंग में चौथे स्थान पर मौजूद सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी को सिंगापुर के एंग कीट वेस्ली कोह और जुनसुके कुबो को 21-19, 21-19 के स्कोर से हराने के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ी। वहीं भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी ट्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद महिला जोड़ी को शुरुआती गेम में चीनी ताइपे के हू लिंग फैंग और झेंग यू चीह से 7-13 से पीछे चल रहे थे, जब उन्हें बाहर होना पड़ा। एशियन गेम्स चैंपियन सात्विक-चिराग जो इंग्लैंड ओपन से शुरुआती राउंड में बाहर होने के बाद बीडब्ल्यूएफ सुपर 300 टूर्नामेंट में आए थे, ने शानदार शुरुआत की, जिसके बाद 45वीं रैंक वाली सिंगापुर की जोड़ी ने वापसी की। 19-19 की बराबरी पर, भारतीय जोड़ी ने गेम खत्म करने के लिए आखिर में ड्राइव किया। दूसरा गेम भी पहले गेम जैसा ही था, जिसमें भारतीयों ने एक बार फिर 19-19 के स्कोर से गेम जीत लिया और इसके साथ ही 40 मिनट तक चला बैडमिंटन मैच भी अपने नाम कर लिया। टॉप सीड सात्विक-चिराग का सामना दूसरे राउंड में जापानी जोड़ी हिरोकी ओकामुरा-क्योहेई यामाशिता से होगा।

आरसीबी बनाम एसआरएच मुकाबले से 28 मार्च को बेंगलुरु में शुरू होगा आईपीएल

बेंगलुरु (वार्ता)

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी), डिफेंडिंग चैंपियन, आईपीएल 2026 की ओपनिंग नाइट में सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) से भिड़ेगी। सीज़न का ओपनिंग गेम 28 मार्च को बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेला जाएगा, जिसे हाल ही में कर्नाटक सरकार ने 11 लोगों की दुखद मौत और अनिश्चितता के बाद आईपीएल मैचों की मेजबानी के लिए मंज़ूरी दी थी। पिछले जून में आरसीबी के आईपीएल जीत के जश्न के दौरान भगदड़ मच गई थी। ओपनिंग वीकेंड का दूसरा गेम मुंबई इंडियंस (एमआई) और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के बीच मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में होगा। ओपनिंग वीकेंड में डबल-हेडर नहीं होंगे। पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और असम सहित कई राज्यों में चुनाव होने वाले हैं, जहाँ कोलकाता नाइट राइडर्स, चेन्नई सुपर किंग्स और राजस्थान रॉयल्स के होम ग्राउंड हैं, इसलिए आईपीएल ने टूर्नामेंट का शेड्यूल दो फेज में जारी करने का फैसला किया है। बुधवार को आईपीएल ने पहले फेज़ की घोषणा की जिसमें 20 मैच शामिल हैं, जिसमें 4-5 अप्रैल और 11-12 अप्रैल के वीकेंड में चार डबल-हेडर शामिल हैं। टूर्नामेंट के इस फेज़ में सभी दस टीमें चार-चार गेम खेलेंगी, लेकिन यह कन्फर्म नहीं हो सका कि टीमों को कैसे ग्रुप किया गया है। हर आईपीएल सीज़न में जिसमें दस टीमें शामिल होती हैं, टीमों को दो वर्चुअल ग्रुप में बांटा गया है, जिसमें हर टीम अपने ग्रुप की टीमों से दो-दो बार और दूसरे ग्रुप की टीमों से एक-एक बार भिड़ती है। यह दूसरी बार होगा जब आरसीबी और एसआरएच किसी आईपीएल सीज़न के ओपनिंग मैच में आमने-सामने होंगे। इससे पहले 2017 में ऐसा हुआ था, जब एसआरएच डिफेंडिंग चैंपियन और आरसीबी रनर-अप थी। एसआरएच के लिए, यह आईपीएल ओपनर में उनकी दूसरी मौजूदगी होगी, जबकि आरसीबी के लिए, यह सातवां ऐसा मौका है। आरआर इस पहले फेज में अपने सीजन का गुवाहाटी लेग खत्म करेगी, जिसमें वेन्यू पर तीन मैच शामिल हैं। उनके बाकी चार होम गेम उनके मेन होम ग्राउंड, जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में खेले जाएंगे। जब से आईपीएल 2008 में शुरू हुआ है, तब से शेड्यूल दो हिस्सों में अनाउंस किया गया है, जब भी देश में आम चुनाव हुए हैं - 2009, 2014, 2019 और 2024 में - या टूर्नामेंट में शामिल राज्यों में असेंबली चुनाव हुए हैं।

प्रियांश, आंबेकर और साहिल ने भारत के लिए जीत पक्की की

बैंकॉक (वार्ता)। भारतीय यूथ बॉक्सिंग टीम ने बैंकॉक में वर्ल्ड बॉक्सिंग फ्यूचर्स कप 2026 में अपना कैंपेन जारी रखा, जिसमें कॉम्पिटिशन के चौथे दिन पुरुषों के ग्रुप ने जबरदस्त परफॉर्मेंस दी। सुबह के सेशन में, प्रियांश सेहरावत (70किग्रा) ने भारत के लिए दिन की अच्छी शुरुआत की, और लातविया पर 5-0 से एकमत से जीत हासिल करके टूर्नामेंट में आगे बढ़े। शाम के सेशन में भारतीय टीम ने दो और ज़बरदस्त जीत हासिल कीं। एल. आंबेकर (50) ने ताजिकिस्तान पर 5-0 से एकमत से जीत हासिल की, जबकि साहिल दुहान (60) ने भी ताजिकिस्तान के खिलाफ 5-0 से शानदार जीत दर्ज की, और कॉम्पिटिशन में अपना जबरदस्त प्रदर्शन जारी रखा। इस बीच, अमन सिवाच (65) को दूसरे राउंड में रेफरी स्टॉप्ड कॉन्टेस्ट (आरएससी) से यूक्रेन के अपने विरोधी से हारने के बाद झटका लगा। 8 से 15 मार्च तक बैंकॉक में होने वाले वर्ल्ड बॉक्सिंग फ्यूचर्स कप में दुनिया भर के होनहार युवा बॉक्सर यूथ ओलंपिक वेट कैटेगरी में मुकाबला कर रहे हैं, जिससे एथलीटों को कीमती इंटरनेशनल मौका मिलेगा।

रुपया 16 पैसे टूटा, फिर 92 प्रति डॉलर के पार

मुंबई (वार्ता)। अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया बुधवार को 16 पैसे टूट गया और कारोबार की समाप्ति पर एक डॉलर 92.01 रुपये का बोला गया। पिछले कारोबारी दिवस पर भारतीय मुद्रा 36 पैसे की मजबूती के साथ ऐतिहासिक निचले स्तर से उबरकर 91.85 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुई थी। रुपया आज 7.50 पैसे टूटकर 91.9250 रुपये प्रति डॉलर पर खुला। बीच कारोबार में यह ऊपर 91.85 रुपये और नीचे 92.06 रुपये प्रति डॉलर तक गया। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल में ढाई फीसदी से अधिक की मजबूती और दुनिया की अन्य प्रमुख मद्राओं के मुकाबले डॉलर सूचकांक में तेजी से रुपये पर दबाव रहा। भारतीय पूंजी बाजार में विदेशी संस्थागत निवेशकों के बिकवाल रहने से भी भारतीय मुद्रा पर दबाव बढ़ा।

सिंगापुर एयरलाइंस की सेल 15 मार्च तक

नयी दिल्ली (वार्ता)

सिंगापुर एयरलाइंस की सहायक कंपनी स्कूट ने मार्च थीमैटिक सेल की घोषणा की है जो 15 मार्च तक चलेगी। ऑफर के तहत भारत से सिंगापुर के लिए इकोनॉमी क्लास का एक तरफ का किराया मात्र 5,800 रुपये से शुरू होता है। सिंगापुर से आगे एशिया-पैसिफिक और अन्य लोकप्रिय शहरों के लिए भी कनेक्टिंग उड़ानें उपलब्ध हैं। ऑफर के तहत हर गंतव्य के लिए अलग-अलग अंतराल होंगे जो 01 अप्रैल से 16 दिसंबर के बीच हैं। किफायती विमान सेवा कंपनी स्कूट एयर ने बताया कि चेन्नई से सिंगापुर का किराया 5,800 रुपये से शुरू हो रहा है। तिरुचिरापल्ली से फुकेट का किराया 8,500 रुपये से, तिरुवनंतपुरम से सिडनी का 15,000 रुपये से और विशाखापत्तनम से बैंकॉक का 7,900 रुपये से शुरू होगा। अमृतसर से सेबू का टिकट 11,500 रुपये से और कोयंबटूर से ना त्रांग का 10,500 रुपये से मिलेगा। अमृतसर और चेन्नई से यात्रा करने वाले यात्री अब स्कूट के बोइंग 787 ड्रीमलाइनर विमानों में स्कूटप्लस का बेहतर अनुभव भी ले सकते हैं। इसके लिए टिकट मात्र 12,900 से शुरू हो रहा है। स्कूटप्लस के अंतर्गत यात्रियों को कई अतिरिक्त सुविधाएं मिलती हैं, जिनमें प्राथमिकता के आधार पर चेक-इन और बोर्डिंग, ज्यादा लेगरूम वाली आरामदायक सीटें, 15 किलोग्राम केबिन बैगेज और 30 किलोग्राम चेक-इन बैगेज की अनुमति शामिल है।

चावल, चीनी, दालों में तेजी; गेहूं नरम; खाद्य तेलों में घट-बढ़

नयी दिल्ली (वार्ता)

घरेलू थोक जिंस बाजारों में बुधवार को चावल की औसत कीमत बढ़ गयी। चावल के साथ दालों और चीनी में भी तेजी रही। वहीं, गेहूं में गिरावट देखी गयी। खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव का रुख रहा। औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत तीन रुपये बढ़कर 3,850 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गयी। गेहूं 16 रुपये सस्ता हुआ और 2,798 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा। आटे के भाव में टिकाव रहा। दाल-दलहनों में तेजी रही। तुअर दाल की औसत कीमत 52 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी। मूंग दाल 20 रुपये और उड़द दाल 18 रुपये महंगी हुई। चना दाल का भाव नौ रुपये और मसूर दाल का सात रुपये प्रति क्विंटल बढ़ा। विदेशों में मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का मई वायदा 71 रिंगिट की मजबूती के साथ 4,499 रिंगिट प्रति टन पर पहुंच गया। मई का अमेरिकी सोया तेल वायदा 2.61 प्रतिशत की बढ़त में 67.33 सेंट प्रति पौंड बोला गया। स्थानीय बाजारों में मूंगफली तेल औसतन 139 रुपये प्रति क्विंटल महंगा हुआ। सूरजमुखी तेल की कीमत 96 रुपये और पाम ऑयल की 87 रुपये बढ़ी। वनस्पति में 57 रुपये की तेजी रही। सोया तेल की कीमत चार रुपये और सरसों तेल की तीन रुपये प्रति क्विंटल घट गयी। मीठे के बाजार में आज गुड़ का औसत भाव 29 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गया। चीनी भी 10 रुपये महंगी हुई ।दाल चना 7725.52 रुपये, मसूर काली 8073.07 रुपये, मूंग दाल 10142.60 रुपये, उड़द दाल 10744.18 रुपये, तुअर दाल 11221.97 रुपये प्रति क्विंटल रही। अनाज (भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 2797.69 रुपये और चावल 3850.47 रुपये प्रति क्विंटल और आटा (गेहूं) 3282.33 रुपये प्रति क्विंटल रहा। चीनी एस 4304.24 रुपये और गुड़ 4998.56 रुपये प्रति क्विंटल बोले गये।

एसबीआई का जापान के एमयूएफजी बैंक से करार

मुंबई (वार्ता)

भारत और जापान के बीच द्विपक्षीय वित्तीय सहयोग को बढ़ावा देने के लिए भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) और जापान के एमयूएफजी बैंक ने एक करार पर हस्ताक्षर किया है। एसबीआई ने एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि इस समझौते का उद्देश्य कॉर्पोरेट के लिए सीमा-पार पूंजी प्रवाह को सुगम बनाना, वित्तपोषण के नये समन्वित अवसरों का सृजन और एशिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में टिकाऊ आर्थिक विकास को समर्थन देना है। इससे भारत में विस्तार कर रही जापानी कंपनियों तथा अंतर्राष्ट्रीय विकास की ओर अग्रसर भारतीय कंपनियों को मदद मिलेगी। दोनों बैंकों के बीच पहले भी कई मामलों में सहयोग रह चुका है। इस समझौते से दोनों बैंकों के बीच गठबंधन को एक औपचारिक और संरचित ढांचा मिलेगा, जिससे प्राथमिक उद्योगों और सीमा-पार अवसरों में सहयोग को और विस्तार दिया जा सकेगा। दोनों बैंक परियोजनाओं के संरचनाकरण और वित्तपोषण में सहयोग की संभावनाओं का पता लगाएंगे, खासकर विलय एवं अधिग्रहण, विमानन और रियल एस्टेट के वित्त पोषण जैसे क्षेत्रों में, ताकि भारतीय और वैश्विक ग्राहकों को समर्थन दिया जा सके। वे विलय एवं अधिग्रहण के लिए सलाह देंगे, वाणिज्य के लिए वित्त उपलब्ध करायेंगे और खुदरा बैंकिंग समाधान में भी सहयोग करेंगे। इससे जापानी कॉरपोरेट से जुड़े संभावित सीमा पार लेन-देन को सुगम बनाया जायेगा। एमयूएफजी बैंक के भारत और श्रीलंका के क्षेत्रीय कार्यकारी ताकुया सेनोओ ने कहा, च्भारत वैश्विक स्तर पर सबसे आकर्षक विकास बाजारों में से एक है और भारत-जापान कॉरिडोर लगातार मजबूत हो रहा है। जापानी कंपनियां भारत में अपनी उपस्थिति तेजी से बढ़ा रही हैं। वहीं भारतीय कंपनियां भी वैश्विक विस्तार की दिशा में आगे बढ़ रही हैं।

शेयर बाजारों में फिर बड़ी गिरावट

प्रमुख सूचकांक 11 महीने के निचले स्तर पर

मुंबई (वार्ता)

अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच जारी सैन्य संघर्ष के दबाव में घरेलू शेयर बाजारों में बुधवार को बड़ी गिरावट देखी गयी और प्रमुख सूचकांक करीब 11 महीने के निचले स्तर पर बंद हुए। बीएसई का संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 1,342.27 अंक (1.72 प्रतिशत) लुढ़ककर 76,863.71 अंक पर आ गया। यह 15 अप्रैल 2025 के बाद का निचला स्तर है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 सूचकांक भी 394.75 अंक यानी 1.63 प्रतिशत टूटकर 17 अप्रैल के बाद के निचले स्तर 23,866.85 अंक पर बंद हुआ। गत 26 फरवरी के बाद आठ कारोबारी दिवस में शेयर बाजार में यह छठी बड़ी गिरावट है। इन आठ दिनों में सेंसेक्स कुल 5,384.90 अंक (6.55 प्रतिशत) और निफ्टी-50 सूचकांक 1,629.70 अंक (6.39 प्रतिशत) उतर चुका है। मझौली और छोटी कंपनियों के सूचकांक भी लाल निशान में रहे। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 1.66 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.36 प्रतिशत गिर गया। बैंकिंग, वित्त, ऑटो, रियलटी, रसायन, आईटी और एफएमसीजी सेक्टरों पर ज्यादा दबाव रहा। फार्मा, स्वास्थ्य और तेल एवं गैस सेक्टरों में तेजी रही। एनएसई में 3,296 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ। इनमें 1,336 के शेयर बढ़त में और 1,867 के गिरावट में बंद हुए। अन्य 93 कंपनियों के शेयर अंततः अपरिवर्तित रहे। सेंसेक्स की कंपनियों में बजाज फाइनेंस में सबसे अधिक 5.01 प्रतिशत की गिरावट रही। एक्सिस बैंक का शेयर 4.26 प्रतिशत, बजाज फिनसर्व का 3.95, महिंद्रा एंड महिंद्रा का 3.81, मारुति सुजुकी का 2.65, भारती एयरटेल का 2.44, ट्रेंट का 2.39, कोटक महिंद्रा बैंक का 2.17, एशियन पेंट्स का 2.15 और बीईएल का शेयर 2.02 प्रतिशत टूट गया। भारतीय स्टेट बैंक में 1.96 प्रतिशत, टीसीएस में 1.92 प्रतिशत, टाइटन में 1.88, एचडीएफसी बैंक में 1.78, अल्ट्राटेक सीमेंट में 1.67, इंफोसिस में 1.48, हिंदुस्तान यूनीलिवर में 1.37, आईसीआईसीआई बैंक में 1.36, रिलायंस इंडस्ट्रीज में 1.27 और इटरनल में 1.02 प्रतिशत की गिरावट रही। एलएंडटी, अडानी पोर्ट्स, एचसीएल टेक्नोलॉजीज और इंडिगो के शेयर भी लाल निशान में रहे। एनटीपीसी और सनफार्मा के शेयर हरे निशान में रहे। वैश्विक स्तर पर एशिया में जापान का निक्केई 1.43 प्रतिशत और चीन का शंघाई कंपोजिट 0.25 प्रतिशत चढ़ा। हांगकांग का हैंगसेंग 0.24 प्रतिशत गिर गया। यूरोपीय बाजारों में शुरुआती कारोबार में जर्मनी का डैक्स 0.83 प्रतिशत और ब्रिटेन का एफटीएसई 0.56 प्रतिशत नीचे था।

बुंदेलखंड में शिक्षा का लिखा जा रहा है नया अध्याय : डॉ. यादव

मुख्यमंत्री ने राहतगढ़ और जेसीनगर को दी आधुनिक ग्रंथालय की सौगात

भोपाल (स्वतंत्र मत)

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भारत में मातृ सत्ता प्रधान संस्कृति है। भारत की छवि विश्व गुरू की रही है। दुनिया में केवल भारतीय संस्कृति है, जिसने अपने मूल्यों के आधार पर ज्ञान की धारा को तक्षशिला और नालंदा विश्वविद्यालयों के माध्यम से विश्व के कोने-कोने में पहुंचाया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत का समय बदला है। अब हमारा देश आर्टफीशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में विश्व का नेतृत्व कर रहा है। भारत अपने कौशल के बल पर आधुनिक तकनीक में विश्व में नंबर वन बन रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि महान शिक्षाविद् डॉ. हरि सिंह गौर ने अपनी जमा पूंजी लगाकर बुंदेलखंड के सागर में शिक्षा का नया सूर्योदय किया। श्री गौर के प्रयासों से बुंदेलखंड को केंद्रीय विश्वविद्यालय की सौगात मिली है। यहां विभिन्न कोर्स की पढ़ाई कर निकले विद्यार्थियों ने देश-विदेश में अपनी अलग पहचान बनाई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राहतगढ़ और जेसीनगर में श्रमिकों के बच्चों के लिए लाइब्रेरी बनाने की घोषणा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को सागर में ज्ञानवीर विश्वविद्यालय के उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

युवाओं के लिए सपनों के नए द्वार खुलेगें

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इस क्रम में आज सागर में मां सरस्वती की कृपा से शिक्षा का एक नया अध्याय लिखा जा रहा है। ज्ञानवीर विश्वविद्यालय के रूप में शिक्षा के आधुनिक मंदिर बुंदेलखंड के युवाओं के सामर्थ्य और संकल्पों को नई ऊंचाई देगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस पहल के लिए खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविन्द सिंह राजपूत का अभिवादन किया। उन्होंने कहा कि ज्ञानवीर के केवल विश्वविद्यालय का नाम नहीं बल्कि एक बेटे का अपने माता-पिता के चरणों में श्रद्धा सुमन है। मंत्री श्री राजपूत ने इस संस्थान को अपनी पूज्य माता ज्ञानबाई जी के नाम से ज्ञान और अपने श्रद्धेय पिता वीर सिंह के नाम से वीर शब्द लेकर उन्हें समर्पित किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह विश्वविद्यालय बुंदेलखंड के युवाओं के लिए सपनों के नए द्वार खोलेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने समय के साथ चलने के लिए युवाओं से कौशल और तकनीक में पारंगत होने का आह्वान किया।

बुंदेलखंड क्षेत्र का कायाकल्प हो गया

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के कुशल मार्गदर्शन में राज्य सरकार ने बुंदेलखंड के चहुंमुखी विकास के लिए उल्लेखनीय कार्य किए हैं। वर्ष 2003 के बाद हुए कार्यों से बुंदेलखंड क्षेत्र का कायाकल्प हो गया है। उसके पहले की सरकारों के कार्यकाल में विकास धरातल पर कहीं नजर नहीं आया। पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती, श्रद्धेय बाबूलाल गौर और पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के कार्यकाल में भी राज्य सरकार के लिए बुंदेलखंड सर्वोच्च प्राथमिकता का क्षेत्र रहा है। हमारी सरकार ने पिछले दिनों खजुराहो में हुई कैबिनेट बैठक में बुंदेलखंड के विकास के लिए 27 हजार करोड़ रूपये के विशेष पैकेज की मंजूरी दी।

बुंदेलखंड की पहचान महाराजा छत्रसाल से भी है

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बुंदेलखंड वीरों और महावीरों की धरती है। बुंदेलखंड की पहचान महाराजा छत्रसाल से भी है। उन्होंने अपने कालखंड में कई लड़ाइयां लड़ीं और बुंदेलखंड की पावन धरा पर सनातन संस्कृति की ध्वजा फहराई। यहां के आल्हा और ऊदल की वीरता की कहानियां आज भी जीवंत हैं। बुंदेलखंड के वीरों ने अपने शौर्य से मातृभूमि की रक्षा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भारतीय टीम के क्रिकेट में विश्व विजेता बनने और होली पर्व की बधाई दी।

विकास में मुख्यमंत्री डॉ. यादव का योगदान अविस्मरणीयः राजपूत

खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने ज्ञानवीर विश्वविद्यालय के लोकार्पण अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने इस दिन को सागर के लिए ऐतिहासिक बताते हुए विकास के कई महत्वपूर्ण पड़ावों को रेखांकित किया। मंत्री श्री राजपूत ने कहा कि आज का दिन बेहद सौभाग्यशाली है। उन्होंने याद दिलाया कि ज्ञानवीर विश्वविद्यालय की फाइल पर डॉ. मोहन यादव ने तभी हस्ताक्षर कर इसकी शुरुआत कराई थी, जब वे प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री थे।

मुख्यमंत्री ने परखी भविष्य के वकीलों की तैयारी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ज्ञानवीर विश्वविद्यालय के नवनिर्मित परिसर का उद्घाटन करशैक्षणिक सुविधाओं का जायजा लिया, जिसमें विशेष रूप से विधि के छात्र-छात्राओं के लिए तैयार की गई मूट कोर्ट आकर्षण का केंद्र रही। मूट कोर्ट एक प्रकार की कृत्रिम या नकली न्यायिक कार्यवाही होती है। इसमें कानून की पढ़ाई कर रहे छात्र एक काल्पनिक कानूनी मामले पर वास्तविक अदालत की तरह बहस करते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मूट कोर्ट का अवलोकन करते हुए वहां मौजूद छात्र-छात्राओं से संवाद किया। उन्होंने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि किताबी ज्ञान के साथ व्यावहारिक अनुभव ही एक कुशल अधिवक्ता और न्यायविद तैयार करने में सहायक होता है। उन्होंने आधुनिक शिक्षा पद्धति में ऐसी सिम्युलेटेड लर्निंग (प्रायोगिक शिक्षण) को उपयोगी बताया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बुंदेलखंड के पारंपरिक खान-पान संस्कृति की सराहना करते हुए इसे सेहत के लिए भी उत्तम बताया है। मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से बुंदेलखंड के पारंपरिक मोटे अनाज से बने व्यंजनों की सराहना की। उन्होंने कहा कि ज्वार, बाजरा, मक्का की रोटी न केवल ऊर्जा प्रदान करती है, बल्कि हमारी प्राचीन आहार पद्धति का गौरव भी है।

थाली में परोसा गया बुंदेलखंड का वैभव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की थाली में बुंदेलखंड के पारंपरिक व्यंजन शामिल थे। इनमें मुख्य रूप से मेथी और चने की भाजी, कड़ी पकौड़ा, दही बड़े, पारंपरिक स्वाद के साथ बिजोरे, कचरिया, बरी की सब्जी और प्रसिद्ध महेरी, खीचला, पापड़, मंगोड़ी और गुजराती नमकीन, चिरौंजी की बर्फी, आम-नींबू का अचार और ताजगी से भरपूर आम का पना शामिल थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बुंदेली व्यंजन केवल स्वाद में ही बेमिसाल नहीं हैं, बल्कि यह पाचन की दृष्टि से भी अत्यंत लाभकारी है।

मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने किया रचना टॉवर का दौरा

रचना टॉवर परिसर में होगा सौंदर्यीकरण, पार्क, ओपन जिम और पोल लाइट लगाने के निर्देश

भोपाल (स्वतंत्र मत)। सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने बुधवार को नरेला विधानसभा अंतर्गत स्थित रचना टॉवर परिसर का दौरा कर क्षेत्र की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने स्थानीय नागरिकों से चर्चा कर क्षेत्र की समस्याओं और आवश्यकताओं की जानकारी ली। नागरिकों द्वारा क्षेत्र में बेहतर सार्वजनिक सुविधाओं और सौंदर्यीकरण की मांग को ध्यान में रखते हुए मंत्री श्री सारंग ने अधिकारियों को रचना टॉवर के समक्ष स्थित पेविंग के समीप सौंदर्यीकरण कार्य कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस स्थान को व्यवस्थित और आकर्षक रूप देने के लिए यहां पार्क का विकास किया जाएगा, जिससे क्षेत्र के नागरिकों को स्वच्छ और हरित वातावरण मिल सके। मंत्री श्री सारंग ने निर्देश दिए कि पार्क के साथ ही यहां ओपन जिम की भी व्यवस्था की जाए, जिससे क्षेत्र के नागरिक नियमित रूप से व्यायाम कर सकें और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा मिल सके। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में बढ़ती आबादी को देखते हुए इस प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध कराना आवश्यक है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि पार्क और ओपन जिम क्षेत्र की फेंसिंग कर उसे सुरक्षित और व्यवस्थित बनाया जाए। मंत्री श्री सारंग ने क्षेत्र में बेहतर प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए रचना टॉवर के समक्ष पोल लाइट लगाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि रचना टॉवर परिसर के सौंदर्यीकरण से संबंधित सभी कार्यों की कार्ययोजना तैयार कर शीघ्रता से कार्य प्रारंभ किया जाए, जिससे क्षेत्र के नागरिकों को जल्द से जल्द इन सुविधाओं का लाभ मिल सके। इस अवसर पर संबंधित विभागों के अधिकारी और स्थानीय नागरिक भी उपस्थित रहे। नागरिकों ने क्षेत्र के विकास के लिए मंत्री श्री सारंग का आभार व्यक्त किया।

केंद्रीय मंत्री ने मुगलिया हाट के सरपंच मारण को किया सम्मानित

भोपाल (स्वतंत्र मत)

केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल ने भोपाल जिले की ग्राम पंचायत मुगलिया हाट के सरपंच धर्मेन्द्र मारण को जल जीवन अभियान अंतर्गत नल जल योजना के सफल क्रियान्वयन, बेहतर संचालन और संधारण में उत्कृष्ट कार्य के लिए नई दिल्ली मे उत्कृष्ट जल नेतृत्व सरपंच सम्मान प्रदान किया। सरपंच श्री मारण के नेतृत्व में नल जल योजना के प्रभावी क्रियान्वयन, सुव्यवस्थित संचालन तथा व्यापक जनभागीदारी सुनिश्चित करने के प्रयासों की समारोह में सराहना के साथ प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि प्रदेश में ग्रामीण क्षेत्रों में प्रत्येक घर तक सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने के साथ योजनाओं के प्रभावी संचालन पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। ग्राम पंचायत मुगलिया हाट के सरपंच धर्मेन्द्र मारण को मिला यह सम्मान मध्यप्रदेश के लिए गौरव का विषय है और यह उपलब्धि प्रदेश की अन्य ग्राम पंचायतों के लिए भी प्रेरणास्त्रोत बनेगी।

विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को उपकरण वितरित किए गए

दमोह (स्वतंत्र मत)

जनपद शिक्षा केंद्र दमोह में विकासखंड अंतर्गत विभिन्न शालाओं में चिन्हित विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को शासन निर्देशानुसार उपकरण वितरित करने एक शिविर का आयोजन बीआरसी कार्यालय में किया गया, जहां पूर्व में चिकित्सकीय मूल्यांकन के बाद उपकरण हेतु कुल चिन्हित बच्चों को आमंत्रित कर उन्हें दमोह विधायक जयंत कुमार मलैया एवं जनपद अध्यक्ष श्रीमति प्रीति सिंह ने उनकी जरूरतों के उपकरण जैसे कान की मशीन व्हील चेयर एवं टीचिंग मटेरियल प्रदान किया।

इस संबंध में जानकारी देते हुए बीआरसी ललित कुमार रैकवार ने बताया कि राज्य शिक्षा केंद्र एवं जिला शिक्षा केंद्र के निर्देश अनुसार पुनर्वास विशेषज्ञ अमर बहादुर सिंह आडियोलॉजिस्ट कृष्णा गुप्ता आर्टिफिशियल पार्ट फिटिंग हेतु नियुक्त सार्थक शर्मा ने शिविर में उपस्थित बच्चों को उनकी सामग्री के उपयोग के तरीके बताये। एमआरसी श्रीमती गीता गुप्ता रूपनारायण तिवारी श्रीराम सेन ने बताया कि इस शिविर में शासन से अनुबंधित एलिमको कम्पनी जो दिव्यांगों के लिए उपकरण तैयार करती है के द्वारा चिन्हित बच्चों को आज शिविर के माध्यम से ट्राई सायकिल केलिपर्स व्हील चेयर एवं कान की मशीन प्रदान की गयीं

शिविर में बी ए सी सत्यनारायण तिवारी, शिवराज चौधरी, नवनीत स्वामी, श्रीमती दीपमाला जैन, श्रीमति स्वेता जैन, श्रीमति निधि ठाकुर, रघुवर तिवारी, जनशिक्षक राममिलन उपाध्याय, राकेश उपाध्याय, नरेन्द्र राय, किशोर कुमार दुबे, मिथिलेश कुमार दुवे, नरेन्द्र राय, श्याम नारायण शर्मा, खिलान सिंह, वीरेंद्र कुमार चौबे, राजेंद्र चौरसिया, कोमल चौरसिया शरद गुप्ता, चंद्रभान पटैल की उपस्थिति रही एवं विपिन कुमार चौबे ने संचालन किया।

भारतीय ज्ञान परंपरा की पुर्नकल्पना विषयक दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमीनार का हुआ आगाज

दमोह (स्वतंत्र मत)

शासकीय कमला नेहरू महिला महाविद्यालय दमोह में मध्यप्रदेश शासन के उच्च शिक्षा विभाग द्वारा प्रायोजित इक्कीसवीं सदी की शिक्षा, अर्थव्यवस्था, विज्ञान और प्रौद्योगिकी के संदर्भ में भारतीय ज्ञान परंपरा की पुर्नकल्पना विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमीनार का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन मां सरस्वती के पूजन-अर्चन के साथ किया गया। उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष चंद्रभान पटेल उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में क्षेत्रीय प्रबंधक भारतीय स्टेट बैंक हरीश रघुवंशी तथा शाखा प्रबंधक आशीष रावत मुख्य शाखा भारतीय स्टेट बैंक दमोह उपस्थित रहे। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. जेपी मिश्रा सेवानिवृत्त प्राध्यापक, महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड विश्वविद्यालय छतरपुर थे।

कार्यालय नगर पालिक निगम जबलपुर (म.प्र.)

प्रथम निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑन लाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाईट पर देखा जा सकता है।

क्रं.	टेंडर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1.	2.	3.	4.	5.	6.
1.	PRO-971 Date 12/03/2026 2026_UAD_489256_1	संभाग क्रमांक 12 घंटाघर अंतर्गत शौचालय शासकीय भवनों पाथवे, मरम्मत चैम्बर लगाना नाली कव्हर्ड करना सीमेन्टीकरण एवं अन्यय आवश्यक कार्य। (निगम पद)	03 माह 13.73 लाख	2,000/- 10304/-	10/4/2026

नोटः- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन की वेबसाइट पर ही किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

कार्यपालन यंत्री (लोककर्म)
नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय कलेक्टर (न्यायालय अपर कलेक्टर शहर) जबलपुर म.प्र.

Room no. 10 II Telephone-07612624351, E-mail : admjabalpur@gmail.com

राजस्व प्रकरण क्रमांक/0059/अ-20(1)/2025-26 जबलपुर दिनांक 06/03/2026

आम इश्तहार

आवेदिका श्री संजय गोगिया पिता श्री चन्द प्रकाश गोगिया निवासी-सिविल लाईन पचपेढ़ी जबलपुर द्वारा सि.स्टे. ब्लाक नं. 23 प्लाट नं. 7/19 K , 7/19 KH, कुल रकवा 1900 व.फु. जिला जबलपुर ने इस न्यायालय के समक्ष नीचे विनिर्दिष्ट स्थाई पट्टे का भूमि स्वामी अधिकार में संपरिवर्तन हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है और जबकि यह संपरिवर्तन किया जाना प्रस्तावित है एवं सुनवाई की तारीख 26/06/2026 स्थान न्यायालय अपर कलेक्टर शहर कक्ष क्रमांक 12 जबलपुर पर 3.00 बजे नियत की गई है। उक्त स्थाई पट्टे में हित रखने वाले सभी व्यक्तियों को एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वे या तो स्वतः या विधिक व्यवसायी या मान्यता प्राप्त अभिकर्ता के माध्यम से नियत तारीख को उपस्थित हो और अपनी आपत्तियां, यदि कोई हो तो प्रस्तुत करें।

आपके उपस्थित नहीं होने पर एवं आपत्तियां को प्रस्तुत नहीं कर पाने की स्थिति में किसी आपत्ति पर विचार नहीं कया जाएगा।

स्थाई पट्टे का विवरण

ब्लाक नं.	प्लाट नं.	रकबा (व.फु.)	उपपट्टेदार	भू भाटक
23	7/19 K, 7/19 KH	1900	श्री संजय गोगिया पिता श्री चन्द्र प्रकाश गोगिया निवासी-सिविल लाईन पचपेढ़ी जबलपुर	707.00/- रूपये प्रतिवर्ष

जारी दिनांक 06/03/2026
पेशी दिनांक 26/03/2026

अपर कलेक्टर, जबलपुर

कार्यालय कलेक्टर (न्यायालय अपर कलेक्टर शहर) जबलपुर म.प्र.

Room no. 10 II Telephone-07612624351, E-mail : admjabalpur@gmail.com

राजस्व प्रकरण क्रमांक/0057/अ-20(1)/2025-26 जबलपुर दिनांक 06/03/2026

आम इश्तहार

आवेदिका श्री राकेश गोगिया पिता श्री चन्द प्रकाश गोगिया, श्रीमति नीलम पति राकेश गोगिया निवासी-800 बैंक ऑफ इंडिया के पास साउथ सिविल लाईन पचपेढ़ी जबलपुर द्वारा सि.स्टे. ब्लाक नं. 23 प्लाट नं. 7/18 K , 7/18 KH कुल रकवा 1200 व.फु. एवं रकवा 400 व.फु. आवासीय कुल रकवा 1600 जिला जबलपुर ने इस न्यायालय के समक्ष नीचे विनिर्दिष्ट स्थाई पट्टे का भूमि स्वामी अधिकार में संपरिवर्तन हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है और जबकि यह संपरिवर्तन किया जाना प्रस्तावित है एवं सुनवाई की तारीख 26/03/2026 स्थान न्यायालय अपर कलेक्टर शहर कक्ष क्रमांक 12 जबलपुर पर 3.00 बजे नियत की गई है। उक्त स्थाई पट्टे में हित रखने वाले सभी व्यक्तियों को एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वे या तो स्वतः या विधिक व्यवसायी या मान्यता प्राप्त अभिकर्ता के माध्यम से नियत तारीख को उपस्थित हो और अपनी आपत्तियां, यदि कोई हो तो प्रस्तुत करें। आपके उपस्थित नहीं होने पर एवं आपत्तियां को प्रस्तुत नहीं कर पाने की स्थिति में किसी आपत्ति पर विचार नहीं कया जाएगा।

स्थाई पट्टे का विवरण

ब्लाक नं.	प्लाट नं.	कुल रकबा (व.फु.)	उपपट्टेदार	भू भाटक
23	7/18 K, 7/18 KH	1600	श्री राकेश गोगिया पिता श्री चन्द्र प्रकाश गोगिया, श्रीमति नीलम पति राकेश गोगिया निवासी-800 बैंक ऑफ इंडिया के पास साउथ सिविल लाईन पचपेढ़ी जबलपुर	595.00/- रूपये प्रतिवर्ष

जारी दिनांक 06/03/2026
पेशी दिनांक 26/03/2026

अपर कलेक्टर, जबलपुर

कार्यालय कलेक्टर (न्यायालय अपर कलेक्टर शहर) जबलपुर म.प्र.

Room no. 10 II Telephone-07612624351, E-mail : admjabalpur@gmail.com

राजस्व प्रकरण क्रमांक/0057/अ-20(1)/2025-26 जबलपुर दिनांक 06/03/2026

आम इश्तहार

आवेदिका श्री अजय गोगिया पिता श्री चन्द प्रकाश गोगिया, श्रीमति अनीता पति अजय गोगिया निवासी-800 बैंक ऑफ इंडिया के पास साउथ सिविल लाईन पचपेढ़ी जबलपुर द्वारा सि.स्टे. ब्लाक नं. 23 प्लाट नं. 7/17 K , 7/17 KH कुल रकवा 1200 व.फु. एवं रकवा 400 व.फु. आवासीय कुल रकवा 1600 जिला जबलपुर ने इस न्यायालय के समक्ष नीचे विनिर्दिष्ट स्थाई पट्टे का भूमि स्वामी अधिकार में संपरिवर्तन हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है और जबकि यह संपरिवर्तन किया जाना प्रस्तावित है एवं सुनवाई की तारीख 26/03/2026 स्थान न्यायालय अपर कलेक्टर शहर कक्ष क्रमांक 12 जबलपुर पर 3.00 बजे नियत की गई है। उक्त स्थाई पट्टे में हित रखने वाले सभी व्यक्तियों को एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वे या तो स्वतः या विधिक व्यवसायी या मान्यता प्राप्त अभिकर्ता के माध्यम से नियत तारीख को उपस्थित हो और अपनी आपत्तियां, यदि कोई हो तो प्रस्तुत करें। आपके उपस्थित नहीं होने पर एवं आपत्तियां को प्रस्तुत नहीं कर पाने की स्थिति में किसी आपत्ति पर विचार नहीं कया जाएगा।

स्थाई पट्टे का विवरण

ब्लाक नं.	प्लाट नं.	कुल रकबा (व.फु.)	उपपट्टेदार	भू भाटक
23	7/17 K, 7/17 KH	1600	श्री अजय गोगिया पिता श्री चन्द्र प्रकाश गोगिया, श्रीमति अनीता पति अजय गोगिया निवासी-800 बैंक ऑफ इंडिया के पास साउथ सिविल लाईन पचपेढ़ी जबलपुर	595.00/- रूपये प्रतिवर्ष

जारी दिनांक 06/03/2026
पेशी दिनांक 26/03/2026

अपर कलेक्टर, जबलपुर

दमोह में खुलेगा भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण का उप मण्डल कार्यालय

दमोह (स्वतंत्र मत)। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षणए जबलपुर मण्डल के अंतर्गत मध्य प्रदेश के 26 जिलों में स्थित राष्ट्रीय महत्व के केंद्रीय संरक्षित 108 स्मारकों का रखरखाव एवं सरक्षण संवर्धन का कार्य जबलपुर, रीवा, सागर, खजुराहों उप मण्डलों द्वारा किया जाता है। पिछले कुछ समय से यह आवश्यकता महसूस की जा रही थी कि दमोह जिले में स्थित राष्ट्रीय महत्व के केंद्रीय सरक्षित स्मारकों यथा शिव मंदिर नोहटा, जटाशंकर फोर्ट हटा, शिव मंदिर सकोर, शिव मंदिर बरी कनोरा सहित 14 स्मारकों की बेहतर देखरेख के लिए दमोह में एक उप मंडल कार्यालय स्थापित किए जाने की आवश्यकता महसूस की जा रही थी अभी तक दमोह जिले के स्मारक सागर उप.मण्डल के अधीन थे। इस संदर्भ में महानिदेशक, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण नई दिल्ली द्वारा दमोह में उप.मंडल कार्यालय के स्थापना की स्वीकृति प्रदान की गई एवं कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर द्वारा उक्त संदर्भ में दमोह उपमण्डल कार्यालय के लिए भवन प्राचीन गिरजाघर उपलब्ध कराया गया जिसका जीर्णोद्धार का कार्य भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण जबलपुर मण्डल द्वारा कर दमोह उपमण्डल कार्यालय की स्थापना की जा रही है। नवसृजित दमोह उपमंडल का उद्घाटन 12 मार्च गुरुवार को अपराह्न 12:30 बजे पंचायत एवं ग्रामीण विकास, श्रम विभाग मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल के मुख्य आतिथ्य एवं संस्कृति, पर्यटन, राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार धर्मेंद्र भाव सिंह लोधी, राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार लखन पटेल, सांसद दमोह राहुल सिंह लोधी, विधायक दमोह जयंत मलैया, विधायक हटा उमादेवी खटीक तथा अध्यक्ष जिला पंचायत रंजीता गौरव पटेल के विशिष्ट आतिथ्य तथा जिला प्रशासनिक अधिकारियों एवं अन्य गणमान्य नागरिकों की गरिमामय उपस्थिति में होगा।

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-11 नगर निगम जबलपुर

पत्र क्र./सं.क्र. 11/2025-26
दिनांक 11/3/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि (1) राहुल कुमार रघुवंशी पिता महेश कुमार रघुवंशी (2) श्रीमति आरती रघुवंशी पति राहुल कुमार ने वार्ड क्रमांक 67 वार्ड का नाम रानी अवंती बाई के भवन क्रमांक प्लाट नं. 108/ए चैतन्य सिटी सम्पत्ति के पिन क्रमांक 1000380917 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल 800 व.फु. जिस पर निर्मित भूतल 700 व.फु. प्रथम तल 700 व.फु. द्वितीय तल 50 व.फु. पर निम्न दस्तावेज प्रपत्र विक्रय पत्र के आधार पर निगम में दर्ज श्री अनिल खरे पिता स्व. राम स्नेही खरे का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-11, नगर निगम, जबलपुर

न्यायालय तहसीलदार तहसील अधारताल, जबलपुर

रा.प.क्र./2250/6/2025-26
जबलपुर, दिनांक 3/2/2026

// आम इश्तहार //

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक कुमारी अपूर्वा केशरी पिता स्व. स्वदेश केशरी निवासी एसबीआई कॉलोनी जबलपुर के द्वारा मौजा लक्ष्मीपुर स्थित भूमि खसरा नंबर 304/2/3 में से रकवा 800 व.फु. भूमि पर स्वदेश केशरी की मृत्यु दिनांक 23/12/2024 को हो जाने के कारण वर्तमान राजस्व अभिलेखों में नाम दर्ज किये जाने हेतु विक्रय पत्र/फौती/वसीयतनामा के आधार पर नामांतरण किये जाने हेतु आवेदन पत्र सहित अन्य दस्तावेज सलग्न कर आवेदन प्रस्तुत किये गया है। तत्संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्थ को कोई दावा या आपत्ति हो तो नियत पेशी दिनांक 18/3/2026 तक इस न्यायालय में स्वयं या अधिवक्ता के माध्यम से प्रस्तुत कर सकती है। समयावधि व्यतीत हो जाने के पश्चात प्रस्तुत दावा/आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

आज न्यायालय की मुद्रा व मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

जारी दिनांक : 3/2/ 2026
पेशी दिनांक 18/3/2026

सील

तहसीलदार
अधारताल जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-11 नगर निगम जबलपुर

पत्र क्र./सं.क्र. 11/2025-26
दिनांक 11/3/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमति इस्मिता माथुर पति श्री उमेश माथुर ने वार्ड क्रमांक 67 वार्ड का नाम रानी अवंती बाई के भवन क्रमांक एफ 04 टॉवर 02 ब्लाक 04 अनंततारा सम्पत्ति के पिन क्रमांक 1004325931 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल जिस पर निर्मित चतुर्थ तल 2013 व.फु. आरसीसी निम्न दस्तावेज प्रपत्र विक्रय पत्र के आधार पर निगम में दर्ज श्रीमती नीलू बरसैया पिता/पति नितिन बरसैया का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-11, नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-11 नगर निगम जबलपुर

पत्र क्र./सं.क्र. 11/2025-26
दिनांक 11/3/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि (1) श्रीमति अंजू गुप्ता पति संजय कुमार (2) संजय कुमार पिता किशोर प्रसाद ने वार्ड क्रमांक 67 वार्ड का नाम रानी अवंती बाई के भवन क्रमांक प्लाट नं. 454 फेस 2 चैतन्य सिटी सम्पत्ति के पिन क्रमांक 1001979223 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल 1450 व.फु. जिस पर निर्मित निम्न दस्तावेज प्रपत्र विक्रय पत्र के आधार पर निगम में दर्ज श्री आशीष चावला पिता जगदीश चावला का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-11, नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-11 नगर निगम जबलपुर

पत्र क्र./सं.क्र. 11/2025-26
दिनांक 11/3/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमति गीता राय पति राम प्रवेश कुमार राय ने वार्ड क्रमांक 66 वार्ड का नाम रानी लक्ष्मी बाई के भवन क्रमांक 870/17 सी सम्पत्ति के पिन क्रमांक 1000390257 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल 600 व.फु. जिस पर निर्मित भूतल 600 व.फु. पर निम्न दस्तावेज प्रपत्र विक्रय पत्र के आधार पर निगम में दर्ज श्रीमती रीना सिंह पति गजेन्द्र सिंह का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-11, नगर निगम, जबलपुर

न्यायालय नायब तहसीलदार अधारताल, जबलपुर

आम इश्तहार

रा.प्र.क्र.2365/अ-6/2025-26

आवेदक रोहित सिंह पिता स्व. कमल सिंह निवासी म.नं. 30 महाकौशल नगर अधारताल द्वारा पंजीकृत विक्रय पत्र क्र/वसीयत क्र./ दानपत्र क्रमांक... दिनांक 1/7/86 के माध्यम से मौजा/नजूल ब्लाक ... प.ह.नं.... स्थित भूमि खसरा नं./प्लाट नं./30/खसरा नं. 85/2 रकवा 2700 वर्गफुट पर विक्रेता/वसीयतकर्ता/ फौत/ दानकर्ता महाकौशल गृह निर्माण सहकारी समिति मर्या. से क्रय की गई भूमि पर राजस्व अभिलेखों में अपना नाम दर्ज कराने पंजीकृत विक्रयपत्र एवं फार्म पी-II खसरा की छाया प्रति संलग्न कर आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है।

अतः उपरोक्त नामांतरण किये जाने में यदि किसी व्यक्ति / संस्था को कोई आपत्ति हो तो वे अपनी आपत्ति पेशी दिनांक 23.3.26 तक इस न्यायालय में स्वयं उपस्थित होकर अथवा अधिवक्ता के द्वारा पेश कर सकता है। नियत पेशी दिनांक के पश्चात् प्राप्त आपत्तियों पर किसी भी प्रकार का विचार नहीं किया जावेगा। न्यायालय की मुहर एवं मेरे हस्ताक्षर से आज दिनांक 23.3.26 इश्तहार किया गया।

जारी दिनांक 9.3.26
पेशी दिनांक 23.3.26

सील

नायब तहसीलदार
तहसील अधारताल जबलपुर

गैस सिलेंडर को लेकर मचने लगा हाहाकार

सिलेंडर के लिए लग रही लंबी कतारें

कालाबाजारी कर 1300 का घरेलू सिलेंडर बेच रहे हॉकर

जबलपुर (स्वतंत्रमत)

ईरान-इजराइल युद्ध के असर से शहर में भी गैस सिलेंडर की सप्लाई पर खासा असर देखा जा रहा है। खासतौर पर कमर्शियल सिलेंडरों की जमकर मारामारी हो रही है, जिसके चलते होटल-रेस्टॉरेंट इंडस्ट्रीज पर असर देखा जा रहा है। बात करें जबलपुर की तो यहां पर घरेलू गैस सिलेंडर 1300 में बिक रहा है। हॉकर ब्लैक में सिलेंडर देने की बात कर रहा है। बताया जाता है कि कमर्शियल गैस सिलेंडर की सप्लाई ठप होने से होटल, रेस्टॉरेंट कारोबार और शादियों के अलावा सोना-चांदी आभूषण बनाने वाले कारीगरों और रेहड़ी पर भी संकट खड़ा हो गया है।

सराफा कारोबारियों को भी दिक्कत

जबलपुर सराफा में करीब 2 हजार से ज्यादा कारीगर काम करते हैं। हर कारीगर को महीने में औसतन 3 सिलेंडर की जरूरत होती है। इस हिसाब से सराफा कारोबार में महीने भर में करीब 9 हजार सिलेंडर इस्तेमाल होते हैं, यानी रोजाना लगभग 300 सिलेंडर की जरूरत पड़ती है। जिसके चलते सराफा कारोबारियों को भी दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। घरेलू गैस सिलेंडर की बात की जाए तो लोगों को गैस सिलेंडर के लिए भटकते देखा जा रहा है। हॉकरों द्वारा चोरी छिपे 13 सौ रुपए में गैस सिलेंडर देने की बात की जा रही है। यही हाल रहे तो आने वाले दिनों में सिलेंडरों को लेकर हा-हा कार मच सकता है।

बिगड़ सकते हैं हालात

चर्चा के दौरान कुछ उपभोक्ताओं ने बताया कि गैस के लिए लगातार उनके द्वारा वितरकों से संपर्क किया जा रहा है। लेकिन वितरक फिलहाल गैस सिलेंडर उपलब्ध न होने की बात कह रहे हैं। यही कारण है कि गैस वितरकों के पास सिलेंडर पाने के लिए उभोक्ताओं की सुबह से लंबी कतारें लग रही हैं। आमजन की माने तो गैस सिलेंडर के लिए उनको खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। अगर ऐसा ही रहा तो आगामी दिनों में हालात और बिगड़ सकते हैं।

कलेक्टर की अध्यक्षता में गैस एजेंसी के प्रतिनिधियों बैठक

कलेक्टर राघवेंद्र सिंह की अध्यक्षता में मौजूदा वैश्विक परिदृश्य को देखते हुए एलपीजी गैस की उपलब्धता के संबंध में बैठक की गई। जिसमें इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड व भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड के साथ विभिन्न गैस एजेंसी व होटल एसोसिएशन के प्रतिनिधि व संबंधित अधिकारी शामिल थे। कलेक्टर श्री सिंह ने मध्यप्रदेश शासन के निर्देशों के परिपालन में एलपीजी गैस की उपलब्धता और वितरण व्यवस्था की समीक्षा कर घरेलू गैस उपभोक्ताओं के हितों को प्राथमिकता देने के निर्देश दिये। इस दौरान बताया गया कि जिले में पेट्रोल, डीजल और घरेलू गैस का पर्याप्त स्टॉक मौजूद है। एलपीजी की आपूर्ति मुख्य रूप से घरेलू उपयोग के लिए ही सुरक्षित रखी जाएगी। नई व्यवस्था के तहत घरेलू गैस सिलेंडर की रिफिल बुकिंग अब पिछली डिलीवरी के 25 दिन बीत जाने के बाद ही स्वीकार की जाएगी। इस कदम का मुख्य उद्देश्य जिले में गैस की कालाबाजारी और अनावश्यक अफरा-तफरी को रोकना है ताकि प्रत्येक परिवार को सुचारू रूप से गैस सिलेंडर मिल सके। साथ ही कहा गया कि अस्पताल और शैक्षणिक संस्थानों जैसी अनिवार्य सेवाओं को छोड़कर अन्य किसी भी व्यावसायिक इकाई जैसे होटल, मॉल या औद्योगिक क्षेत्रों को कमर्शियल एलपीजी की आपूर्ति फिलहाल नहीं की जाएगी।

भाजपा राज में गैस की कमी से कालाबाजारी

जबलपुर। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी प्रदेश उपाध्यक्ष (ओबीसी विभाग) पूर्व प्रदेश प्रवक्ता मध्य प्रदेश कांग्रेस टीकाराम कोष्टा ने कहा कि ईरान, इजरायल, अमेरिका युद्ध के बीच भारत सरकार ने घरेलू रसोई गैस सिलेंडर?60 और कमर्शियल गैस सिलेंडर ? 115 बढ़ाकर आपदा में अवसर तलाशा गया। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वर्षों से जब रेट घट रहे थे तो सरकार ने रसोई गैस ,पेट्रोल, डीजल के रेटों कमी क्यों नहीं की? आम उपभोक्ताओं को कोई राहत क्यों नहीं दी? आज जब अंतराष्ट्रीय स्तर पर रेट बढ़े तो सरकार द्वारा तेल कंपनियां को फायदा पहुंचाने, तत्काल बढ़ा देना, आम नागरिकों को महंगाई में झोंकना अन्याय है। सरकार एक तरफ कहती है की कोई कमी नहीं है फिर क्यों रसोई गैस के नंबर नहीं लग रहे ।शादी विवाह त्योहारों का समय है और सरकार की लापरवाही के कारण उपभोक्ता गैस के लिए परेशान है ।कमर्शियल गैस सिलेंडर से चलने वाली छोटी बड़ी दुकानों पर करोड़ों लोगों की रोजी-रोटी के लिए संकट उत्पन्न हो गया सिलेंडर नहीं मिलता तो करोड़ों लोगों को सस्ता खाना नहीं मिलेगा। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश उपाध्यक्ष(ओबीसी विभाग) पूर्व प्रदेश प्रवक्ता मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी टीकाराम कोष्टा ,प्रदेश कोऑर्डिनेटर (ओबीसी विभाग)अलीम मंसूरी पीपी पटेल राजू तोमर अशोक यादव अस्सू भाई जान विजय अग्रवाल संजू ठाकुर सुरेंद्र तिवारी मामूर गुड्डू सुरेंद्र पटेल धर्मेंद्र कुशवाहा संजू शर्मा अशोक चौधरी आदि ने कहा कि सरकार जल्द ही गैस आपूर्ति बहाल करे ।अन्यथा कांग्रेस आंदोलन के लिए बाध्य होगी जिसकी जवाबदारी सत्ता सरकार की होगी।

ब्लैकमेलिंग करने वाले कथित पत्रकार और उसके साथी पुलिस गिरफ्त में

संजीवनी नगर पुलिस की कार्रवाई, स्कार्पियों, न्यूज चैनल की आईडी जब्त

जबलपुर (स्वतंत्रमत)

संजीवनी नगर थाना क्षेत्र में पुलिस ने रेप और पॉक्सो एक्ट में फंसाने की धमकी देकर पैसे मांगने वाले तथाकथित पत्रकार बनने वाले प्रवीण सिंह और उसके दो साथियों को गिरफ्तार किया है। दरअसल शिकायतकर्ता डॉ. अमित खरे की शिकायत पर पुलिस ने बीती देर रात उक्त कार्रवाई की। पुलिस ने आरोपियों के पास से स्कॉर्पियो वाहन व एक निजी न्यूज चैनल की आईडी भी जब्त की है।

शिकायत के मुताबिक आरोपी खुद को एक निजी चैनल का रिपोर्टर बताकर डॉ. अमित खरे से 37 लाख रुपए की मांग कर रहे थे। आरोपियों ने धमकी दी थी कि एक लड़की उनके खिलाफ रेप और पॉक्सो एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज कराने वाली है। अमित खरे ने पुलिस को बताया कि 27 फरवरी को उनके मोबाइल पर एक वॉट्सएप कॉल आया। कॉल करने वाले ने अपना नाम प्रवीण सिंह बताया और कहा कि वह उनके दोस्त अभिषेक पांडे को जानता है। इसके बाद दोनों के बीच लगातार बातचीत होने लगी। 28 फरवरी को प्रवीण सिंह ने पुन: कॉल कर बताया कि एक लड़की उनके खिलाफ रेप की एफआईआर दर्ज कराने की तैयारी कर रही है। उसने यह भी कहा कि वह इस एफआईआर को रुकवा सकता है।

37 लाख की डिमांड, दस लाख में सिमटी

1 मार्च को आरोपी ने फिर कॉल कर कहा कि लड़की नागपुर से आने वाली है, बचना है तो 37 लाख रुपए की व्यवस्था कर लो। बाद में बातचीत के दौरान उसने रकम 25 लाख और फिर 10 लाख रुपए तक कर दी। इसके बाद 9 मार्च को फिर से कॉल कर आरोपी ने 10 लाख रुपए की मांग की। मंगलवार शाम को बातचीत के दौरान कछपुरा ब्रिज पर मिलने की बात तय हुई। रात करीब 9 बजे अमित खरे रुपए देने पहुंचे। जैसे ही अमित खरे ने रुपए से भरा बैग प्रवीण सिंह को दिया, पहले से मुस्तैद पुलिस ने घेराबंदी कर तीनों आरोपियों को पकड़ लिया।

स्कॉर्पियो से माइक आईडी और शराब की बोतल मिली

पुलिस को आरोपियों की स्कॉर्पियो से एक न्यूज चैनल की माइक आईडी और शराब की बोतल भी मिली है। गिरफ्तारी के दौरान आरोपी खुद को रिपोर्टर बताते हुए पुलिस पर दबाव बनाने की कोशिश कर रहा था। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि यह काम उसने शहर से बाहर की एक गैंग के कहने पर किया है। पुलिस अब गिरोह के अन्य सदस्यों की जानकारी जुटा रही है। संजीवनी नगर थाना पुलिस ने प्रवीण सिंह और उसके दो साथियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस अब उस लड़की को भी तलाश रहा है, जिसका जिक्र आरोपी ने किया था।

मोबाइल लूट ले गये लुटेरे

जबलपुर। अधारताल थाना क्षेत्रातंर्गत धनी की कुटिया रोड पर बीती रात स्कूटी सवार दो बदमाश एक युवक का मोबाईल झपट्टा मारकर ले उड़े। पुलिस ने बताया कि पुष्पक नगर निवासी 36 वर्षीय सतीश कुमार मिश्रा बीती रात करीब नौ बजे ऑटो से उतरकर पैदल अपने घर जा रहा था। जैसे ही वह धनी की कुटिया रोड आलोक नगर हनुमंत चौक पहुंचा और अपने मोबाईल जेब से निकालकर बात करते हुए जा रहा था। उसी समय एक बिना नंबर की स्कूटी पर सवार दो बदमाश पहुंचे, जिनमें पीछे टोली लगाये बैठे लड़के ने झपट्टा मारकर उसका मोबाईल छीन लिया और अमखेरा तरफ भाग निकले।

माँ के लिये खाना लेने जा रहे बेटे पर चाकू से हमला

जबलपुर (स्वतंत्रमत)

रांझी थानातंर्गत गांधी चौक में अपनी मॉ के लिये खाना लेने जा रहे युवक से एक असमाजिक तत्व ने शराब पीने के लिये रुपयों की मांग करते हुए उस पर चाकू से हमला कर दिया। जिससे युवक के कान के पास गंभीर चोट आ गई। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर मामले को विवेचना में लिया है। पुलिस ने बताया कि मानेगांव निवासी 40 वर्षीय संदीपन शर्मा बीती करीब नौ बजे अपनी मॉ सुधा शर्मा के लिये खाना लेने दुकान जा रहा था। जैसे ही वह गांधी चौक में पहुंचा उसी समय उसे समीर लूटले नामक युवक मिला। जिसने संदीपन को रोक लिया और शराब पीने के लिये एक हजार रुपये की मांग शुरु कर दी। संदीपन ने जब रुपये देने से मना किया तो आरोपी ने गालीगलौज करते हुए सब्जी काटने वाले चाकू से हमला कर उसके कान के पास चोट पहुंचा दी।

भक्त शिरोमणि माँ कर्मा देवी प्रकाट्योत्सव पर शोभायात्रा कल

जबलपुर (स्वतंत्रमत)

भक्त शिरोमणि माँ कर्मा देवी प्रकाट्योत्सव के पावन अवसर पर संपूर्ण साहू समाज जिला जबलपुर के तत्वावधान में शुक्रवार 13 मार्च 2026 को भव्य कर्मा देवी की विशाल शोभायात्रा निकाली जाएगी। इस आयोजन को लेकर समाज एवं श्रद्धालुओं में भारी उत्साह देखा जा रहा है यह बात मप्र तेलघानी बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष रविकरण साहू ने पत्रकार वार्ता को सम्बोधित करते हुए सिटी कॉफी हॉउस करमचंद चौक में कही। श्री साहू ने बताया माँ कर्मा देवी की शोभायात्रा का शुभारंभ शुक्रवार 13 मार्च को दोपहर 2 बजे शहर के ह्रदय स्थल मालवीय चौक से होगा, जो लार्डगंज, बड़ा फुहारा , कमानिया गेट, सराफा, कोतवाली, मिलोनीगंज चौक, हनुमानताल होते हुए बड़ी खेरमाई मंदिर में संपन्न होंगी। पत्रकार वार्ता में साहू समाज के श्रीकांत साहू, प्रदीप साहू, अर्जुन साहू, सुरेन्द्र साहू, विमलेश साहू, जितेन्द्र साहू, राजू साहू कोठी, शुभम साहू, शेखर साहू उपस्थित थे।

लोक रंग फाग के संग कार्यक्रम संपन्न

जबलपुर (स्वतंत्रमत)

हिंदी विभाग, प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, शासकीय महाकोशल स्वशासी अग्रणी महाविद्यालय द्वारा लोक रंग फाग के संग कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत में हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. अरुण शुक्ल और महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अलकेश चतुर्वेदी ने दमोह जिले से आई विशेष फाग मंडली का आत्मीय स्वागत किया। प्रो. अरुण शुक्ल ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए फाग के सांस्कृतिक महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि फाग हमारी समृद्ध लोक संस्कृति का एक अत्यंत महत्वपूर्ण और अभिन्न हिस्सा है, जिससे वर्तमान पीढ़ी के छात्र-छात्राओं का भलीभांति परिचित होना आवश्यक है। इस सांस्कृतिक उत्सव के माध्यम से बुंदेली लोक संस्कृति की जीवंत छटा बिखेरी गई। लोक कलाओं को समाज का दर्पण बताते हुए कहा कि इन विधाओं को जीवित रखना शिक्षण संस्थानों का नैतिक दायित्व है। इस अवसर पर डॉ. राजीव मिश्रा, डॉ. मृत्युंजय सिंह, डॉ. डी.के.मिश्रा, डॉ. हेमंत तनकंपन, डॉ. ज्योति जुनगरे, डॉ. शिवचंद्र वल्के, डॉ. रविश तमन्ना ताजिर, डॉ. मनोज विश्वकर्मा, डॉ. रुकमणि अहिरवार, डॉ. ज्ञानेश पाण्डे, डॉ. महेन्द्र कुशवाहा, श्रीमती ललिता लोधी, डॉ. तरुणेन्द्र साकेत, डॉ. ममता गुप्ता, डॉ. संघप्रिया तिवारी, श्रीमती बबिता सिंह के साथ महाविद्यालय के लगभग 182 विद्यार्थी उपस्थित रहें।

शहर विकास और जनसुविधाओं से जुड़ी योजनाओं में किसी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं

लापरवाही बरतने पर होगी सख्त कार्रवाई

कार्यों में लापरवाही बरतने वाले 20 राजस्व अमले को नोटिस जारी

जबलपुर (स्वतंत्रमत)

निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने निगम के विभिन्न महत्वपूर्ण विभागों की विस्तृत समीक्षा बैठक ली। इस बैठक में राजस्व, बाजार, पीएम स्वनिधि, उद्यान और सीएम हेल्पलाइन जैसे जनहित से जुड़े विषयों पर गहन चर्चा की गई। निगमायुक्त ने अधिकारियों को दो-टूक शब्दों में निर्देश दिए कि शहर की व्यवस्थाओं में सुधार और राजस्व लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए 'फील्ड वर्क' पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने कहा कि शहर के विकास और जनसुविधाओं से जुड़ी योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी स्तर पर कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। निगमायुक्त ने निगम मुख्यालय में विभिन्न महत्वपूर्ण विभागों की विस्तृत समीक्षा बैठक लेकर वस्तुस्थिति का जायजा लिया।

अधिकारियों को दो टूक- इस बैठक में मुख्य रूप से राजस्व, बाजार, पीएम स्वनिधि योजना, उद्यान और सीएम हेल्पलाइन जैसे जनहित से जुड़े विभागों के कामकाज की गहन पड़ताल की गई। आयुक्त ने अधिकारियों को दो टूक शब्दों में निर्देशित किया कि शहर की व्यवस्थाओं में सुधार और राजस्व लक्ष्यों की शत-प्रतिशत प्राप्ति के लिए फील्ड वर्क पर विशेष ध्यान देना अनिवार्य है। उन्होंने स्पष्ट किया कि कार्यालय में बैठकर फाइलों का निपटारा करने के बजाय जमीन पर उतरकर समस्याओं का समाधान करना प्राथमिकता होनी चाहिए। कार्य में लापरवाही और अनुशासनहीनता बरतने के मामले को गंभीरता से लेते हुए निगमायुक्त ने 20 कर संग्रहकर्ताओं को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। इन कर्मचारियों से ड्यूटी में ढिलाई और राजस्व संग्रहण में रुचि न लेने को लेकर जवाब तलब किया गया है।

दफ्तरों में नहीं फील्ड में उतर कर कार्य करें- निगम की आर्थिक स्थिति को मजबूती देने के लिए आयुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने बाजार और राजस्व विभाग को विशेष लक्ष्य सौंपे हैं। उन्होंने बाजार अधीक्षक को निर्देशित किया कि वे अपनी पूरी टीम के साथ केवल कार्यालयी कामकाज तक सीमित न रहें बल्कि सीधे कार्यक्षेत्र में उतरकर लंबित वसूली की प्रक्रिया में तेजी लाएं। राजस्व वसूली के लिए प्रशासन ने 14 मार्च तक की कड़ी समय सीमा निर्धारित की है।

समय-सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण हो कार्य- बैठक के दौरान निगमायुक्त ने शहर की सुंदरता और पर्यावरणीय संतुलन को लेकर उद्यान विभाग की भूमिका पर भी विस्तार से चर्चा की। निगमायुक्त ने शहर के विभिन्न पार्कों की वर्तमान स्थिति और हरियाली के रखरखाव को लेकर विभागीय अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पार्कों के प्रबंधन में किसी भी प्रकार की कमी सामने आने पर संबंधित जिम्मेदारी तय की जाएगी। इसके साथ ही सीएम हेल्पलाइन के माध्यम से प्राप्त होने वाली जनसमस्याओं के निराकरण में तेजी लाने के आदेश दिए गए। आयुक्त ने कहा कि शिकायतों का निपटारा समय सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण तरीके से होना चाहिए ताकि नागरिकों को राहत मिल सके।

हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक- राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक- सुबोध दुबे, सम्पादक- राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी।
ई-मेल-**smatjbp1@ gmail.com,** फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एसएसपी जबलपुर/13/2026-28, **RNI No. 64561/96.**